खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 26 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-323

श्रीराम मंदिर पर मोदी ने फहरायी धर्म ध्वजा

जयश्रीराम के उद्घोष से गूंजा परिसर

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।
उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ध्वज फहराया।

इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के जरिए ङ्गसंकल्प सिद्धिफ के लिए रामनगरी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। रोड शो और पूजा अर्चना के बाद उन्होंने संघ प्रमुख भागवत के साथ ध्वजारोहण का कार्य पूरा किया।

इस दौरान जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग अयोध्यावासियों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर पुष्पवर्षा भी की। श्रीराम की अयोध्या ने प्रधानमंत्री का पूरे रास्ते में अभूतपूर्व स्वागत किया। अयोध्यावासियों के एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहरा रहा था। वहीं स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। अयोध्या पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

गौरतलब है कि श्री मोदी आज सुबह अयोध्या पहुंचे। साकेत महाविद्यालय पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा। वहां से काफिले संग टेढ़ी बाजार होते हुए उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर में प्रवेश किया।

इस दौरान अयोध्यावासियों ने जयश्रीराम, जय जय हनुमान के गगनभेदी नारों संग उनका स्वागत किया। अयोध्यावासी एक हाथ में भगवा ध्वज तो दूसरे हाथ में तिरंगा फहराते हुए प्रधानमंत्री का स्वागत करते रहे। प्रधानमंत्री ने भी पूरे रास्ते में हाथ हिलाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री ने सप्त मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह्य और माता शबरी मंदिर में पहुंचकर प्रधानमंत्री ने शीश झुकाया। प्रधानमंत्री ने शेषावतार मंदिर व माता अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया।

श्री मोदी अयोध्या में साकेत विश्वविद्यालय हैलीपेड पहुंचे। यहां श्री योगी और राज्यपाल पटेल ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की तरफ प्रस्थान किया। श्री राम मंदिर परिसर में राम दरबार पहुंचकर प्रधानमंत्री , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दर्शन-पूजन और आरती की।

यहां पुजारियों ने तीनों विशिष्टजनों को राम नामी गमछा ओढ़ाया व प्रसाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख भागवत ने विधिविधान से पूजन-अर्चन कर रामलला ▶10पर

जैसा सपना देखा था, उससे भी भव्य और दिव्य राम मंदिर बना है : मोहन भागवत

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।
उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ श्रीराम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण के लिए पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 500 सालों का सपना साकार हुआ है। हमने जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ। आरएसएस प्रमुख ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा किया और कहा, आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है।

इतने लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए उनको शांति मिली होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। आज करोड़ों लोगों की आस्था साकार हुई।

श्री भागवत ने कहा कि लोगों को लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। आज धर्मध्वज को

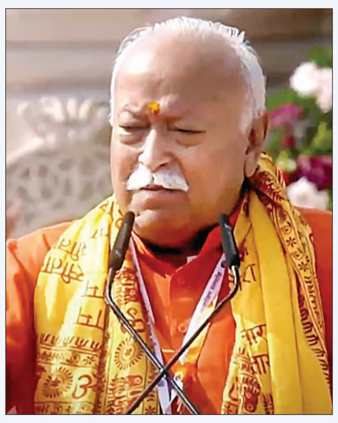

नीचे से ऊपर शिखर पर विराजमान होते हुए देखा है। मंदिर के रूप में हमने कुछ तत्वों को ऊपर पहुंचाया है। इससे सबका जीवन अच्छा चलेगा। यह धर्म ध्वज है। इसपर रघुकुल का प्रतीक चिह्न भी है। यह रघुकुल की छाया का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ हों धर्म ध्वजा को हमेशा ऊपर रखना है। बिना थके सूर्य भगवान प्रतिदिन दर्शन करते हैं। कार्य की सिद्धि के लिए गतिमान होना ज़रूरी है। हमको सामर्थ्यवान भारत खड़ा करना है। यह धर्म और ज्ञान पूरी दुनिया में बाटने का काम शुरू हो गया है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस देश में जन्म लेने वाले लोगों ने धर्म के रास्ते पर चलने की सीख दी है। सबके लिए समान सुख देने वाला भारत खड़ा करना है। जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ।

ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ : योगी

अयोध्या, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां मंगलवार को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण समारोह के दौरान कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान एवं आत्मगौरव का प्रतीक है।

श्री योगी ने अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। मुख्यमंत्री के साथ ही समूचा मंदिर परिसर जय-जयकार से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है और

रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि-कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों एवं सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है।

श्री योगी ने कहा कि श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय एवं राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। यह विकसित भारत की संकल्पना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्ष में बदलते भारत को देखा है। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं, जहां विकास और विरासत का बेहतरीन समन्वय है। यह इसे नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों को राशन, 50 करोड़ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, हर जरूरतमंद को आवास, हर व्यक्ति बिना भेदभाव शासन की योजन-ाओं का लाभ पा रहा है तो यह रामराज्य की वह उद्घ-ोषणा है, जिसका आधार विकसित भारत है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था कि मरामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। श्री योगी ने कहा कि एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष, बदहाली का शिकार बन चुकी थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के ▶10पर

ममता बनर्जी का एसआईआर विरोधी रैली में भाजपा-केंद्र पर हमला, दी खुली चेतावनी

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एसआईआर को लेकर भाजपा पर तीखा हमला किया और कहा कि बंगाल में मतदाता सूची से वैध मतदाताओं का नाम हटाए जाने पर केंद्र सरकार भी गिर सकती है। उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में मतुआ समुदाय के गढ़ में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 2024 में उसी वोटर लिस्ट के आधार पर वोट मिले थे। उन्होंने चेतावनी दी, अब अगर ड्खठ की आड़ में आपके नाम हटवा दिए गए, तो केंद्र सरकार भी गिर जाएगी।

उन्होंने ड्खठ की प्रक्रिया की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग भाजपा आयोग बन गया है। ममता ने शरणार्थी मतुआ समुदाय के लोगों को आश्वस्त किया कि जब तक वह सत्ता में हैं, उनके नाम मतदाता सूची से बाहर नहीं किए जाएंगे।

अगर बांग्लादेशी समस्या है, तो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में ड्खठ क्यों किया जा रहा है? मैं भाजपा से नहीं डरती, ममता ने कहा।

ममता ने हाल में बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी नेता भाजपा का खेल समझ नहीं पाए, लेकिन तृणमूल इसे समझती है और बंगाल में इसे सफल नहीं होने देगी। अगर उन्होंने बंगाल को छूने की कोशिश की, तो हम पूरे देश को हिला देंगे।

उन्होंने वोटर लिस्ट से नाम हटाने पर चेतावनी देते हुए कहा कि ट्रेनें, प्लेन और बॉर्डर सब केंद्रीय एजेंसियों के नियंत्रण में हैं। पासपोर्ट, कस्टम और एक्साइज सब केंद्रीय सरकार देखती है। फिर बंगाल में बांग्लादेशियों की घुसपैठ कैसे हुई?

ममता ने भाजपा पर सीएए कार्ड (नागरिकता दिलाने) के नाम पर पैसे उगाहने का आरोप लगाया और कहा, भाजपा के झांसे में आने पर आपको और मुश्किल में डाल देगा। ▶10पर

उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ वाइको की याचिका पर चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एमडीएमके संस्थापक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद वाइको के निर्वाचन आयोग के तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा और मामले को अगली सुनवाई के लिए दो दिसंबर को सूचीबद्ध कर दिया।

श्री वाइको ने दलील दी है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की अधिसूचना असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के कई प्रावधानों का उल्लंघन करती है।

तमिलनाडु में मतदाता सूची संशोधन के काम को द्रमुक, माकपा, अभिनेता विजय की टीवीके, सांसद थोल थिरुमावलवन और राज्य विधायक के. सेल्वपेरुंथगई सहित कई अन्य राजनीतिक दलों और नेताओं ने भी चुनौती दी है। इसके विपरीत, अन्नाद्रमुक इस संशोधन के समर्थन में एक आवेदन दायर किया है।

इससे पहले, 11 नवंबर को, उच्चतम न्यायालय ने इसी तरह की अन्य याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था और देश भर के उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया था कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित लंबित याचिकाओं को, चाहे वे तमिलनाडु या अन्य राज्यों की हों, अगले आदेश तक स्थगित रखें।

बंगाल की खाड़ी मिसाइल परीक्षण की संभावना

भारत ने 6-8 दिसंबर के बीच जारी किया नोटम

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

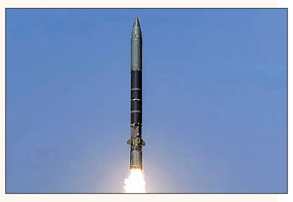

भारत 6-8 दिसंबर के बीच बंगाल की खाड़ी में मिसाइल परीक्षण की तैयारी कर रहा है। मिसाइल परीक्षण की संभावना के चलते छजढ-च् जारी हुआ है, जिसमें 1400 किमी से ज्यादा का नो-फ्लाई जोन बनाया गया है। यह परीक्षण 1400 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक हो सकता है, जो दर्शाता है कि यह शक्तिशाली और लंबी दूरी की मिसाइल हो सकती है।

नोटम का अर्थ होता है नोटिस टू एयरमैन। यह एक प्रकार का नोटिस है। यह युद्ध, किसी असामान्य स्थिति या युद्धाभ्यास के समय जारी किया जाता है। नोटम जारी करने का मकसद उड़ान क्षेत्र को सुरक्षित बनाना होता है। नोटम का मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाना है। इसके जरिए किसी हवाई अड्डे, हवाई क्षेत्र या अन्य वैमानिक सुविधाओं में किसी अस्थायी परिवर्तन या खतरे के बारे में जानकारी दी जाती है। यह जानकारी टेलीकम्यूनिकेशन के माध्यम से दी जाती है ताकि उड़ान संचालन से जुड़े लोग इस बारे में तुरंत पता लगा सकें और अपनी उड़ान की योजना बदल सकें। मतलब कुल मिलाकर यह पूरे फ्लाइट ऑपरेशन का सबसे अहम हिस्सा है।

इससे पहले भारत ने बंगाल की खाड़ी में 15 से 17 अक्टूबर 2025 के बीच मिसाइल परीक्षण करने के लिए नोटम जारी किया था। इस दौरान लगभग 1,480 किलोमीटर लंबा इलाका नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। भारतीय सेना लगातार अपनी सैन्य क्षमताओं में इजाफा कर रही है ऐसे में ये मिसाइल परीक्षण भी काफी अहम माने जाते हैं। ▶10पर

महाराष्ट्र में 50% आरक्षण पर एससी भड़की, कहा-

चुनावी नतीजे कोर्ट के फैसले पर टिकेंगे

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।
महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में 50 फीसदी से अधिक आरक्षण देने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्या की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि 50% आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ, तो संबंधित चुनावों के नतीजे कोर्ट के फैसले पर निर्भर होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (25 नवंबर) को महाराष्ट्र लोकल बॉडी चुनाव मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। महाराष्ट्र सरकार ने समय मांगा और कहा कि वे लोकल बॉडी में रिजर्वेशन के लिए 50% की सीमा के मुद्दे पर स्टेट इलेक्शन कमीशन से सलाह ले रहे हैं।

सीनियर एडवोकेट बलबीर सिंह ने अदालत को बताया कि 242 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर को कराने के लिए नोटिफाई किए जा चुके हैं। इन 288 लोकल बॉडीज़ में से 57 निकायों में 50% रिजर्वेशन की सीमा पार हो गई है। उगख सूर्यकांत ने कहा कि इन 57 निकायों के चुनाव कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेंगे। साथ ही, जिन लोकल निकायों के चुनाव अब नोटिफाई होने हैं, उनमें 50% की सीमा का पालन करना अनिवार्य है। यह मामला महाराष्ट्र में OBC रिज़र्वेशन लागू करने से जुड़ा है। ये चुनाव 2021 से रुके हुए थे। दिसंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने OBC रिजर्वेशन पर रोक लगाई थी और कहा था कि इसे ट्रिपल-टेस्ट पूरा करने के बाद ही लागू किया जा सकता है।

बाद में, राज्य सरकार ने मार्च 2022 में जयंत कुमार बंठिया कमीशन बनाया, जिसने जुलाई 2022 में अपनी रिपोर्ट सौंपी। मई 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने बंठिया कमीशन की रिपोर्ट से पहले के कानून के हिसाब से ओबीसी रिजर्वेशन के साथ चार महीने के अंदर चुनाव कराने के निर्देश दिए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

आईसीसी टी20 विश्व कप की सात फरवरी से होगी शुरुआत, भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।
अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित हो गया है। 20 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से होगी। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का कार्यक्रम दिग्गजों की उपस्थिति में जारी किया गया। इस कार्यक्रम में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, 2024 में अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप

दिलाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, मौजूदा भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास, सचिव दे-वजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला शामिल रहे।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने बताया कि टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, ▶10पर

शेयर मार्केट

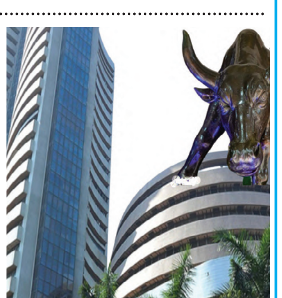

बीएसई : 84,587.01
−313.70 (0.37%) ↓

एनएसई :25,884.80
-74.70 (-0.29%)↓

पगारिया जेबीएन आरंभ प्लस औद्योगिक दौरा ग्राउंड जीरो का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ ने पगारिया जेबीएन आरंभ प्लस औद्योगिक दौरा ग्राउंड जीरो का आयोजन सांसेरा इंजीनियरिंग के प्लांट 9 (एयरोस्पेस, रक्षा और सेमीकंडक्टर डिवीजन) में 22 नवंबर 2025 को किया। इस भ्रमण का उद्देश्य उद्योग का समग्र दृष्टिकोण देना था, जिसमें तकनीकी शॉप फ्लोर अनुभव और उच्च स्तरीय प्रबंधन की गहन जानकारी शामिल थी। शुरुआत नेशनल कॉलेज मेट्रो स्टेशन, बसवनगुड़ी से हुई और इसमें चार खंड थे। जिसमें कॉर्पोरेट ब्रीफिंग, लीडरशिप इंटरैक्शन, शॉप फ्लोर एक्सपीरियंस और स्ट्रैटेजिक इनसाइट्स शामिल है। कॉर्पोरेट ब्रीफिंग और ग्लोबल स्केल, अरुण (बिजनेस डेवलपमेंट) और विजय (एचआर) ने सांसेरा का विस्तृत परिचय दिया। इनकी विशालता को उजागर किया। भारत में 16 यूनिट और 1 स्वीडन में, 27 प्लस देशों में उपस्थिति, और 97 प्लस वैश्विक ग्राहक हैं। सत्र में एयरोस्पेस, रक्षा और सेमीकंडक्टर्स में सांसेरा की विशेषज्ञता पर जोर दिया गया, जिससे प्रिसिजन इंजीनियरिंग में इनकी लीडरशिप और मजबूत हुई। सदस्यों ने सांसेरा इंजीनियरिंग के उपाध्यक्ष राकेश एसबी के साथ लीडरशिप इंटरएक्टिव प्रश्न एवं उत्तर सत्र में हिस्सा लिया। सत्र में प्रोफेशनल्स, फैमिली बिजनेस ऑनर्स और स्टूडेंट्स के सवालों का जवाब दिया गया। टेक से लेकर स्ट्रैटेजी तक हर सवाल का जवाब दिया। शॉप फ्लोर एक्सपीरियंस, ज्यादा जुड़ाव और सुरक्षा के लिए, सदस्यों को 2 ग्रुप में बांटकर सांसेरा की फैक्ट्री का एक्सप्लोर किया गया। 85 प्रतिशत क्षमता पर चलते हुए, उन्होंने 11 प्लस हाई-टेक मशीनें देखीं और लाइव टाइमलाइन चार्ट्स के साथ प्रोडक्शन प्लानिंग में गहराई से जाना। हर स्टेप पर रिगरस क्यूसी चेक जिससे सांसेरा कस्टमर्स के साथ टॉप-टियर ट्रस्ट बनाता और कायम रखता है। स्ट्रैटेजिक इनसाइट्स, सदस्यों का समापन वीपी राकेश एसबी के साथ हाई-इंपैक्ट प्रश्न एवं उत्तर सत्र से हुआ। सप्लाइ चेन, प्रोडक्शन चुनौतियां, इन-हाउस ट्रेनिंग, फाइनेंस क्लाइंट रिलेशन (क्रेडिट लाइन, लॉन्ग टर्म ट्रस्ट)। संयोजक तक्ष जैन के नेतृत्व में, 32 सदस्यों ने जेवाईडब्ल्यू के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल, कोषाध्यक्ष यश जैन, कार्यकारी और प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ फैक्ट्री का दौरा किया।

युवती बहनों द्वारा सखी समिट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित सखी समिट-उड़ान संस्कारों की के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की युवतियों द्वारा समिट का आयोजन किया गया। सभी युवतियों ने अपना परिचय देते हुए समिट का शुभारंभ ओम भिक्षु के जप के साथ किया। युवतियों द्वारा क्या डिग्री से मिलती है हर डगर विषय पर खुली चर्चा करते हुए अपने विचारों को व्यक्त किया। बहनों ने आपस में कई रोचक गेम्स भी खेलें तथा अपनी-अपनी रुचि के विषय में एक दूसरे को बताया। योगा ट्रेनर मोनिका ने योगा टिप्स दिए तथा एक डाइटिशियन ने अपना अनुभव साझा करते हुए हेल्दी डाइट के विषय में बताया। लगभग एक से डेढ़ घंटे चले इस समिट में बहनों ने एक दूसरे को जाना, समझा तथा आपस में अच्छी बॉन्डिंग बनायी। सभी समिट आयोजन से काफी उत्साहित नजर आई तथा आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं इसकी मनसा जाहिर की। समिट आयोजन में संयोजिका श्वेता नाहटा का विशेष श्रम रहा। समिट में लगभग 15 बहनों ने भाग लिया।

जीवन में इंसानियत से जीने का पहला मंत्र, जियो और जीने दो: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन संघ टी दासरहल्ली बेंगलूरु में विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि जीवन में इंसानियत से जीने का पहला मंत्र है, जियो और जीने दो। इन चार शब्दों पर मानव- धर्म का पूरा महल खड़ा है। हमारे द्वारा दया और करुणा के किए गए छोटे छोटे कृत्य और मूंह से बोले गए प्यार के दो मीठे बोल हमारे जीवन को स्वर्ग बना सकते हैं। जहां भावना की कदर होती है, वहा मन अपने आप झुक जाता है, भले ही उस रिश्ते का कोई नाम न हो। ईश्वर के पास तो देने के हजारों तरीके है, मांगने वाले तू देख तुझमें कितने सलीके है। जीवन के इस सफर में हम उसी दिन बड़े हो जाते हैं, जब अपने आंसू खुद ही पोछकर फिर खड़े हो जाते हैं। कहते हैं हर कोई चन्दन नहीं, कि 'सुगन्धित' कर सके। कुछ नीम के पेड़ भी हैं, जो सुगन्धित तो नहीं करते पर काम बहुत आते हैं। देखा जाए तो केवल जिद की एक गांठ खुल जाए तो उलझे हुए सब रिश्ते सुलझ जाएं। इसलिए उन लोगों पर ध्यान दें जो आपके जीवन में बने रहने का प्रयास करते हैं क्योंकि आवाज की पहुंच कान तक होती है, और खामोशी की आसमान तक। मुस्कुराने का असर सेहत पर होता है, इसलिए मुस्कुराकर खुद को सेहतमंद बनाए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि चींटियों का इकट्ठा किया हुआ अनाज, मधुमक्खियां का इकट्ठा किया हुआ शहद और इंसान का इकट्ठा किया हुआ धन हमेशा दूसरों के काम आता है। इसलिए कुछ अच्छे कर्म हम करें जो हमेशा हमारे साथ जाएंगे। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद की लब्धीधाम से दासरहल्ली विहार सेवा का लाभ चेतन प्रकाश झारमुथा, राकेश दांतेवाडिया, धर्मेंद्र कुमार जैन, गिरीश कुमार जैन ने लिया। साध्वीवृंद 26 नवंबर को सुबह राजाजीनगर स्थित भरत कुमार, अरुणा कानुंगा के निवास स्थान पर पधारेंगे।

धर्मस्थल केस: मास्कमैन चिन्नय्या को 12 शर्तों के साथ जमानत मिली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु जिला और सत्र कोर्ट ने धर्मस्थल गांव में हुए स्कल केस के मुख्य आरोपी चिन्नय्या को जमानत दे दी है। कोर्ट ने 1 लाख रुपये के बॉन्ड पर जमानत मंजूर की और 12 सख्त शर्तें लगाईं।

एसआईटी की अंतरिम चार्जशीट के बाद, साजिश के सिलसिले में ज्यूडिशियल कस्टडी में बंद चिन्नय्या के वकील ने डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जमानत अर्जी दी थी। जमानत देते हुए, जज ने निर्देश दिया कि आरोपी बिना पहले से इजाजत लिए डिस्ट्रिक्ट या कोर्ट के अधिकार क्षेत्र से बाहर न जाए। उसे केस के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म समेत मीडिया को बयान या इंटरव्यू देने से भी रोक दिया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी शर्तों का सख्ती से पालन किया जाए। चिन्नय्या को केस में पूरी जांच के बाद 23 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। 6 सितंबर को उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया और शिवमोग्गा जेल भेज दिया गया।

बीबीए की एक छात्रा की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मदनायकनहल्ली पुलिस स्टेशन के अंदर तम्मेनहल्ली में एक 21 साल की स्टूडेंट की उसके घर पर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश की रहने वाली देवीश्री के तौर पर हुई है, जो एक प्राइवेट कॉलेज में बीबीए कर रही थी। वह किराए के घर में अकेली रहती थी। हत्या का पता तब चला जब घर के मालिक ने घर से कोई हलचल नहीं देखी और देखने गए, तो देवीश्री बिस्तर पर मृत पड़ी थीं और उनके सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों पर कई चोटें थीं। उन्होंने पुलिस को बताया, जो मौके पर पहुंची और मौके का मुआयना किया। जांच में पता चला कि देवीश्री का एक दोस्त था जो अक्सर उससे मिलने आता था और शक है कि उसी ने उसकी हत्या की होगी। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है और दोस्त को ढूंढने की कोशिश की जा रही है, जो फरार बताया जा रहा है।

आरएसएस को यह समझना चाहिए कि अनुमति संवैधानिक प्रावधानों से मिलती है: दलित संघर्ष समिति

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करते हुए, दलित संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि यह संगठन लगातार भारतीय संविधान की भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ काम कर रहा है। लेकिन 16 नवंबर को कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के चित्तपुर शहर में हुए अपने पथ संचलन (रूट मार्च) के दौरान उसे संविधान का पालन करने के लिए मजबूर किया गया। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, समिति के राज्य संयोजक अर्जुन भद्रे ने कहा कि, अपने 100 साल के इतिहास में पहली बार, आरएसएस को संविधान और कानून का पालन करना पड़ा, जब कोर्ट के निर्देशों के अनुसार 16 नवंबर को चित्त-पुर में उसके रूट मार्च की इजाजत दी गई। उन्होंने कहा कि संगठन को यह समझना चाहिए कि इजाजत संवैधानिक प्रावधानों से मिलती है, न कि 'जय श्री राम' जैसे नारे लगाने से। उन्होंने संगठन के रजिस्ट्रेशन स्टेटस पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया सफाई पर आपत्ति जताई, और उन पर अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां करने का आरोप लगाया, जिससे संविधान कमजोर हुआ। भद्रे ने कहा कि भारत का संवैधानिक ढांचा टॉलरेंस, प्लूरलिज्म और बराबरी पर बना है, लेकिन आरएसएस से जुड़ी कम्युनल ताकतें इन मूल्यों को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस जाति के बंटवारे को सपोर्ट करता है और ऐसे नुकसानदायक विचार फैलाता है जो सामाजिक मेलजोल और लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। हाल ही में महाराष्ट्र में माओवादी सदस्यों के एक ग्रुप ने अपने हथियार डाल दिए। उन्होंने एक सरकारी रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के दौरान संविधान और राष्ट्रीय झंडा स्वीकार कर लिया। अगर हथियारबंद विद्रोही संविधान का पालन कर सकते हैं, तो आरएसएस क्यों नहीं कर सकता?

कलबुर्गी में एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर बनाया जाएगा: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को कहा कि लोकल इकोनॉमिक एक्सेलेरेशन प्रोग्राम (लीप) के तहत कलबुर्गी में एक एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर लॉन्च किया जाएगा। इस बारे में एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए उन्होंने कहा कि यह 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच साल की पहल है। इससे रीजनल एंटरप्रेन्योरशिप को फिर से शुरू करने, इनोवेशन को डीसेंट्रलाइज करने और राज्य के तेजी से बढ़ते टेक्नोलॉजी क्लस्टर्स में इकोनॉमिक ग्रोथ को तेज करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं में एग्री-टेक्नोलॉजी, रूरल इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए पूरे कर्नाटक में एक नया स्टार्टअप हब और पायलट लैब बनाया जाएगा। यह अगले साल जनवरी में चालू हो जाएगा। कृषिकल्प फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप में बनाया जा रहा एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर, कल्याण कर्नाटक रीजन में इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करने का मकसद रखता है। यह एग्रीकल्चर, उससे जुड़े सेक्टर, रूरल इनोवेशन और नई टेक्नोलॉजी पर फोकस करेगा। इस पहल के तहत, कलबुर्गी जिला प्रशासन ने जगह दी है। यह इस इलाके के लिए एक खास स्टार्टअप हब के तौर पर काम करेगा। उन्होंने बताया कि यह स्टार्टअप फाउंडर्स, एग्री-एंटरप्रेन्योर्स, इनोवेटर्स और कॉम्प्लिमेंट्री इंडस्ट्रीज में पार्टनर्स को जरूरी सपोर्ट देगा। उन्होंने कहा कि यह सेंटर मेंटरशिप, मार्केट एक्सेस और फाइनेंशियल सपोर्ट तक पहुंच के फ्रेमवर्क पर काम करेगा, और स्टार्टअप्स को तेज करने, कैपेसिटी बिल्डिंग और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के सिद्धांतों के तहत काम करेगा। उन्होंने कहा कि एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रोटोटाइपिंग लैब बनाई जाएगी ताकि स्टार्टअप्स लोकल लेवल पर वर्ल्ड-क्लास इनोवेशन डिजाइन, बना और टेस्ट कर सकें, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर और मार्केट एक्सेस की रुकावटों को काफी कम किया जा सके। कलबुर्गी ग्रामीण कर्नाटक की बहुत बड़ी अनछुई क्षमता को दिखाता है। इस इलाके में 70 प्रतिशत से ज्यादा वर्कफोर्स एग्रीकल्चरल इकॉनमी में योगदान देता है। उन्होंने बताया कि पहल के तहत और नए एंटरप्रेन्योरशिप सेंटर के जरिए, हम टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मौकों को सीधे अपने समुदायों तक लाकर ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच के अंतर को काफी कम कर रहे हैं।

ब्लाइंड विमेंस टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत ऐतिहासिक रिकॉर्ड: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि ब्लाइंड विमेंस टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने में भारतीय टीम की कामयाबी बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने शहर के एक होटल में भारतीय ब्लाइंड विमेंस क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह तारीफ के काबिल है कि भारतीय टीम ने पूरी सीरीज जीतकर तरक्की की है। उन्होंने कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम परफॉर्मेंस और कमिटमेंट से हासिल किया जा सकता है। इस कामयाबी के पीछे ट्रस्ट के अध्यक्ष और ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के मेंटर डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर का पर्दे के पीछे अहम रोल रहा। उन्होंने उन्हें भी बधाई दी। इस मौके पर ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के मेंटर डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर, कैप्टन दीपिका टी.सी., टीम कोच संधू, टीम मैनेजर शिखा शेट्टी, सांसद पी.सी. मोहन, राज्य सचिव शरणु तारिकेरी, बेंगलूरु सिटी अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, राज्य मीडिया कोऑर्डिनेटर करुणाकर खासले मौजूद थे।

विजयेन्द्र ने कुमारस्वामी से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात की और बातचीत की। राज्य बीजेपी के एक बयान में कहा गया कि उन्होंने राज्य में एनडीए गठबंधन को और मजबूत करने और भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ने की रणनीतियों पर चर्चा की, जो शासन में पूरी तरह से फेल हो गई है।

साउंड सिस्टम का इस्तेमाल करने पर मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बंटवाल शहर की पुलिस ने भंडारीबेट्टू, बंटवाल में एक परिवार के खिलाफ नॉइज पॉल्यूशन (रे-गुलेशन एंड कंट्रोल) रूल्स, 2000 के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि परिवार ने 22 नवंबर की रात को तय लिमिट से ज्यादा आवाज में साउंड सिस्टम का इस्तेमाल किया और पब्लिक में परेशानी पैदा की। तेज आवाज वाले और बिना इजाजत के साउंड एम्पलीफायर के इस्तेमाल से परेशानी होने की जानकारी मिलने पर, बंटवाल शहर की पुलिस जांच के लिए मौके पर गई। जांच के दौरान, पता चला कि बिना पहले से इजाजत लिए एक शादी के समारोह में साउंड इक्विपमेंट का तेज आवाज में इस्तेमाल किया जा रहा था।

कांग्रेस हाईकमान को कर्नाटक में सीएम बदलने की उलझन पर पूरी तरह रोक लगानी होगी: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस के अंदर सत्ता की खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है, ऐसे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि इस भ्रम को पूरी तरह खत्म करने के लिए आखिरकार पार्टी हाईकमान को ही फैसला लेना चाहिए। यह दो-हराते हुए कि वह सीएम बदलने के मुद्दे पर हाईकमान के फैसले को मानेंगे, उन्होंने कहा कि विधायक पार्टी लीडरशिप से मिलने और अपनी राय शेयर करने के लिए आजाद हैं। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंचने के बाद, राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच, सत्ताधारी पार्टी के अंदर सत्ता की खींचतान तेज हो गई है। इसमें सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम डी के शिवकुमार के बीच 2023 में कथित सत्ता साझेदारी समझौते का हवाला दिया गया है। शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों की एक टीम के दिल्ली जाने के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, सिद्धरामैया ने कहा, उन्हें (विधायकों को) जाने दें, विधायकों को आजादी है। देखते हैं वे क्या राय देते हैं। आखिर में, हाईकमान को फैसला करना है। हम हाईकमान की बात मानेंगे।

विधायकों के एक ग्रुप द्वारा हाईकमान से मामले को खत्म करने की अपील के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, वे (विधायक) जो कुछ भी कहना चाहते हैं, उन्हें हाईकमान से कहने दें। आखिर में, इस कन्फ्यूजन को पूरी तरह खत्म करने के लिए, हाईकमान को ही फैसला लेना है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि शिवकुमार का समर्थन करने वाले छह कांग्रेस विधायकों का एक बैच 23 नवंबर को हाईकमान के नेताओं से मिलने नई दिल्ली गया था। उन्होंने यह भी कहा कि शिवकुमार को सीएम बनाने के लिए कुछ और विधायक जल्द ही दिल्ली जा सकते हैं। पिछले हफ्ते शिवकुमार का समर्थन करने वाले लगभग दस विधायक दिल्ली गए थे और खड़गे से मिले थे। कैबिनेट में फेरबदल के बारे में एक सवाल पर, सीएम ने कहा यह तब होगा जब हाईकमान कहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल कांग्रेस के टॉप लीडर राहुल गांधी से मिलने का उनका कोई प्लान नहीं है। इस बीच, शिवकुमार, जो पिछले कुछ दिनों से मल्लिकार्जुन खड़गे से नहीं मिले थे, जब वे शहर में थे, मंगलवार को उनके साथ एयरपोर्ट गए जब वे दिल्ली के लिए निकले। पार्टी में चल रही लीडरशिप की खींचतान के बीच, सिद्धरामैया ने शनिवार को बेंगलूरु में अपने घर पर खड़गे के साथ एक घंटे से ज्यादा लंबी मीटिंग की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि जहां सिद्धरामैया अपने कैबिनेट में फेरबदल के लिए जोर दे रहे हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले लीडरशिप में बदलाव पर फैसला करे। पार्टी के कई अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, अगर कांग्रेस हाईकमान कैबिनेट में फेरबदल को मंजूरी दे देता है, तो इसका मतलब होगा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पांच साल का पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे, जिससे शिवकुमार के इस अहम पद पर बैठने की उम्मीद खत्म हो जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो बार-बार कहते रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, ने सोमवार को पहली बार अपना बयान बदला है और यह कहकर उत्सुकता जगाई है कि अगर हाईकमान निर्देश देगा तो वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सिद्धरामैया के बयान ने राज्य में लीडरशिप में बदलाव का संकेत दिया है। इसने उन चर्चाओं को और पक्का कर दिया है कि ढाई साल बाद नेतृत्व में बदलाव होगा। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश के इस बयान पर कि सिद्धरामैया अपने वादे के मुताबिक काम करेंगे, सिद्धरामैया ने कहा हम हाईकमान की बात सुनेंगे। अगर हमारा हाईकमान फैसला करता है, तो हम उसका पालन करेंगे। अगर वे कहते हैं तो मैं बना रहूंगा। आखिरकार, जैसा हाईकमान कहेगा, मुझे और डी.के. शिवकुमार दोनों को इसे मानना होगा। क्या डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एक ही सवाल दोबारा पूछना ठीक नहीं है, हालांकि उन्होंने कहा कि वे हाईकमान की बात सुनेंगे। वे 4-5 महीने पहले कैबिनेट में फेरबदल पर बात करने के लिए दिल्ली गए थे। उस समय हाईकमान ने कैबिनेट विस्तार का आदेश दिया था। अब अगर हाईकमान कहेगा तो कैबिनेट में फेरबदल किया जाएगा।

वे अपनी ही रणनीति पर चल रहे हैं

उन्होंने कहा कि लीडरशिप में बदलाव के बारे में वरिष्ठों ने जैसा कहा है, वैसा ही वे करेंगे। सिद्धरामैया ने इस बात पर टिप्पणी करने से मना कर दिया है कि डी.के. शिवकुमार गुट के कुछ विधायक वरिष्ठ नेताओं से मिलने दिल्ली जा रहे हैं। अब तक सिद्धरामैया बार-बार कहते रहे हैं कि वे खुद 5 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। लेकिन पिछले कुछ दिनों में हो रहे घटनाक्रम से सिद्धरामैया का विश्वास कम होता दिख रहा है। डी.के. शिवकुमार इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनना है और वे अपनी ही रणनीति पर चल रहे हैं। इससे सिद्धरामैया के लिए घुटन भरा माहौल बन गया है। भले ही दोनों आमने-सामने हों, लेकिन यह साफ है कि लीडरशिप के मुद्दे पर दोनों के बीच तीखी लड़ाई चल रही है। सिद्धरामैया अपनी शिकायतों और नाकामियों को किनारे रखकर नरम पड़ते दिख रहे हैं। वे एक लाइन के जवाब तक ही सीमित हैं कि वे हाईकमान के फैसलों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि डी.के. शिवकुमार मीडिया से मिले, लेकिन उन्होंने बिना कोई बयान दिए हाथ हिलाया और आगे बढ़ गए। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने चिक्कबल्लापुर जिले के शिडलाघट्टा में कई विकास कार्यों के शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम में एक साथ हिस्सा लिया। लेकिन मंच पर सिद्धरामैया अलग ही इंसान दिखे। डी.के. शिवकुमार भी अपने हाव-भाव सख्त रखते दिखे। पहले दोनों नेता किसी भी कार्यक्रम में दोस्ताना तरीके से हिस्सा लेते थे।

कलबुर्गी में ग्राम पंचायत कर्मचारियों ने बकाया सैलरी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) से जुड़े कर्नाटक स्टेट ग्राम पंचायत एम्प्लॉइज एसोसिएशन की डिस्ट्रिक्ट यूनिट के सदस्यों ने कलबुर्गी शहर में एक प्रोटेस्ट मार्च निकाला और जिला अधिकारियों से अपील की कि वे कर्नाटक के कलबुर्गी जिले की ग्राम पंचायतों में काम करने वाले बिल कलेक्टर, क्लर्क-कम-डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों से जुड़ी लंबे समय से लंबित सेवा समस्या को हल करें। एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष नागराज बांगुर और राज्य सचिव गैबू जैनेखान ने कहा कि हालांकि कई कर्मचारी 25 से 30 साल से काम कर रहे हैं, लेकिन वे बिना सैलरी, प्रमोशन न मिलने और काम की बेसिक सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं।

कई स्टाफ सदस्यों को पिछले 25-30 महीनों से सैलरी नहीं मिली है। हालांकि सरकार ने लोकल बॉडीज को टैक्स कलेक्शन से 40 प्रतिशत सैलरी देने का निर्देश दिया है, लेकिन ग्राम पंचायतों ने कथित तौर पर लंबित भुगतान नहीं किया है, जिससे कर्मचारी गंभीर वित्तीय परेशानी में हैं। सर्विस रिकॉर्ड को मंजूरी देने में देरी पर चिंता जताते हुए, बांगुर ने कहा कि सरकारी आदेश के अनुसार, 31.10.2017 से पहले नियुक्त सभी ग्राम पंचायत कर्मचारियों को जिला पंचायत से मंजूरी मिलनी चाहिए, लेकिन कई फाइलें लंबित हैं। उन्होंने आगे कहा कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्त कर्मचारी भी बहुत कम वेतन पर टैक्स कलेक्टर का काम कर रहे हैं। एसोसिएशन ने जिला पंचायत पर प्रमोशन में बेवजह देरी करने का आरोप लगाया, जबकि सेक्रेटरी ग्रेड-2 और सेकंड डिवीजन अकाउंट्स असिस्टेंट पदों के लिए एक साल पहले प्रोविजनल लिस्ट तैयार की गई थी।

अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला ने छात्रों से कहा:

चांद पर निशाना लगाओ, मुझसे मुकाबला करो

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री और गगनयात्री सुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को छात्रों से अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और चांद पर उतरने का सपना पूरा करने की अपील की।

यह देखने के लिए उत्सुक कि चांद की सतह पर देश का कोई पुरुष जाएगा या महिला, भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों को उनसे मुकाबला करना होगा। गगनयान मिशन का हिस्सा आईएएफ टेस्ट पायलट ने छात्रों के साथ बातचीत के दौरान कहा भारत मानव अंतरिक्ष मिशन को अंजाम देने के अपने रास्ते पर है और लेटेस्ट स्पेस विजन वह पॉलिसी थी जिसे 2023 में लाया गया था।

यह साफ तौर पर तय करता है कि देश मिशन गगनयान को अंजाम देगा, जिसमें कुछ इंसानों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें वापस लाना शामिल है। गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है। शुक्ला ने कहा हमारा अपना स्पेस स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन भी होगा, जो अभी बन रहा है। इस पर बातचीत चल रही है, और फिर आखिरकार 2040 तक चांद पर कोई भारतीय उतरेगा। शुक्ला ने वहां मौजूद लोगों से कहा मुझे यकीन है कि आप में से कोई एक ऐसा होगा जो चांद पर कदम रखेगा। लेकिन मैं अभी भी यहीं हूं। मैं नहीं जा रहा हूं, इसलिए आपको मेरे साथ मुकाबला करना होगा। आप जानते हैं, चांद पर जाने के लिए, हम मुकाबला करेंगे। यह बताते हुए कि यह भारत में होने का एक रोमांचक समय है, उन्होंने कहा, हम अपनी धरती से अपने लॉन्च व्हीकल पर, अपने कैप्सूल में लॉन्च कर रहे हैं, और एक भारतीय स्पेस में जाएगा और वापस आएगा। मुझे लगता है कि इस देश में होने का यह एक शानदार समय है। यह कहते हुए कि भारत का भविष्य वाकई उज्ज्वल है, उन्होंने कहा कि वह देश में स्पेस सेक्टर को लेकर बन रहे उत्साह को देखकर खुश और उत्साहित हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह भविष्य के सभी प्रोजेक्ट्स में शामिल होने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे, यह कहते हुए कि यह उनके कामों में से एक है। शुक्ला ने कहा कि मकसद 2047 तक 'विकसित भारत' के तहत भारत को एक विकसित देश के तौर पर देखना है, और यह लक्ष्य अपने आप हासिल हो जाएगा।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष शुरू

परेशान किसानों की मदद न करना माफ न करने लायक जुर्म है: विजयेंद्र

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि हमने किसान विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष शुरू किया है। उन्होंने कहा कि परेशान किसानों की मदद न करना माफ न करने लायक जुर्म है। यहां एक विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नादहल्ली, राज्य के वरिष्ठ नेता सी.टी. रवि, नेता रेणुकाचार्य, मदल विरुपाक्षप्पा और जिले के नेता एक साथ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की बुरी किसान विरोधी कांग्रेस सरकार किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। गन्ना किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ है। मक्का उगाने वाले किसान संघर्ष कर रहे हैं। लक्ष्मेश्वर में संघर्ष चल रहा है। किसान नेता शंकर अंबाली नवलगुंड में भूख हड़ताल पर हैं। बागलकोट और शिवमोग्गा समेत कई जिलों में संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खरीद केंद्र नहीं खोला है, जबकि केंद्र ने सपोर्ट प्राइस घोषित कर दिया है। मुख्यमंत्री को मक्का खरीद केंद्र शुरू करना चाहिए। कोप्पल, बल्लारी, विजयनगर और रायचूर के आसपास के किसान तुंगभद्रा बांध पर 32 क्रस्ट गेट लगाए बिना दूसरी फसल नहीं उगा पा रहे हैं। राज्य सरकार ने इस मामले में अन्याय किया है। उन्होंने मांग की कि उन्हें 25,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जाए। राज्य के किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर जवाब दिए बिना पूरी कैबिनेट दिल्ली में बैठी है। उन्होंने आलोचना की कि जब मुख्यमंत्री ने मक्का खरीद केंद्र पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई तो कृषि मंत्री दिल्ली में थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सीएम कौन है, बल्कि समाधान दें। उन्होंने मांग की कि किसानों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। 27 और 28 तारीख को राज्य के सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों में संघर्ष का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा रायता मोर्चा 1 और 2 दिसंबर को राज्य के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन करेगा। इससे पहले, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने किसानों, गन्ना किसानों और मक्का किसानों की समस्याओं पर ध्यान न देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने घोषणा की कि सरकार को अलर्ट करने के मकसद से यहां विरोध प्रदर्शन शुरू किया जा रहा है।

आज से 6 दिसंबर तक संविधान दिवस मनाया जाएगा: चलवाड़ी नारायणस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा बुधवार से 6 दिसंबर तक पूरे राज्य में संविधान दिवस मनाने और बाबासाहेब अंबेडकर को याद करने के लिए कार्यक्रम करेगी। उन्होंने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी, मैसूरु शहर और ग्रामीण मैसूरु जिले की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात की। उन्होंने कहा कि यह पार्टी अध्यक्ष के आदेश के अनुसार किया जाएगा। 26 नवंबर को कानून दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। संविधान दिवस का जश्न संविधान और बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर के सम्मान का काम होना चाहिए। विपक्षी पार्टियां

आरोप लगा रही थीं कि भाजपा दलित विरोधी, डॉ. अंबेडकर विरोधी, संविधान विरोधी है, और आरक्षण खत्म कर देगी। उन्होंने इस बात पर एतराज जताया कि कांग्रेस पार्टी ने ज्यादातर ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर संविधान का नाम लेकर संविधान को धोखा देने का आर-ोप लगाया। बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर को कांग्रेस पार्टी ने ही धोखा दिया था। आरक्षण की बात करते हुए उन्होंने कहा कि नेहरू ने कहा था कि आरक्षण से यह देश नहीं बचेगा। अब वे संविधान बचाने निकल रहे हैं। 1975-76 में इस देश में इमरजेंसी किसने लगाई थी?

कांग्रेस की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लगाई थी। इमरजेंसी लगने के ढाई साल बाद तक इस देश में संविधान ही नहीं था। क्या यह कांग्रेस ने नहीं किया था? अब संविधान खतरे में नहीं है। आप किस मुंह से संविधान बचाने की बात करते हैं? मोदी ने संविधान को बहुत मजबूत रखा है। उन्होंने कहा कि पहले चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने ही डॉ. अंबेडकर को हराया था। कांग्रेस पार्टी एक जलते हुए घर की तरह है।

इसका कोई भविष्य नहीं है। जो लोग इसमें गए हैं उनका भी कोई भविष्य नहीं है। शायद थोड़ी देर हो गई है। अब उनकी बातें सच होने का समय आ गया है। इसलिए, कांग्रेस पूरे देश में डूबता हुआ जहाज बन गई है। वे कह रहे हैं कि हमें इंडियन यूनियन में कांग्रेस लीडरशिप नहीं चाहिए। उन्हें नेशनल पार्टी की कोई इज्जत नहीं है। डॉ. अंबेडकर के पांच चुनाव क्षेत्रों को आज भाजपा ने राष्ट्रीय स्मारक बनाया। भाजपा ने संविधान दिवस मनाया। आज उन्हें भाजपा याद कर रही है, कांग्रेस पार्टी नहीं। कई दिनों तक कांग्रेस ऑफिस में अंबेडकर की फोटो नहीं लगी। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेसियों को उनकी कोई इज्जत नहीं है। दलित कम्युनिटी डॉ. अंबेडकर के नाम पर है। उन्होंने बताया कि उन्होंने उनकी फोटो इसलिए लगानी शुरू की क्योंकि वे उनका वोट बैंक चुराना चाहते थे। भारत रत्न को लेकर कांग्रेस का बर्ताव सबको पता है। पूरी कांग्रेस पार्टी ने नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी को दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर वे पावर में होते तो सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भारत रत्न देते।

दो टेकनीशियन के घर लूटने के आरोप में जिम ट्रेनर समेत छह लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एचएएल पुलिस ने सोमवार को एक 24 साल के जिम ट्रेनर और उसके पांच साथियों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि उन्होंने पिछले हफ्ते दो महिला टेकनीशियन को पुलिसवाला बनकर लूटा था, जब वे महिलाएं अपने घर पर देर रात बर्थडे पार्टी कर रही थीं। पुलिस ने आरोपियों को ट्रैक किया और जिम ट्रेनर मोहम्मद नजश और उसके साथियों के.टी. वीनू, 23, एम. सरुन, 38, दिवाकर, 34, मधु कुमार 32 और किरण, 29 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की रहने वाली पीड़िता, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम कर रही थी, कुछ दिन पहले एक कैफेटेरिया में मुख्य आरोपी नजश से मिली और दोनों दोस्त बन गए। 6 नवंबर को, पीड़िता ने नजश को अपनी बर्थडे पार्टी में बुलाया, जिसमें वह वीनू के साथ गया था। उसकी ऐशो-आराम की जिंदगी देखकर, उसने उसे लूटने का प्लान बनाया। फिर उसने सरुन को फोन किया और उसी रात प्लान को पूरा करने के लिए कुछ और लोगों को शामिल करने को कहा। थोड़ी देर बाद, आरोपियों ने दरवाजा खटखटाया और कहा कि वे स्विगी डिलीवरी बॉय हैं। फिर वे पुलिसवाले बनकर घर में घुस गए और चेकिंग करने लगे और पीड़ितों पर ड्रग्स केस करने की धमकी दी। पीड़ितों ने खुद को बेगुनाह बताया, लेकिन आरोपियों ने चार्ज हटाने के लिए 5 लाख मांगे। पीड़ितों ने कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं, जिसके बाद आरोपियों ने उनके मोबाइल फोन ले लिए और पैसे का इंतजाम करने को कहा। उन्होंने कहा कि वे अगले दिन वापस आएंगे और फिर मौके से चले गए। हैरान होकर, पीड़ितों ने अपने दोस्तों को पूरी बात बताई और उनकी सलाह पर पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने आरोपियों पर नजर रखने से पहले नजश के कॉल रिकॉर्ड डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज चेक किए। उन्होंने लूट का केस दर्ज किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हिमाचल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 26 नवंबर से 5 दिसंबर तक, कुल 8 बैठकें होंगी : पठानियां

धर्मशाला, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधान सभा तपोवन में आयोजित एक प्रैस वार्ता को सम्बोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की चौदहवीं विधान सभा का दशम सत्र दिनाँक 26 नवम्बर, 2025 से 05 दिसम्बर, 2025 तक तपोवन, धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। इस शीतकालीन सत्र का शुभारम्भ 26 नवम्बर, 2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे होगा। इस दिन पूर्व विधायक स्वर्गीय बाबू राम गौतम के प्रति सदन में शोकोदगार प्रस्तुत होंगे। इस सत्र में कुल 8 बैठकें आयोजित की जाएँगी । 28 नवम्बर, 2025 व 04 दिसम्बर, 2025 के दिन गैर.सरकारी सदस्य कार्य दिवस के लिए निर्धारित किए गए है। पठानियां ने कहा कि इस कैलेण्डर वर्ष में बजट सत्र में 15, मानसून सत्र में 12 तथा अभी शीतकालीन सत्र में 08 बैठकों के साथ ही हम कुल 35 बैठकें पूरी कर सकेंगे। उन्होने कहा कि इस सत्र में माननीय सदस्यो से प्रश्नों से सम्बन्धित

कुल 744 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं जिसमें 604 प्रश्न तारांकित तथा 140 प्रश्न अतारांकित। यह सभी सूचनाएं वदसपदम माध्यम से प्राप्त हुई हैं जिन्हें नियमानुसार सरकार को आगामी कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया है। इसके अतिरिक्त नियम 62 के तहत 11 सूचनाएं, नियम 63 के तहत 4 सूचनाएं, नियम 101 के अन्तर्गत 07 सूचनाएं, नियम 130 के तहत 16 सूचनाएं, नियम 324 के तहत 1 सूचना माननीय सदस्यों से प्राप्त हुई है इन्हें भी आगामी कार्रवाई हेतु सरकार को प्रेषित कर दिया गया है। पठानियां ने कहा कि माननीय सदस्यों से जो सूचनाएं प्रश्नों के माध्यम से प्राप्त हुई हैं वह मुख्यतः आपदा से निपटने हेतु केन्द्र से सहायता राशि, बाढ़, स्कूलों का विलय, प्रदेश में हाल ही में भारी वर्षा तथा प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न हुई स्थिति, सरकार द्वारा आपदा से निपटने हेतु किए गए प्रयास, सड़कों, पुलों का निर्माण, स्वीकृत सड़कों की उ्झठ्ी प्रदेश में महाविद्यालयों, स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों इत्यादि का उन्नयन एवं विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की पदपूर्ति, पर्यटन, उद्यान, पेयजल की आपूर्तिए युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग की रोकथाम, बढ़ते अपराधिक मामलों तथा परिवहन व्यवस्था पर आधारित है। इसके अतिरिक्त माननीय सदस्यों ने प्रश्नों के माध्यम से अपने.अपने निर्वाचन क्षेत्रों से सम्बन्धित मुख्य मुद्दों को भी उजागर किया है।पठानियां ने कहा कि सत्र अविलम्ब चले इसके लिए उन्होने कल सत्र आरम्भ होने से पूर्व 10:15 बजे दोनों दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई है जिसमें संसदीय कार्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, उप मुख्य सचेतक हि0 प्र0 सरकार तथा भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक भी शामिल होंगे।

उन्होने कहा कि उनका सत्ता पक्ष तथा प्रतिपक्ष से अनुरोध रहेगा कि वह उन्हे सदन संचालन में रचनात्मक सहयोग दें ताकि सदन के समय का सदुपयोग जनहित से जुडे मुद्दों व सार्थक चर्चा के लिए किया जा सके।प्रैस वार्ता उपरान्त विधान सभा अध्यक्ष ने सदन में सत्र के लिए की जा रही व्यवस्था का जायजा लिया तथा विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों को सदन के अन्दर तथा परिसर में समुचित व्यवस्था समय रहते करने के निर्देश दिए।

ओबीसी रिजर्वेशन के साथ निकाय चुनाव कराना मकसद सुप्रीम कोर्ट का फैसला होगा मंजूर : देवेंद्र फडणवीस

बुलढाणा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में चल रही ओबीसी रिजर्वेशन की सुनवाई पर मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बात की। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव शुरू हो गए हैं और पूरा प्रोसेस अपने फाइनल स्टेज पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जो निर्णय देगा, वही मान्य होगा। सीएम ने बताया कि आज सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी रिजर्वेशन पर पॉजिटिव कमेंट्स किए। कोर्ट ने कहा कि जो पुराना फैसला है, उसे रिव्यू किया जाए। सीएम ने उम्मीद जताई कि चुनाव आसानी से होंगे, लेकिन फैसला तो सुप्रीम कोर्ट का ही है, इसलिए वह इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। राज्य सरकार ने पहले क्या स्टैंड लिया था और आगे क्या रहेगा के सवाल पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमेशा से राज्य सरकार का स्टैंड यही रहा है कि चुनाव पूरे ओबीसी रिजर्वेशन के साथ होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब उद्धव ठाकरे की सरकार थी, तो उन्होंने कई जगह ओबीसी रिजर्वेशन खत्म कर दिया था। इसके बाद हमने कोर्ट का रुख किया और कोर्ट ने ओबीसी रिजर्वेशन दिया।

सीएम ने बताया कि हमने यह भी कहा कि हमें पूरा रिजर्वेशन मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस पर कुछ कमेंट्स भी किए और उसी के आधार पर ये चुनाव शुरू हुए। हालांकि, इसके बाद कुछ लोग कंटेम्प्ट में चले गए। उन्होंने कहा कि पहले कोर्ट का एक जजमेंट था, उसी वजह से कृष्णमूर्ति का केस फिर से शुरू हुआ।

फडणवीस ने साफ कहा कि उनका मकसद चुनाव को पूरी तरह ओबीसी रिजर्वेशन के साथ कराना है। उन्होंने इसे लेकर उम्मीद जताई कि चुनाव शांतिपूर्ण और आसानी से होंगे।

साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि रिजर्वेशन पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट ही करेगा। उन्होंने जनता और अधिकारियों से अपील की कि चुनाव प्रक्रिया में कोई बाधा न आए और सब लोग नियमों का पालन करें।

बिहार में गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने माफिया को चेताया, मनचलों को लेकर भी कही बात

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण के बाद गृह मंत्री का पदभार संभाला। चार्ज लेने के बाद उन्होंने डीजीपी और अन्य पदाधिकारियों के साथ राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। सम्राट चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना तथा अपराधियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की स्थापना हुई है और अब इसे और सशक्त बनाने के लिए कई अहम निर्देश जारी किए गए हैं। सम्राट चौधरी ने कहा, आज हम लोगों ने कई मुद्दों पर फोकस किया। बिहार में

सुशासन को और बेहतर करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। माफिया चाहे किसी भी स्तर (जमीन माफिया, बालू माफिया, शराब माफिया) का हो, सभी की पहचान की जाएगी और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार से समझौता नहीं किया जाएगा और जो भी कानून तोड़ेगा, उसे सजा मिलेगी। गृह मंत्री ने कहा कि छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है।

उन्होंने बताया, स्कूल-कॉलेजों के आसपास पिंक पेट्रोलिंग की तर्ज पर विशेष फोर्स तैनात की जाएगी ताकि कोई मनचला घूम न सके और किसी भी लड़की या महिला से छेड़छाड़ न हो सके।

गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि छुट्टियों के दौरान भी विशेष अभियान चलाया जाएगा और पुलिस बल पर्याप्त संख्या में तैनात रहेगा।जेलों को लेकर बढ़ती चिंताओं पर सम्राट चौधरी ने कहा, जेलों को पूरी तरह निगरानी में रखा जाएगा। जेल में मोबाइल फोन कैसे पहुंचते हैं, इसकी गहन समीक्षा की जाएगी। बिना डॉक्टर की अनुमति जेल में खाना नहीं जाना चाहिए। यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सम्राट चौधरी ने कहा कि साइबर फ्रॉड और साइबर क्राइम के मामलों पर भी विशेष निगरानी होगी।

राजनाथ सिंह देश के रक्षामंत्री, उन्हें तथ्यात्मक बात करनी चाहिए : कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह

ग्वालियर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सिंध प्रांत और देश के बॉर्डर को लेकर दिए बयान चर्चा का विषय बने हुए हैं। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने सोमवार को रक्षा मंत्री के बयान पर पलटवार किया। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली में सिंधी सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के समय में सिंध की जमीन भले ही भारत का हिस्सा न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से वह हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। जहां तक बॉर्डर की बात है, कब बॉर्डर बदल जाए, कौन जानता है? कल सिंध फिर भारत में आ जाए। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, राजनाथ सिंह देश के रक्षा मंत्री हैं, लेकिन जब कोई इतने बड़े पद पर रहता है, तो हम यह भी चाहते हैं कि वो तथ्यात्मक जानकारी दे। जहां तक सवाल हमारे पड़ोसी देशों का है, ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमें बहुत उम्मीदें थीं कि कहीं न कहीं जो पीओके का क्षेत्र है, उसमें घुसकर हम बहुत कुछ हासिल करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। वहीं बार-बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि उन्होंने युद्ध रुकवाया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तुलना करते हुए कहा, एक इंदिरा गांधी थीं, जिन्होंने विदेशी दबाव को पूरी तरह नकार दिया। आज से करीब 50 साल पहले जब उस समय पश्चिम और पूर्वी पाकिस्तान थे और उन्होंने हम पर वार किया था, और तब भी अमेरिका ने युद्ध रोकने के लिए इंदिरा जी को फोन किया था, लेकिन वे नहीं रुकी। उन्होंने पूर्व पाकिस्तान में अंदर जाकर उस देश को आजाद किया और नया देश बनाया। इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी में यह अंतर है। ऐसे में भाजपा के लोग जो हवाई बातें करते हैं, उसे करके दिखाएं। पिछले 12 साल से देश में उनकी सरकार है, तब क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

उन्होंने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कहा, एसआईआर में मूल बात यह है कि यह पूरा अभियान जिस समय शुरू हुआ है, यह वही समय है जब अनेक लोग गांव से बाहर मजदूरी के लिए जाते हैं। अब इसमें उन्हें इतना कम समय दिया है कि सिर्फ एक महीने के अंदर ही लोगों को सत्यापन करना है। अनेक लोग हैं जो 2003 के वक्त किसी और राज्य में थे, तो अब उस राज्य में अपना नाम तलाशें।

उन्होंने कहा, मेरी जानकारी में कई लोग हैं, जिनका जन्म 2003 के बाद हुआ, लेकिन उनके माता-पिता का 2003 के पहले का प्रमाण नहीं मिल पा रहा है। कई गांव हैं, जहां 1000 वोटर्स में से 500 लोग बाहर मजदूरी करने गए हैं। वे भी 4 दिसंबर तक वापस नहीं पहुंच पाएंगे। बिना वजह वोटरों को सिर्फ परेशान किया जा रहा है।

रूपवास में 11 बीएलओ एवं 3 सुपरवाइजर हुए सम्मानित

रूपवास, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदाताओं की मैपिंग एवं डिजिटाइजेशन कार्य शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर मंगलवार को उपखंड अधिकारी विष्णु कुमार बंसल ने 11 बीएलओ एवं 3 सुपरवाईजर को प्रमाणपत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि गांव-गांव में बीएलओ द्वारा किए जा रहे सतत कार्य घर घर सम्पर्क से मतदाता सूचना डिजिटाईजेशन कार्य अब गति पकड़ रहा है। सभी बीएलओ सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूपवास उत्तर प्रदेश की सीमा से लगता हुआ होने के कारण इस क्षेत्र में समीप के प्रदेश की महिलाऐं विवाह संबन्ध के बाद काफी संख्या में जिनकी डिटेल लेकर मेपिंग कार्य को बीएलओं द्वारा गति से किया गया है। उन्होंने बीएलओ की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले बीए-लओ ही निर्वाचन प्रणाली की मजबूत नींव हैं। उपखंड अधिकारी ने सभी बीएलओ को सक्रियता से कार्य करते हुए शीघ्र डिजिटाईजेशन कार्य पूरा करने तथा स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों, बीएलए, सरकारी कार्मिकों, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का सहयोग लेने का आव्हान किया।

उन्होंने बताया कि बीएलओं को डिज्टिाईजेशन में सहायता के लिए सूचना सहायक, अन्य विभागों के कार्मिकों भी लगाया गया है सभी टीम भावना से कार्य कर चुनाव आयोग के निर्देशों की पालना करते हुए पारदर्शिता से कार्य पूरा करें।

बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता, विस्फोटक सामग्री के साथ 7 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सर्चिंग और अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षा बलों ने सात माओवादियों को गिरफ्तार कर विस्फोटक सामग्री बरामद की। पहली कार्रवाई 21 नवंबर को थाना नैमेड़ पुलिस और कोबरा 210 बटालियन की संयुक्त टीम ने की। कांडका-जपेली के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चल रहा था, जहां टीम को माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। तलाशी के दौरान पांच माओवादियों- कमलू ओयाम (33 वर्ष), लक्ष्मण उरसा (30 वर्ष), लेकाम आयतु (34 वर्ष), लच्छू ओयाम (39 वर्ष) और पंडरू उरसा (31 वर्ष) को पकड़ा गया। ये सभी अलग-अलग माओवादी विंगों से जुड़े हुए

बताए गए हैं।

इनके कब्जे से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर और अन्य विस्फोटक सामग्री मिली है, जिसका इस्तेमाल अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने में किया जाता है।दूसरी कार्रवाई थाना भोपालपटनम क्षेत्र में की गई। मट्टीमरका मार्ग पर एमसीपी (मोबाइल चेक पोस्ट) लगाकर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध युवकों मड़ लक्ष्मीनारायण उर्फ मड़े लक्ष्मैया (20 वर्ष) और लक्ष्मण चिडेम (21 वर्ष) को रोका गया।

तलाशी लेने पर उनके पास से टिफिन बम, डेटोनेटर, इलेक्ट्रिक वायर और कोर्डेक्स वायर बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, ये दोनों माओवादी सहयोगी हैं और विस्फोटक सामग्री इलाके में सक्रिय माओवादी दलों तक पहुंचाने का काम करते थे।

पुलिस का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से माओवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और आगे भी अभियान इसी तरह जारी रहेगा।

जम्मू-कश्मीर: 1.66 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 4 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

श्रीनगर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने एक फर्जी प्रॉपर्टी डील से जुड़े 1.66 करोड़ रुपए के फ्रॉड में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ईओडब्ल्यू ने मंगलवार को यह जानकारी दी। क्राइम ब्रांच की ओर से जारी बयान में कहा गया, श्रीनगर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट फाइल की है। जिन लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है, उनमें अब्दुल वाहिद खान, खान मोहल्ला, बघाट-ए-बरजुल्ला, श्रीनगर के रहने वाले; मोहम्मद यूसुफ मलिक, नई सड़क हब्बा कदल, श्रीनगर के रहने वाले, जो अभी नाटीपोरा श्रीनगर में रहते हैं; मोहम्मद अशरफ मीर, हखरीपोरा पुलवामा के रहने वाले और मोहम्मद मकबूल शाह, पीरबाग श्रीनगर के रहने वाले शामिल हैं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे एक घर खरीदना चाहते थे और इन आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर बनकर उनसे संपर्क किया।

बयान में कहा गया, आरोपियों ने कथित तौर पर चिनार कॉलोनी, बघाट-ए-बरज़ुल्ला में जवाहर लाल राफिज की विधवा, श्रीमती कोशालिया की मालिकी वाली एक कनाल और पांच मरला जमीन वाला दो मंजिला घर दिखाया और माइग्रेंट प्रॉपर्टी बेचने के लिए झूठा एग्रीमेंट बनाकर 1.16 करोड़ रुपए देने के लिए उकसाया।शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने बाद में सेल प्राइस बढ़ा दिया और 50 लाख रुपए और निकाल लिए, जिससे कुल रकम 1.66 करोड़ रुपए हो गई।इसके बाद शिकायतकर्ताओं को न तो प्रॉपर्टी का कब्जा दिया गया और न ही उनके पैसे वापस किए गए। जांच में पता चला कि आरोपियों ने क्रिमिनल साजिश रची और शिकायत करने वालों की मेहनत की कमाई हड़पने के लिए नकली डॉक्यूमेंट बनाए।

क्राइम ब्रांच ने बयान में आगे कहा कि एफआईआर नंबर 14/2018 में सेक्शन 420, 468 और 471 के साथ 120-बी आरपीसी के तहत कोर्ट में न्यायिक फैसले के लिए चार्जशीट फाइल की गई है।कार्रवाई के दौरान, कोर्ट ने दो आरोपियों, मोहम्मद यूसुफ मलिक, जो अभी नई सड़क हब्बा कदल श्रीनगर के रहने वाले हैं, नाटीपोरा श्रीनगर और मोहम्मद मकबूल शाह, जो अभी पीरबाग श्रीनगर के रहने वाले हैं, को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बरात में हर्ष फायरिंग, गोली लगने से युवती की मौत

घटना के बाद दूल्हा फरार

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस हर्ष फायरिंग की घटनाएं रोक पाने में विफल साबित हो रही है। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे मेरठ के लिसाड़ीगेट के श्यामनगर में बरात रवानगी के दौरान करीब 20 राउंड हर्ष फायरिंग की गई। बरात देखने के लिए दादा के मकान की छत पर खड़ी 22 वर्षीय युवती की गोली लगने से मौत हो गई। बरात में भगदड़ मच गई,दूल्हा और परिवार के लोग फरार हो गए। श्यामनगर निवासी मीट कारोबारी शाहनवाज के बेटे शाकिब का निकाह था। रात करीब साढ़े नौ बजे शाकिब की बरात लोहियानगर थाना क्षेत्र के फफूंडा जाने के लिए तैयार थी। बरात में शामिल कुछ युवकों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। बरात देखने के लिए किराना व्यापारी अरशद की बेटी अक्सा अपने रिश्ते के दादा यामीन के घर गई थी।

राम मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण, ध्वजारोहण हुआ-मोहन भागवत

लखनऊ/अयोध्या , **25 नवंबर (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अभिजीत मुहूर्त में राम मंदिर पर केसरिया ध्वज फहराया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए एक सार्थकता का दिन है। इतने लोगों ने सपना देखा, इतने लोगों ने प्रयास किए, इतने लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए आज उनकी आत्मा को तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी।उन्होंने अपना प्राण अर्पण किया और अपना पसीना बहाया तथा जो पीछे रहे वो भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा-बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई. ध्वजारोहण हो गया।हमने इसे अपनी आंखों से देखा है।

प्रयत्न संस्था की पहल : बाल विवाह और तस्करी रोकने को अधिकारियों ने बनाई रणनीति

भरतपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रयत्न संस्था की ओर से बाल विवाह और बाल तस्करी रोकने संबंधी कानूनों पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजाराम भूतोली ने की।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रंस नेटवर्क और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस

फाउंडेशन के सहयोग से किया गया।

विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को बाल अधिकारों से जुड़े कानूनी प्रावधानों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में जिले को बाल विवाह और बाल तस्करी से मुक्त बनाने के लिए रणनीति और कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने शपथ पोस्टर पर हस्ताक्षर कर बाल विवाह और बाल श्रम रोकने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया।

ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है : सीएम योगी

अयोध्या,25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने ध्वज-रोहण समारोह में अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही समूचा मंदिर परिसर जय-जयकार से गूंज उठा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान व आत्मगौरव का प्रतीक है। सीएम योगी ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। सीएम योगी समेत सभी विशिष्टजनों ने झुककर भगवा ध्वज को प्रणाम निवेदित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है और रामराज्य के मूल्य कालजयी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि-कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों व सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय व राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। यह 'विकसित भारत' की संकल्पना का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्ष में बदलते भारत को देखा है। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं, जहां विकास और विरासत का बेहतरीन समन्वय है। यह इसे नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है।सीएम योगी ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को राशन, 50 करोड़ लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा, हर जरूरतमंद को आवास, और हर व्यक्ति बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ पा रहा है, तो यह रामराज्य की वह उद्घोषणा है, जिसका आधार विकसित भारत है।

सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था कि 'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।' एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष, बदहाली का शिकार बन चुकी थी, लेकिन पीएम मोदी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। यहां हर दिन पर्व है, हर दान प्रताप है और हर दिशा में रामराज्य की पुनर्स्थापना की दिव्य अनुभूति हो रही है।सीएम योगी ने कहा कि रामलला की पावन नगरी आस्था व आधुनिकता और आस्था व अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, पंचकोसी और 14 कोसी के साथ 84 कोसी की परिक्रमा श्रद्धालुओं व भक्तों को नया मार्ग व आस्था को नया सम्मान प्रदान कर रहे हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम में आस्था, आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था का नया केंद्र दिख रहा है। देश की पहली सोलर सिटी-सस्टेनेबल स्मार्ट के रूप में नई अयोध्या का दर्शन हो रहा है। आज का दिन हर भारतवासी और सनातन धर्मावलंबी के लिए आत्मगौरव-राष्ट्रगौरव का दिन है।

देश में सबको समान अधिकार', जगद्गुरु रामभद्राचार्य की टिप्पणी पर अजय राय का जवाब

वाराणसी,25 नवंबर (एजेंसियां)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने देश से 'जातिगत व्यवस्था' को खत्म करने की वकालत की है, लेकिन इस पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि इस देश में सभी को समान अधिकार है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि चाहे वे एससी हों या एसटी हों, पिछड़े हों, दलित हों, आदिवासी हों, हिंदू हों या मुसलमान, सभी को सम्मान और बराबरी से जीने का अधिकार है। देश में सभी को समान अधिकार दिया गया है। किसी के कहने से कुछ नहीं हो सकता है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ध्वजारोहण उत्सव पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, हम हमेशा भगवान की पूजा करते हैं। हम लोग सामान्य व्यक्ति हैं और भक्ति का दिखावा नहीं करते हैं। हम भगवान भोलेनाथ के भक्त है हम तो दिखावे की राजनीति नहीं करते हैं।

हर कण-कण में भगवान भोलेनाथ विराजमान हैं। हम लोगों के माथे पर तुकुंड लगा रहता है। हम दिखावटी या दिखावा करने वाले नहीं हैं, जो सिर्फ दिखाने के लिए मंदिर जाते हैं, झंडे फहराते हैं, या पूजा-पाठ करते हैं। भगवान की पूजा के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती।

उन्होंने कहा कि ये लोग पूजा करते हैं तो भी दिखावटी करते हैं। हम लोग बचपन से देखते चले आ रहे हैं कि कभी मंदिर की पूजा का निमंत्रण नहीं बांटा गया था। इन लोगों ने दिखावे की राजनीति कर नई प्रथा शुरू कर दी है। आज आरएसएस और भाजपा के समय में ये सब नया काम शुरू कर दिया गया है।

अजय राय ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम का दरबार तो खुला हुआ है, गरीब से गरीब और अमीर से अमीर लोग आकर दर्शन कर सकते हैं। भाजपा वाले नई-नई प्रथा शुरू करके केवल प्रचार करने का काम कर रहे हैं।

बता दें कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने एससी-एसटी एक्ट पर कहा है कि इसे रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि वेदों में अवर्ण या सवर्ण का जिक्र नहीं है।

आईएएनएस से बात करते हुए रामभद्राचार्य ने कहा, एससी-एसटी एक्ट रद्द होना चाहिए। वेदों में अवर्ण या सवर्ण का जिक्र नहीं है। राजनीतिक नेताओं ने यह सिस्टम शुरू किया है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होना चाहिए।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ 6 आरोपी गिरफ्तार, 16 बाइक बरामद

ग्रेटर नोएडा,25 नवंबर (एजेंसियां)। वाहन चोरी के मामलों में गौतमबुद्ध नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली। थाना बीटा-2 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गुप्त जानकारी के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन में एक सक्रिय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के कब्जे व निशानदेही से फर्जी नंबर प्लेट लगी कुल 16 चोरी की बाइक और 3 अवैध चाकू बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राहुल, रोहित, सुमित, संदेश, सचिन और अर्जुन के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना राहुल है, जबकि अन्य सदस्य उसके साथ मिलकर संगठित तरीके से वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पूछताछ में आरोपियों से पता चला है कि वे विशेष रूप से हीरो स्प्लेंडर जैसी बाइकों को निशाना बनाते थे। रेकी के बाद चोरी की गई बाइक पहले अर्जुन, जो पेशे से मिस्त्री है, के पास ले जाई जाती थीं, जहां वे महंगे पार्ट्स निकालकर अलग से बेच दिए जाते थे।

वहीं, संपूर्ण मोटरसाइकिलें भी कम दामों पर जरूरतमंदों को बेची जाती थीं, जिससे गिरोह अवैध कमाई कर रहा था।

अखिलेश यादव ने लिया बड़ा संकल्प, केदारेश्वर महादेव मंदिर निर्माण के बाद करेंगे प्रमुख शिवालयों के दर्शन

लखनऊ,25 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के कार्य प्रगति के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने एक धार्मिक संकल्प भी लिया कि मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण होने पर वह प्रमुख शिवालयों के दर्शन करेंगे। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के शीघ्र पूर्ण होने की जानकारी दी। अखिलेश ने लिखा, पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरने वाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाए मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें!

इस पोस्ट के जरिए अखिलेश ने संकेत दिया कि केदारेश्वर महादेव मंदिर के उद्घाटन के बाद वे देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों और शिवालयों के दर्शन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक इसमें केदारनाथ, सोमनाथ, महाकालेश्वर और विश्वनाथ सहित बारह ज्योतिर्लिंगों की यात्रा शामिल हो सकती है।

इटावा के सैफई के निकट बन रहा श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर यादव परिवार की आस्था का बड़ा केंद्र है। मुलायम सिंह यादव के समय शुरू हुआ यह मंदिर अब अंतिम चरण में है। मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की जा रही है, जो उत्तर भारत की सबसे ऊंची शिव प्रतिमाओं में से एक होगी। परिसर में विशाल शिवलिंग, नंदी मंडपम और ध्यान केंद्र भी बनाया जा रहा है।

राजनीतिक गलियारों में इसे अखिलेश की नई छवि का हिस्सा माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से वे लगातार धार्मिक आयोजनों में हिस्सा ले रहे हैं।

मोरारी बापू ने दिया था राम मंदिर में सबसे ज्यादा दान

गुजरात के हीरा कारोबारी ने दान किया था 101 किलो सोना

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू ने राम मंदिर निर्माण के लिए 11.3 करोड़ रुपये दान दिए थे।यह दान राम मंदिर को दिया जाने वाला सबसे बड़ा दान था मोरारी बापू के अलावा अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में उनके अनुयायियों ने 8 करोड़ रुपये और दान दिया था इस तरह मोरारी बापू की कुल दान राशि 18.6 करोड़ रुपये हुई थी। राम मंदिर को दान के रूप में अब तक 5,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मिल चुके हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार केवल जनवरी 2024 में ही राम भक्तों ने दो दिनों में 3.17 करोड़ रुपये दान किया था।सूरत के प्रसिद्ध हीरा कारोबारी दिलीप कुमार वी लक्षी और उनके परिवार ने राम मंदिर के लिए 101 किलो सोना दान किया था।

मार्केट रेट के हिसाब से इस सोने की कीमत 68 करोड़ रुपये बताई जाती है। हीरा कारोबारी की तरफ से दान किए गए सोने का उपयोग मंदिर के दरवाजों , गर्भगृह, त्रिशूल, डमरू और पिलर्स की सजावट में किया गया है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल मुकेश अंबानी ने मंदिर ट्रस्ट को 2.51 करोड़ रुपये का दान दिया था।उनके परिवार ने व्यक्तिगत तौर पर अलग-अलग सेवाओं में योगदान किया था।

राम मंदिर को देश के कई बड़े व्यापारियों और संगठनों ने दिल खोलकर दान दिया था। गुजरात के गोविंद भाई ढोकलिया ने 11 करोड़ रुपये का दान दिया था। सूरत के हीराकारोबारी गोविंद भाई ने भी राम मंदिर को 11 करोड़ रुपये का दान दिया था।पटना महावीर मंदिर की तरफ से भी राम मंदिर के लिए 10 करोड़ रुपये का दान आया था।ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मुकेश पटेल ने भी 11 करोड़ रुपये का डायमंड क्राउन राम मंदिर में दान किया।

सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में धर्मध्वज का आरोहण, संत समाज भावविभोर

अयोध्या,25 नवंबर (एजेंसियां)। सनातन परंपरा और आस्था के प्रतीक धर्मध्वज का आज राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापन अयोध्या के संत समाज के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के उपरांत प्रभु श्रीराम के दिव्य मंदिर पर धर्मध्वजा का आरोहण केवल एक धार्मिक क्षण ही नहीं बल्कि सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बन रहा है। अवधपुरी के संत समाज ने श्रद्धा और भावनाओं से अभिभूत होकर इसे सनातन गौरव का क्षण बताया। वे इसे उस संघर्षपूर्ण यात्रा का फल मानते हैं जिसमें संतों, भक्तों और समाज ने सैकड़ों वर्षों में अदम्य धैर्य और आस्था का परिचय दिया। साधु-संतों का कहना है कि आज वह क्षण साकार हुआ है जिसकी कल्पना उनके पूर्वजों ने सदियों पूर्व की थी। धर्म ध्वजा का आरोहण भारतवर्ष की आध्यात्मिक विरासत को और भी मजबूत करता है तथा संपूर्ण विश्व में सनातन आस्था की महिमा को प्रखरता से स्थापित करता है।संत समाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका को इस उपलब्धि का महत्वपूर्ण आधार मानता है। उनका कहना है कि डबल इंजन सरकार ने सनातन परंपराओं के संरक्षण और मंदिर संस्कृति के पुनरुद्धार का जो कार्य किया है वह देश की आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ कर रहा है। मठ मंदिरों का संवर्धन, धार्मिक स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार और संतों के प्रति सम्मानजनक दृष्टिकोण को नई दिशा प्रदान की गई है।राम वैदेही मंदिर के प्रतिष्ठित संत दिलीप दास ने कहा कि अयोध्या मिशन के अंतर्गत सनातन संस्कृति का जिस प्रकार पुनरुद्धार हुआ है वह प्रशंसनीय है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धर्म की रक्षा और स्थापना के उद्देश्य से सतत संलग्न बताते हुए कहा कि वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि धर्म परंपरा की रक्षा के प्रहरी हैं।विवाह पंचमी के अवसर पर आयोजित इस प्रतिष्ठा समारोह में साधु संतों द्वारा प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह पर्व का पूजन अर्चन भी किया गया। संत समाज का विश्वास है कि यह क्षण भारत के उज्ज्वल भविष्य की आस्था को और अधिक मजबूत करेगा तथा सनातन समाज के आत्मगौरव का शंखनाद साबित होगा।

अयोध्या में ध्वजारोहण कार्यक्रम ऐतिहासिक : महंत राकेश तिवारी

अयोध्या,25 नवंबर (एजेंसियां)। महंत राकेश तिवारी ने मंगलवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से किए गए 'ध्वजारोहण' को ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह एक अद्भुत पल था, जिसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता है। आज ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ ही राम मंदिर अपने पूर्ण स्वरूप में आ चुका है। अब इसकी रूपरेखा पूरी हो चुकी है, जो हम सभी राम भक्तों के लिए गर्व और अनुभूति का विषय है। महंत राकेश तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वो कोई साधारण राजनेता नहीं हैं। जिस तरह के काम उन्होंने अपने शासनकाल में किए, वो कोई साधारण नेता नहीं कर सकता है। इस तरह के ऐतिहासिक काम कोई महान पुरुष ही कर सकता है और वह एक महान पुरुष ही हैं। दुर्भाग्य की बात है कि भारत में हमेशा से ही महान पुरुषों को उपेक्षित किया जाता रहा है। इस वजह से लोग उन्हें पहचानने में चूक जाते हैं।उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है कि हमारे समाज में जब कोई महान पुरुष होता है, तो हम उसकी महानता को झुठला देते हैं। उसे स्वीकार नहीं कर पाते हैं। आप भारत में किसी भी महान पुरुष की घटना को देख लीजिए, हम लोगों ने हमेशा से ही उनकी महानता को उपेक्षित ही किया।बता दें कि अभिजीत मुहूर्त के शुभ समय में श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज की स्थापना की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर पर भगवा ध्वज फहराया। इस दौरान उनके साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत और ट्रस्ट के गोविंदगिरी भी मौजूद रहे।

पशु चिकित्सकों से 20 लाख रुपए मांगने में फंसे अपर निदेशक

सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

आनलाइन खराब की प्रविष्टि, आफलाइन में सुधारी

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पशु चिकित्सकों की गोपनीय प्रविष्टि यानि सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में प्रयागराज के अपर निदेशक ग्रेड-2 रहे डा. कृष्णपाल सिंह फंस गए हैं। 40 चिकित्सकों ने उन पर धन की मांग करने और पैसा न देने पर सत्यनिष्ठा संदिग्ध करने का आरोप लगाया है।शपथपत्र पर शिकायत के बाद हुई जांच में 22 चिकित्सकों द्वारा आरोपों की पुष्टि की गई है। प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने आरोपित को नोटिस जारी कर 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।वाराणसी में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डा. कृष्णपाल सिंह पर 2024 में मार्च से दिसंबर तक प्रयागराज के अपर निदेशक ग्रेड-2 का अतिरिक्त प्रभार रहा था। उनके विरुद्ध उप्र पशुचिकित्सा संघ के अध्यक्ष डा. संजीव कुमार सिंह सहित 40 पशु चिकित्सकों ने शपथ-पत्र देकर शिकायत की।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डा. कृष्णपाल सिंह द्वारा गोपनीय प्रविष्टि ठीक लिखने के बदले उनसे पैसे की मांग की जाती थी। डा. संजीव कुमार सिंह से 50 हजार रुपये की मांग की गई। डा. उमेश कुमार पटेरिया को भी घर बुलाकर धनराशि की मांग की गई।दोनों अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया था और प्रतिवेदक ने उन्हें ग्रेड-10 और सत्यनिष्ठा प्रमाणित की थी। उन अधिकारियों को

पशुधन विकास मंत्री और सीडीओ द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है, फिर भी रिश्वत न मिलने पर उनकी सत्यनिष्ठा 'संदिग्ध' कर दी गई।डॉ. शारदा सिंह को कथित रिश्वत न देने पर दो श्रेणी नीचे कर दिया गया। शिकायत पर विभाग ने अपर निदेशक ग्रेड-1 पशु जैविक औषधि संस्थान बादशाहबाग से जांच कराई गई थी।

जांच अधिकारी ने 26 सितंबर को अपनी आख्या विभाग को सौंप दी।आख्या में कहा गया है कि जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत हुए 37 पशु चिकित्सकों में से 22 द्वारा सीआर लिखने के बदले पैसों की मांग करने की पुष्टि की गई। निदेशक की और तीन अक्टूबर को जांच आख्या प्रमुख सचिव को भेजी गई थी। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा 15 नवंबर को डा. कृष्णपाल सिंह को जारी नोटिस में कहा गया है कि 15 दिन में उत्तर न मिलने पर अग्रिम निर्णय लिया जाएगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। आरोपित का स्पष्टीकरण मिलने के बाद कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। आरोपित अधिकारी द्वारा कई पशु चिकित्साधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टि आनलाइन खराब दर्शाते हुए उनकी सत्यनिष्ठा संदिग्ध की गई है, बाद में आफलाइन उसे ठीक कर दिया गया।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,25 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा के थाना फेस-1 की पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए बेरोजगार युवाओं से नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, बैंकिंग दस्तावेज, फर्जी जॉइनिंग लेटर, एटीएम और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। थाना फेस-1 पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 24 नवंबर को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। पुलिस टीम ने सेक्टर-16 स्थित 44ए क्षेत्र से तीन आरोपी विशाल राघव, आमिर उस्मानी और वरुण कुमार को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 6 स्मार्ट मोबाइल फोन, 1 कीपैड मोबाइल फोन, 4 डेबिट कार्ड, 3 सिम कार्ड, 2 खाली सिम लिफाफे, 1 पासबुक, 1 फिनो कॉम्बो बैंक किट, 1 चेक बुक, 4 कंपनी के फर्जी जॉइनिंग लेटर और 3 स्टांप मोहर बरामद की गईं। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि मुख्य आरोपी विशाल राघव अपने साथी आमिर उस्मानी और वरुण कुमार के साथ मिलकर बैंक खाते, डेबिट कार्ड, चेक बुक और प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड खरीदता था। विशाल इन बैंक खातों और सिम की जानकारी फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले अनुज कुमार और रोमेश को उपलब्ध कराता था। दोनों बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर पंजीकरण और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर धन उगाही करते थे। प्राप्त रकम इन फर्जी बैंक खातों और सिम कार्ड के जरिए घुमाई जाती थी।

नकद निकासी के बाद विशाल कमीशन काटकर बाकी राशि अनुज और रोमेश तक पहुंचाता था। पुलिस के अनुसार वरुण कुमार एक स्वतंत्र कॉल सेंटर भी चलाता था, जिसमें वह नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं से मोटी रकम वसूलता था। गिरोह के सरगना अनुज और रोमेश पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आहार

सर्दियों में रोजाना करें तिल का सेवन

सर्दी के मौसम में खान-पान का खास ध्यान रखना पड़ता है। सर्दी में आपको ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जिससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलती रहें। ऐसे में रोजाना तिल का सेवन करने से आपके शरीर को ऊर्जा तो मिलती ही है साथ ही इससे आप सर्दी,जुखाम,खांसी जैसी परेशानियों से भी बचे रहते है। आइए जानते है तिल से होने वाले फायदे।

रोजाना तिल खाने के फायदे

*रोजाना तिल को गुड़ के साथ या इसके लड्डू को दूध के साथ खाने से सांस फूलना, थकावट, मानसिक परेशानी और बालों के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। सुबह तिल के लड्डू का सेवन करने से आपकी चर्बी तो कम होती ही है साथ ही इससे दिमाग भी तेज होता है।

*सर्दी के मौसम में तिल में काला नमक मिला कर गर्म पानी के साथ खाले से बवासीर की समस्या दूर हो जाती है। रोजाना 20-25 ग्राम तिल गर्म पानी के साथ खाने से आपकी पेट दर्द और इंफेक्शन की समस्या मिनटों में दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसे भूनके गुड़ या चीनी के साथ खाने से कब्ज भी दूर हो जाती है।

*पुरानी खांसी को दूर करने के लिए 4-5 टीस्पून मिश्री और तिल को उबाल कर पीएं। इससे खांसी सर्दी-खांसी छू-मंतर हो जाएगी।

*रोजाना सुबह काले तिल को अच्छी तरह चबाकर खाने से दांत-मसुड़े स्वस्थ और मजबूत बने रहते है। इसमें सेंधा नमक मिला कर खाने से आपके मुंह के छाले भी दूर हो जाएंगे।

* तिल, सोंठ, मेथी और अश्वगंधा को मिला कर खाने से आर्थराइटिस, कमर दर्द, पीठ दर्द और यूरेन इंफेक्शन की समस्या ठीक हो जाती है।

* तिल में देसी घी मिलाकर सुबह खाने से शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है और इससे पूरा दिन शरीर को एनर्जी भी मिलती है।

* तनाव की समस्या होने पर तिल को दूध में उबाल कर पीएं। इससे सिरदर्द और तनाव चुटकियों में दूर हो जाएगा।

* अगर बच्चे को बिस्तर पर पेशाब करने की आदत है तो उसे रोजाना तिल का लड्डू और दूध सोने से पहले खिलाएं

परफ्यूम खरीदने से पहले जानें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आपको लगता है कि परफ्यूम की सुगंध अब अच्छी नहीं है या फिर परफ्यूम की सुगंध कुछ घंटे में ही कम होने लगती है, तो एक बार आप परफ्यूम का इस्तेमाल कैसे करते हैं इस बारे में दोबारा सोचिए। आप जिस तरह परफ्यूम लगाते हैं, क्या वह तरीका सही है, क्योंकि फ्रांसिस परफ्यूमर कुर्कदजियन की मानें तो परफ्यूम लगाने के ज्यादातर लोगों के तरीके गलत हैं। यही वजह है कि आपका परफ्यूम या तो अच्छी सुगंध नहीं देता या फिर अधिक समय तक इसका असर नहीं रहता। साथ ही गलत तरीके से परफ्यूम लगाना नुकसानदायक भी हो सकता है। अगर आप चाहती हैं कि परफ्यूम का असर लंबे समय तक बना रहे तो इन तरीकों को अपनाएं...

अपनी कलाई को न रगड़े

फ्रांसिस का कहना है कि कलाई पर परफ्यूम स्प्रे करने के बाद उसके रगड़ने की आदत है तो यह बिल्कुल गलत है। ऐसा इसालिए क्योंकि स्किन को इस तरह रगड़ने से हीट पैदा होती है, जिससे कि परफ्यूम की सुगंध बदल जाती है। अगर आप परफ्यूम की खुशबू को लंबे समय तक कायम रखना चाहती हैं तो पहले से स्प्रिज करेंगे और फिर उसका छिडकाव करें तब जाकर ही इसका असर दिखेगा।

बाथरूम में न रखें

परफ्यूम के लिए पर्यावरण सबसे महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह काफी संवदेनशील है। ज्यादा ठंड और गर्म इस पर असर डालती है। अप्रत्याशित रासायनिक प्राकृतिक अवयवों से मिलने के बाद रिऐक्शन होता है। इससे परफ्यूम की लाइफ जल्दी- जल्दी बढ़ती है और इसका असर कम होने लगता है। इसीलिए कभी भी परफ्यूम को बाथरूम में न रखे क्योंकि यहां तापमान बहुत ही जल्द बदलता है। परफ्यूम को हमेशा उसके मूल बॉक्स में ही रखें।

कम साइज वाला परफ्यूम खरीदें

अगर आपके पास बहुत सारे परफ्यूम हैं तो स्वभाविक है कि आप अपने पंसदीदा परफ्यूम को रोजाना इस्तेमाल नहीं करते होंगे। ऐसे में ऑक्सिजन परफ्यूम के अणुओं को तोड़ना शुरू कर देता है और उसका असर खत्म होने लगता है। किसी भी परफ्यूम की लाइफ अधिकतम 3 महीने होती है। अगर आप रोजाना अपने पसंदीदा परफ्यूम को इस्तेमाल नहीं करते हैं तो हमेशा छोट साइज वाला ही परफ्यूम खरीदें या फिर उसे किसी कंटेनर से ढक कर फ्रिज के भीतर रखें।

बालों में करें छिड़काव

फ्रांसिस के अनुसार परफ्यूम वास्तव में सूखी त्वचा पर बहुत अधिक समय तक नहीं टिकता है, जिस तरह बॉडी पर प्राकृतिक तेलों को लगाया जाता है वह इसकी खुशबू को नष्ट कर देता है। परफ्यूम का असर लंबे समय तक रखने के लिए परफ्यूम को हल्के ढंग से अपने बालो और स्कार्फ पर लगाएं क्योंकि हवा के चलने के साथ ही इसकी खुशबू वातावरण में फैलेगी।

सफेद दाग-धब्बों को हमेशा के लिए करें गायब

चेहरे पर या शरीर के किसी और हिस्से पर कैल्शियम की कमी के कारण सफेद दाग पड़ जाते है। विटिलिगो नाम से जानी जाने वाली इस समस्या को दूर करने के लिए आप कई तरह की दवाइयों का सेवन करते है, जो शरीर को ज्यादा नुकसान पहुचांती है। ऐसे में आपको घबराने की जरूरत नहीं।

» आप कुछ असरदार घरेलू तरीको द्वारा इन सफेद दाग-धब्बों से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते है।

» रोजाना रात को अलसी का तेल चेहरे पर लगाकर हल्की सी मसाज करें।

» सुबह उठकर चेहरा धो लें। कुछ ही समय में सफेद दाग ठीक हो जाएंगे।

» बावची, मूली और चित्रक को बराबर मात्रा में पीस कर शहद मिलाके के रोजाना दिन में दो बार लगाए। इससे धीरे-धीरे सफेद दाग धब्बे साफ हो जाएंगे।

» नीम और आंवला को पीसकर हल्का पानी मिक्स करके दाग-धब्बों वाली जगहें पर लगाए। रोजाना इसे लगाने से कुछ हफ्तों में ही दाग धब्बे गायब हो जाएंगे।

आहार

ये हैं कुकिंग के वो 5 तरीके जो आपके खाने को बना रहे हैं जहरीला

जितना जरूरी खान-पान की अच्छी आदतों को अपनाना है उतना ही इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि हम अपना खाना किस तरह बना रहे हैं. बदलती लाइफस्टाइल और भाग-दौड़ के चलते फास्ट कुकिंग टेक्नीक ज्यादातर रसोई घरों का हिस्सा बन चुकी है. माइक्रोवेव अवन, ग्रिलर, तंदूर और सैंडविच मेकर जैसी तमाम चीजें हमारे घर की किचन का अहम हिस्सा हैं. इस बात में कोई दोराय नहीं कि इनकी बदौलत न सिर्फ खाना बनाना आसान हो गया है बल्कि समय की भी बचत होती है. लेकिन जैसे हर सिक्के के दो पहले होते हैं एक अच्छा और एक बुरा. ठीक उसी तरह इन लेटेस्ट टेक्नीक के अपने फायदे हैं तो नुकसान भी हैं. जी हां, हमारे किचन की शान बढ़ा रही ये चीजें न सिर्फ हमारे खाने से जरूरी पोषक तत्व खींच रही हैं बल्कि उन्हें जहरीला भी बना रही हैं.

यहां पर हम आपको ऐसी ही 5 कुकिंग टेक्नीक के बारे में बता रहे हैं जो आपके खाने को जहरीला बना रही हैं

1. ग्रिलिंग : ग्रिलिंग के दौरान अकसर लोग खाने की चारिंग यानी कि उसे जलाने लगते हैं. खाने को इस तरह काला करने से उसके पोषक तत्व तो खत्म हो ही जाते हैं साथ ही उसमें जहरीले पदार्थ भी आ जाते हैं. इसलिए हमेशा खाने को हल्का ग्रिल करना चाहिए इससे खाने का टेस्ट अच्छा रहता है. ग्रिलिंग हमेशा इस तरह करनी चाहिए जिससे खाने की ऊपर परत हल्की भूरी भी हो जाए और अंदर से पक भी जाए.

2. धीमी आंच : धीमी आंच में पकाना एक पुरानी कुकिंग टेक्नीक है. खासतौर से भारत में सदियों से धीमी आंच में खाना बनाने की परंपरा चली आ रही है. हल्की आंच में खाना बनाने से मीट बहुत ही सॉफ्ट और टेस्टी बनता है. लेकिन बहुत लंबे समय तक खाना आंच पर चढ़ाए रखने से ग्लूटामेट बनने लगता है और मीट जरूरत से ज्यादा पक जाता है. धीमी आंच में खाना बनाने का मतलब है कि उसे सही तरह से पकाया जाए. यानी कि न ज्यादा न कम. यही नहीं ऐसा करते वक्त खाने के बर्तन को अच्छी तरह ढककर रखना चाहिए. साथ ही खाने में हल्दी और रोज़मैरी जैसे एंटीऑक्सीडेंट युक्त मसालों का इस्तेमाल भी करना चाहिए ताकि खाने को जहरीला होने से बचाया जा सके.

3. तलना : तला-भुना खाना देखकर किसी के मुंह में भी पानी आ सकता है, लेकिन यह सबसे ज्यादा जहरीला खाना होता है. डीप फ्राइड करने का मतलब है कि खाने को ऑक्सीडाइज्ड फैट, विकृत प्रोटीन और ग्लाइकेटेड शुगर में नहला देना. खाने को तलने के लिए जिस हाई टेम्परेचर की जरूरत होती है वह खाने को जहरीला कर देता है, जो आगे चलकर कैंसर का बड़ा कारण बनता है.

4. माइक्रोवेव : खाने को माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले बेहद सावधानी बरतनी चाहिए. इसका इस्तेमाल रोजाना करने के बजाए कभी-कभार ही करना चाहिए. कई शोधों में इस बात का खुलासा हुआ है कि माइक्रोवेव में खाना गरम करने से आपके किचन में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड बन जाता है.

5. बारबेक्यू : हमारे घर में जब भी पार्टी या छोटी गैदरिंग होती है हम में से ज्यादातर लोग बारबेक्यू करना पसंद करते हैं. बारबेक्यू किया हुआ खाना होता भी बहुत टेस्टी है. हालांकि ये अलग बात है कि बारबेक्यू करने से भी खाना जहरीला हो सकता है. खाने में मौजूद फैट जब कोयले के संपर्क में आते हैं तो कैंसर वाले जहरीले पदार्थ बनने लगते हैं और यही नहीं इस तरह का खाना खाने से जलन भी होती है. कई शोधों में खुलासा हुआ है कि

ज्यादातर बारबेक्यू सॉस में शुगर और MSG कॉन्टेंट होता है जो आपकी सेहत के लिए खतरनाक है. इसलिए बारबेक्यू की तुलना में खाने को लाइट ग्रिल करना ज्यादा बेहतर ऑप्शन है.

इस तरह सजाएँ अपनी बालकनी

जब भी हम किसी घर के सामने से गुजरते हैं तो सबसे पहले नजर उस घर के मुख्य द्वार और फिर उसकी बालकनी पर जाती है। ऐसे में अगर आपकी बालकनी खूबसूरत हो, तो वह हर किसी का मन मोह लेती है। इतना ही नहीं, सुबह उठकर जब आप अपनी बालकनी में आते हैं तो इससे आपका मूड भी एकदम रिफ्रेश हो जाता है। बालकनी चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे आप अपने बजट में आसानी से सजा सकते हैं। बस इसके लिए आपको छोटे-छोटे टिप्स अपनाने की जरूरत है। आइए जानते हैं बालकनी को बेहतरीन बनाने के कुछ टिप्स और ट्रिक्स के बारे में-

गो नेचुरल

आप बालकनी को जितना नेचुरल लुक देंगे, वह उतनी ही खूबसूरत दिखेगी। अगर आपकी बालकनी बड़ी है और आप वहां पर चेयर आदि फर्नीचर रख रहे हैं तो कोशिश करें कि वह भी नेचुरल मैटीरियल से बना हो। इसके अतिरिक्त बालकनी में इस्तेमाल होने वाली डेकोरेशन आइटम्स भी नेचुरल लुक ही देनी चाहिए।

रेलिंग का प्रयोग

बालकनी में मौजूद रेलिंग की मदद से भी बालकनी की खूबसूरती को निखारा जा सकता है। आप अपनी बालकनी की रेलिंग में छोटे-बड़े पॉट लगाकर उसमें तरह-तरह के पौधे लगा सकती हैं। अगर आप प्लांटर्स बाहर की तरफ लगाती हैं तो इससे आपके बालकनी का स्पेस भी बच जाएगा। यह आईडिया बड़ी बालकनी के अतिरिक्त छोटी बालकनी पर भी बेहतरीन तरीके से काम करता है।

एड करें कलर

बालकनी की शोभा में चार-चांद लगाने का सबसे अच्छा तरीका है, उसमें डिफरेंट कलर्स को एक साथ एड करना। इसे आप कई तरीके से कर सकती हैं। मसलन, अगर आपने अपनी बालकनी में सात पॉट लगाए हैं तो आप उसे इन्द्रधनुष के सातों रंगों से पेंट करें। यह देखने में बहुत ही खूबसूरत लगता है। ठीक इसी प्रकार, आप वनथीम आईडिया भी अपना सकती हैं। इसके लिए आप एक ही कलर से डिफरेंट शेड्स से अपने पॉट को पेंट करें। साथ ही बालकनी में मौजूद अन्य चीजों को भी उसी कलर का रखें। यह भी एक अच्छा आईडिया हो सकता है।

स्मार्ट हो शॉपिंग

बालकनी का इंटीरियर सिर्फ आपके चीजों को सजाने व अरेंज करने पर ही निर्भर नहीं करता, बल्कि आपकी शॉपिंग की स्मार्टनेस भी उसकी खूबसूरती को प्रभावित करती है। जब भी बालकनी डेकोरेशन से संबंधित कोई आइटम खरीदें तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें। आपके द्वारा खरीदा गया सामान आपकी बालकनी थीम से मेल खाता हुआ हो।

पहले बालकनी का साइज अवश्य नाप लें। इससे आपको सही सामान खरीदने में आसानी होगी। अगर आपकी बालकनी छोटी है तो आप ऐसे सामान को प्राथमिकता दें जो देखने में खूबसूरत तो हो, साथ ही आपकी बालकनी का स्पेस भी बचाएं। मसलन, अगर आपको बाहर बैठकर कंप्यूटर पर काम करना या चाय की चुस्कियां लेना पसंद है तो आजकल मार्केट में ऐसे टेबल मौजूद हैं, जिन्हें आप अपनी रेलिंग पर अटैच कर सकते हैं। यह देखने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ ही आपकी बालकनी का स्पेस भी बचाते हैं।

शॉपिग करते समय अपना बजट भी अवश्य तय कर लें। अगर आप अपने बजट के अनुसार डेकोरेटिव आईटम नहीं खरीद पा रहे तो घर पर ही पुराने व बेकार पड़े सामान से भी कुछ डेकोरेटिव पीस तैयार कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर पुराने बूटस की मदद से हैंगिंग गार्डन तैयार किया जा सकता है।

ये हैं केसर के बेमिसाल फायदे

केसर में वाटिमन ए, फोलिक एसिड, तांबा, पोटेशियम, कैल्शियम, मैंगनीज, लोहा, सेलेनियम, जिंक, मैग्नीशियम और अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा लाइकोपिन, अल्फा कैटरिन, बीटा कैरोटिन के गुण भी इसमें मौजूद होते हैं जो शरीर को बहुत सी बीमारियों से बचाते हैं। केसर स्वास्थ को ठीक रखने के साथ ही सुंदरता को भी बढ़ाता है। केसर का उपयोग कई तरह के पकवाने में रंग और खुशबू को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए इसका सेवन सर्दी के मौसम में करना बेहतर है। आज में बताएंगे जिनके बारे में आप शायद ही जानते होगे। तो चलिए जानते है केसर के अन्य फायदे ।

1. बुखार को दूर करना : केसर बुखार, सर्दी, जुकाम को दूर करने में सहायक है। एक गिलास दूध में चुटकी भर केसर और शहद मिलाकर पीएं। इसके अलावा आप केसर में पानी डालकर उसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को गर्दन, छाती पर लगाने से सर्दियों में होने वाली बीमारियों से राहत मिलती है।

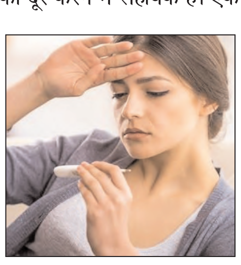

चंदन को मिलाकर माथे पर लगाने से आखें, दिमाग को ऊजा पहुंचाती है। इस पेस्ट के इस्तेमाल से सिर दर्द से राहत मिलती है।

3. चेहरे की खूबसूरती बढ़ाएं : केसर में चंदन और दूध मिलाकर फेस पैक तैयार करें। पैक को 20 मिनट के लगाने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। हफ्ते में 1-2 बार लगाने से चेहरे की रंग में फर्क दिखाई देन लगेगा।

4. उम्र बढ़ने से रोकना : इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है जो व्यक्ति की उम्र नहीं बढ़ने देता। कच्चे पपीते में चुटकी भर केसर मिलाकर लगाने से चेहरे को साफ, रोग मुक्त, सुंदर, मुलायम बनाए रखता है।

5. डिप्रैशन से राहत : जिन व्यक्तियों को डिप्रैशन की परेशानी है उनके लिए केसर बहुत मददगार है। केसर में ऐसे सेरोटिनन और देते। रोजाना केसर वाला दूध पीने से रंग साफ होने के साथ ही डिप्ररेशन की समस्या भी खत्म होती है।

6. आंखों की रोशनी तेज : आजकल आंखों की रोशनी कम होने की समस्या बच्चों से लेकर बूढ़ों तक हर कोई परेशान है। इस समस्या से राहत पाने के लिए रोजाना केसर का सेवन करें।

7. मासिक धर्म का दर्द से छुटकारा : कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान दर्द, चिडचिडापन, थकावट, सूजन, ऐंठन जैसी समस्याएं होती है। हर दिन केसर वाला दूध या चाय पीने से फायदा मिलता है।

8. अस्थमा से बचाव : सर्दियों के दिनो में अस्थमा की समस्या बहुत बढ़ जाती है। कुछ दिनों तक हर दिन 3-4 बार केसर वाली चाय पीने से अस्थमा की प्रॉब्लम धीरे- धीरे

रेसिपी

नूडल्स डोसा

सामग्री

नूडल्स- एक कप उबले, डोसा बैटर- दो से तीन कप, **पत्तागोभी-** एक कप बारीक कटे हुए, हरा **धनिया-** 23 बड़े चमच, **तेल-** दो से तीन बड़े चमच, **पनीर-** आधा कप छोटे टुकड़े कटे हुए, शिमला **मिर्च-** एक चौथाई बारीक कटी हुई, **अदरक-** आधा इंच अदरक का टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ, **नींबू का रस-** एक छोटी चमच, सोया **सॉस-** एक छोटी चमच, काली **मिर्च पाउडर-** एक छोटी चमच, **नमक-** स्वादानुसार

विधि

स्टफिंग की विधि: एक पैन में 1 टेबल स्पून तेल डाल कर अदरक, हरी मिर्च, मटर दाने, शिमला मिर्च, पत्तागोभी सभी डालकर हल्क नरम होने तक भूनें लेकिन ध्यान रहे सब्जिया क्रंची रहें। अब इसमें पनीर, नूडल, नमक, काली मिर्च, सोया सास और नीबू का रस और हरा धनियां डालकर सभी को मिस होने तक अच्छी तरह मिला लें। स्टफिंग बन कर तैयार है। डोसा बनाने की विधि- गैस पर नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा सा तेल डालकर पहले उसे नैपकीन से साफ कर लें। इसके बाद एक से दो बड़े चमच पतला किया हुआ डोसा बैटर डालकर उसे फैला दें। डोसे को चिपकने से बचाने के लिए चारों तरफ हल्का तेल डालें और हल्का ब्राउन होने तक सिंकने दें। डोसे के उपर एक-दो चमचे तैयार स्टफिंग डालकर पतला फैलायें। अब उसे हल्के से उठाकर उसे मोड़ कर रोल कर लें। इसी तरह बार-बार तवा साफ करने के बाद इसी प्रकार से डोसे सेंक लें। अब इसे सांभर या नारियल की चटनी के साथ परोसें।

मशरूम टिक्का

सामग्री

दही: 130 ग्राम **बेसन:** 2 छोटे चम्मच **हल्दी:** 1/4 छोटा चम्मच **लाल मिर्च पाऊडर:** 1 छोटा चम्मच **धनिया पाऊडर:** 1/2 छोटा चम्मच **जीरा:** 1/4 छोटा चम्मच **गर्म मसाला:** 1/2 छोटा चम्मच **अजवाइन:** 1/4 छोटा चम्मच मेथी- 1/2 छोटा चम्मच **अदरक-लहसुन का पेस्ट:** 1/2 छोटा चम्मच नींबू का रस- 2 बड़े चम्मच द्व तेल- 2 छोटे चम्मच नमक- 1/2 छोटा चम्मच **शिमला मिर्च** : 120 ग्राम **प्याज:** 65 ग्राम **मशरूम:** 200 ग्राम **नींबू का रस:** गार्निशिंग के लिए **चाट मसाला:** गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बाउल में 130 ग्राम दही, 2 छोटे चम्मच बेसन, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, 1/4 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला, 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच मेथी, 1/2 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच नींबू का रस, 2 छोटे चम्मच तेल, 1/2 छोटा चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। फिर इसमें 120 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च, 65 ग्राम कटा हुआ प्याज और 200 ग्राम कटे हुए मशरूम डालकर मिलाएं। इसे 30 मिनट तक रैफ्रिजिरेटर में रख दें। रैफ्रीजेरेटर से निकालने के बाद शिमला मिर्च, प्याज और मशरूम को सीख में डालें। एक ग्रिल पैन को गर्म करके इसे तेल के साथ ब्रश करें और सीख को इसमें रखकर सभी तरफ से सुनहरा भूरा होने तक पकाएं। जब यह अच्छे से पक जाए, तो इसे ग्रिलर से उतार कर नींबू के रस के साथ गार्निश करें। इसे गर्म - गर्म परोसें।

संपादकीय

विनय की डोर, संघर्ष चारों ओर

अंततः हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने रेणुकाजी के विधायक विनय कुमार के सिर पर अपना ताज रख दिया। इससे नए संतुलन की पैरवी में जहां पार्टी की शिराओं में जोश भरने की कवायद शुरू होगी, वहीं सरकार के पदों की फरमाइश भी बढ़ेगी। शीतकालीन सत्र की तासीर में विधानसभा के नए उपाध्यक्ष और रिक्तियों के बाजार में सरकार की जेब से एक अदद मंत्री पद की पर्ची टटोली जाएगी। जाहिर तौर पर पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन के बजाय जातीय समीकरण देखते हुए अनुसूचित जाति से संबंधित अध्यक्ष बनाया है। सत्ता से अगले चुनाव तक का यह एक बड़ा दांव है, जिसे शिमला संसदीय क्षेत्र से ही खेला जा रहा है। रोचक तथ्य यह भी कि भाजपा को भी अपना अध्यक्ष शिमला संसदीय क्षेत्र से ही मिला है, लेकिन डा. राजीव बिंदल ने पार्टी के तमाम मोर्चों, विपक्ष की सारी शक्ति और आगामी चुनाव के लिए सारी रणनीति के कई द्वार मजबूत किए हैं। ऐसे में विनय कुमार के सामने भाजपा के दुर्ग में जो अध्यक्ष बैठा है, उसकी सक्रियता से आगे बढ़ने की जरूरत है। बतौर पार्टी कांग्रेस ने अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह आगामी चुनाव के मुकाबले में कटिबद्ध है या नई सोच से आगे बढ़ रही है। जो नेता सत्ता की कुर्सियों में आबाद हो गए, उनके साथ पार्टी का कदमताल अभी शुरू नहीं हुआ, अतः बड़ा कार्य तो यह कि विनय कुमार सत्ता में छाए नेताओं को पार्टी का कार्यकर्ता बनाएं। पार्टी की ओर से प्रेरणा और सरकार की ओर से प्रेरणा स्रोत अगर किसी संगम पर पहुंचेंगे, तो तय होगा कि वास्तविक राजनीतिक शक्ति है क्या। बेशक सत्तारूढ़ होने की एक शक्ति कांग्रेस के पास है, लेकिन यह आम कार्यकर्ता से सीधे संबोधित नहीं है। भाजपा विपक्ष में रहते हुए केंद्र की मोदी सरकार को हिमाचल में ढो रही है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में पार्टी अचंभित करती है, तो सरकार के खिलाफ संघर्ष से विधानसभा तक इसके कारवां का जिक्र हो जाता है। बेशक कांग्रेस अध्यक्ष की ताजपोशी में जरूरत से ज्यादा समय लगा, लेकिन अब प्रदर्शन करने की जरूरत में विनय कुमार का राजनीतिक जीवन एक नए मचान और उफान पर आ सकता है। आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व स्थानीय निकायों के चुनाव, पार्टी की पहुंच को हर गांव से शहर तक पहुंचाने के लिए, एक नया इतिहास लिखने जैसा होगा। पार्टी में नई चमक लाने के लिए समय कम, लेकिन अवसर ज्यादा बनाने होंगे। शीतकालीन सत्र के भीतर बेशक सत्ता और विपक्ष के बीच मुद्दों की मुलाकातें और राजनीतिक कहावतें होंगी, लेकिन तपोवन के बाहर जो तपेगा उसके सामने कांग्रेस के पास एक अवसर रहेगा। कर्मचारियों के कई आंदोलन अगर सत्ता के सामने खड़े हो रहे हैं, तो कांग्रेस की कर्मचारी एकता का प्रकोष्ठ है कहां। बुद्धिजीवी अगर भाजपा की नीतियों का गुणगान करते हैं, तो कांग्रेस का बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ दिखाई नहीं देता। दिखाई तो अब छात्र संगठन, महिला संगठन व वर्षों से सक्रिय रहे कांग्रेस के कार्यकर्ता भी नहीं देते। हिमाचल में केंद्रीय नेताओं की दौड़ शिमला की सत्ता में मशरूफ रहती है या प्रदेश की आबोहवा का लुत्फ उठा कर लौट जाते हैं। शिमला तक प्रियंका-राहुल का आवागमन, चंबा, कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर या मंडी को अछूत बना देता है। ऐसे में सरकार के तीन साला समारोह में क्या पार्टी के वजूद की नुमाइश होगी। क्या सरकार के जूते में पार्टी के कदम चलेंगे या राजनीतिक मुद्दों में कांग्रेस अपना स्थान खुद निर्धारित करेगी। जो भी हो विनय कुमार के लिए पार्टी के ठहराव को फिर से सक्रिय करने का अवसर है ताकि संगठनात्मक सक्रियता से भाजपा की चुनौतियों का सियासी उत्तर दिया जा सके। सर्वप्रथम कांग्रेस को अपने भीतर के असंतुलन को सही करना होगा, ताकि सरकार में प्रतिनिधित्व के असंतुलन में विनय कुमार को सहमति, सहयोग और पहचान अर्जित करने में मदद मिले।

शीतकालीन सत्र की तासीर में विधानसभा के नए उपाध्यक्ष और रिक्तियों के बाजार में सरकार की जेब से एक अदद मंत्री पद की पर्ची टटोली जाएगी। जाहिर तौर पर पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन के बजाय जातीय समीकरण देखते हुए अनुसूचित जाति से संबंधित अध्यक्ष बनाया है। सत्ता से अगले चुनाव तक का यह एक बड़ा दांव है, जिसे शिमला संसदीय क्षेत्र से ही खेला जा रहा है। रोचक तथ्य यह भी कि भाजपा को भी अपना अध्यक्ष शिमला संसदीय क्षेत्र से ही मिला है, लेकिन डा. राजीव बिंदल ने पार्टी के तमाम मोर्चों, विपक्ष की सारी शक्ति और आगामी चुनाव के लिए सारी रणनीति के कई द्वार मजबूत किए हैं। ऐसे में विनय कुमार के सामने भाजपा के दुर्ग में जो अध्यक्ष बैठा है, उसकी सक्रियता से आगे बढ़ने की जरूरत है। बतौर पार्टी कांग्रेस ने अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह आगामी चुनाव के मुकाबले में कटिबद्ध है या नई सोच से आगे बढ़ रही है। जो नेता सत्ता की कुर्सियों में आबाद हो गए, उनके साथ पार्टी का कदमताल अभी शुरू नहीं हुआ, अतः बड़ा कार्य तो यह कि विनय कुमार सत्ता में छाए नेताओं को पार्टी का कार्यकर्ता बनाएं। पार्टी की ओर से प्रेरणा और सरकार की ओर से प्रेरणा स्रोत अगर किसी संगम पर पहुंचेंगे, तो तय होगा कि वास्तविक राजनीतिक शक्ति है क्या। बेशक सत्तारूढ़ होने की एक शक्ति कांग्रेस के पास है, लेकिन यह आम कार्यकर्ता से सीधे संबोधित नहीं है। भाजपा विपक्ष में रहते हुए केंद्र की मोदी सरकार को हिमाचल में ढो रही है।

कुछ अलग

अनमोल भक्ति

आचार्य विनोबा भावे रेलगाड़ी से वर्धा जा रहे थे। उसी ट्रेन के डिब्बे में एक वृद्ध फ़कीर भी चढ़ा। फ़कीर ने भक्ति भाव से एक गीत गाना शुरू किया। उसकी मधुर आवाज़ और गीतों के भावों को सुनकर विनोबा जी भावविभोर हो उठे। डिब्बे में अन्य यात्री भी फ़कीर के गायन के जादू से मंत्रमुग्ध हो रहे थे। उसी डिब्बे में एक धनाढ्य जमींदार भी बैठा था। उसने अपने जेब से पांच रुपये का नोट निकाला और फ़कीर से बोला, 'एक-एक पैसा इकट्ठा करने से भला क्या होगा? मैं रुपये देता हूं, बस शर्त यह है कि तुम भजन की जगह फिल्मी गीत गाओ।' फ़कीर ने जवाब दिया, 'मैंने नियम बना रखा है कि परमात्मा के अलावा किसी की भी वाणी से प्रशंसा नहीं करूंगा।' जमींदार ने फिर सौ रुपये का नोट निकाला और कहा, 'नियम-वियम को ताक पर रखो, यह सौ रुपये लो और फिल्मी गीत गाओ।' फ़कीर ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया, 'आप एक लाख रुपये देंगे तब भी मैं भगवान की स्तुति के अलावा किसी और के गीत नहीं गाऊंगा।' फ़कीर के इन शब्दों को सुनकर आचार्य विनोबा भावे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उठकर उसे गले से लगा लिया और बोले, 'आज पता चला है कि सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई की परंपरा के सच्चे भक्त अभी भी इस पृथ्वी पर हैं। वह भक्त जो लालच से प्रभावित नहीं होते, वही असली भक्त हैं।'

सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे

प्रतीकों के सियासी टोटके फिर भी नाकाम!

उमेश चतुर्वेदी

बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सियासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सियासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे। राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से रस्मी घुलना-मिलना, उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है। बिहार में बीते तीन महीनों में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं। 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानीभरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए।

चुनाव नतीजों के बाद बिहार के सियासी गलियारों में एक लतीफा चल पड़ा है। मुकेश सहनी ने तालाब में कूद कर एक मछली पकड़ी, उसे बड़ी हसरत के साथ राहुल गांधी को थमाया, लेकिन राहुल के हाथ से वह मछली भी फिसल गई। जो सहनी महागठबंधन के उप मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे, उसके हाथ सिफर ही लगा है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सियासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सियासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे। राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से रस्मी घुलना-मिलना, उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है। बिहार में बीते तीन महीनों में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं। 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानीभरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए। राहुल जब ऐसा करते हैं, बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगता है। बहुत तो इसमें राहुल के दिल की नरमी भी खोज लाते हैं। सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल की ऐसी कोशिशों से राजनीति बदलने लगी थी। लेकिन तेलंगाना छोड़, राहुल के ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला। इस प्रसंग में सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री भी तो ऐसे काम अक्सर करते हैं। काशी के गंगा घाट और प्रयागराज कुंभ जैसे कई मौकों और जगहों पर मोदी सफाई कर्मचारियों का पैर धो चुके हैं, उनके साथ भोजन कर चुके हैं, अयोध्या में अचानक गरीबों के घर पहुंच नेह जताते रहे, किसी परियोजना के पूरा होने के बाद उसमें श्रमस्वेद बहा चुके मजदूरों संग खाना खाते रहे हैं। तो उन पर ऐसे सवाल क्यों नहीं उठते। ऐसा नहीं कि सवाल नहीं उठते। वैचारिक खांचे में बंटी राजनीति और समाज में महज विरोध के लिए सवाल उठते रहे हैं। जिनका जवाब बीजेपी की बजाय वोटर देते रहे हैं। सवाल है कि राहुल के लोक लुभावन कदमों के बावजूद लोग कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे? कुछ महीने पहले कांग्रेस के अंदरूनी हलके में वरिष्ठ नेताओं से पार्टी को उबारने को लेकर राय मांगी गई थी। तब कुछ नेताओं ने अपने

घनिष्ठ प्रबुद्ध लोगों की राय मांगी थी। ये पता नहीं कि नेताओं ने पार्टी को सफलता के गुर सुझाए या नहीं। वैसे कांग्रेस के जैसे अंदरूनी हालात हैं, शायद ही कोई नेता सही और वाजिब राय देने का साहस जुटा पाए। सियासी नाकामी से उबारने का नुस्खा वरिष्ठ कांग्रेसियों के पास भी है। चूंकि यह नुस्खा बेहद कड़वा है। डर ये है कि कड़वी दवा सुझाना कठिन हो सकता है। लिहाजा राय देने से लोग बच रहे हैं। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन से लैस है। सत्तावादी राजनीति के दौर में कांग्रेस इस थाती पर गर्व कर सकती है। लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छूने वाले विचारों से वह सर्वथा दूर है। राहुल उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और अकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वह अस्वीकार्य हो चुकी है। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है। उस वर्ग का भी सपना चमक को हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। वह भूल जाती है कि देश पर सबसे ज्यादा दिनों तक कांग्रेस का ही शासन रहा है। जातिवाद कड़वी सच्चाई है। हजारों साल की परंपरा का एकदम खत्म होना संभव नहीं। कड़वा सच है कि जातिवाद को दूर करने और उससे दूर रहने का दावा करने वाली राजनीति और बौद्धिक भी इनसे अछूते नहीं। उनके अंदरूनी खांचे में जातिवाद कई रूपों में मौजूद है। वैसे जाति और धर्म के संदर्भ में समूचे देश और समाज को एक फॉर्मूले से समझना संभव नहीं। कांग्रेस यही गलती दोहरा रही है। राहुल के सलाहकारों की टीम उन्हें इसी फॉर्मूले में बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है। अब तो योगेंद्र यादव भी राहुल गांधी के बड़े सलाहकार हैं। समाजवादी दिग्गज किशन पटनायक के शिष्य यादव की सोच पर समाजवाद का कम, वामपंथ का असर ज्यादा है। 1999 में एक्जिट पोल को काला जादू न मानने वाले योगेंद्र को अब बीजेपी की हर जीत में शंका ही नजर आती है। कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकार कभी शिक्षा के लालगढ़ की राजनीति के प्रतीक रहे। दुर्भाग्यवश उनकी सामाजिक सोच जमीनी हकीकत की बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इस टीम के अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है। लेकिन यह अधूरा सच है। समूचा देश ना तो एक तरह से सोचता है ना ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से कोसों दूर है। राहुल को इन दिनों अपनी दादी इंदिरा गांधी की याद खूब आती है। लेकिन वे इंदिरा के कई गुणों को अब तक समझ नहीं पाए हैं..। समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाके की परंपरा के मुताबिक, किसी इलाके में ठेठ बहू बन जाती थीं, तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसा करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दकियानूस मान ली जातीं। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कांग्रेस की छतरी तले कई विचारधाराएं काम कर रही थीं। इंदिरा काल के किंचित वामपंथीकरण को छोड़ दें तो पार्टी का नजरिया ज्यादातर मध्यमार्गी और समाजवादी ही रहा। इंदिरा काल में वामपंथी प्रभाव इतना नहीं रहा कि वह अपनी बुनियादी विचारधारा को ही बदल दे। लेकिन आज देश की सबसे पुरानी पार्टी पर वामपंथ का खूब असर है। इसलिए उसके मुद्दे भी इसी से प्रभावित हैं। वाम वैचारिकी हर मुद्दे को नैरेटिव विशेष के लिहाज से उछालती है। सांप्रदायिकता, धर्म और जाति से जुड़े उसके विचार पारंपरिकता से इतर हैं। बीजेपी के खिलाफ हर बार सांप्रदायिकता का वामपंथी एजेंडा और नैरेटिव का उठाना इसी मंडली की कारसाजी होती है। इस नजरिया वाली सांप्रदायिकता का प्रतिकार सूत्र बीजेपी ने खोज लिया है। उसके लिए यह पिच आसान हो गई है। इसीलिए वह ज्यादातर चुनावों में कांग्रेस को मात दे रही है। इसी सोच के चलते कांग्रेस यूपी, बिहार जैसे राज्यों में उन दलों के छोटे भाई की भूमिका तक सीमित हो गई है, जिनका उदय गैरकांग्रेसवाद की बुनियाद पर हुआ है। साक्षर और सूचना से लैस लोग इन प्रतीकों के छुपे संदेशों को समझने-बूझने लगे हैं। लेकिन कांग्रेस इस प्रक्रिया को नहीं समझ पा रही। बिहार में कांग्रेस का बड़ा दांव नहीं रहा। 243 सीटों वाली विधानसभा में वह महज 61 सीटों पर मैदान में रही। मछली पकड़े और तालाब में छपाक करने का राहुल दांव नाकाम रहा। फिर भी अगर राहुल की वैचारिकी और रणनीति पर कांग्रेस में सवाल नहीं उठ रहा, तो हैरत होना स्वाभाविक है।

देश दुनिया से

अल्पसंख्यक युवाओं में पनपते रोष पर विचार जरूरी

ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, यह कथन किसी और का नहीं बल्कि एक हफ़्ते पहले दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का है, जब वे पाकिस्तान से लगते उत्तरी अरब सागर के अलावा पश्चिमी मोर्चे पर तीनों सेनाओं के 'त्रिशूल' नामक समन्वित अभ्यास में प्रदर्शित 'क्रियान्वयन के उच्च स्तर' की प्रशंसा कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि इंटेलिजेंस एजेंसियां जल्द ही लाल किले पर हुए आत्मघाती हमले की तह तक पहुंच जाएंगी, जिसमें 14 लोग मारे गए थे - तब से लेकर छह लोगों की गिरफ़्तारी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, हो सकता है सीरिया और तुर्की जैसी जगहों से काम करने वाले इस्लामिक स्टेट की छद्म ताकत भारत के अंदरूनी आतंकवादियों को आतंक-प्रशिक्षण मॉड्यूल से जोड़ रही है। यह भी माना जाता है कि छह आतंकी आरोपियों में से एक, डॉ. शाहीन शाहिद, पाकिस्तान में अपने मुख्यालय वाले जैश-ए-मोहम्मद आतंकी गुट की भारत में उसके महिला विंग की मुखिया हैं। जरा इस बारे में सोचिए। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, जिसका मतलब है कि बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान, भारत की सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नज़र में हर वक्त बना रहता है। लेकिन अंदर पनपते कट्टरपन का क्या? किस वजह से युवक-युवतियां, जिनमें से कई बहुत पढ़े-लिखे हैं, इतने गुस्से में हैं कि वे आत्मघाती बनने और देश में तबाही फैलाने को तैयार हो रहे हैं, खासकर तब जब अर्थव्यवस्था ठीक-ठाक रफ़्तार से बढ़ रही है? आइये, पहले अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ देखते हैं। भारत के दुश्मन, पाकिस्तान पर पश्चिम के ताकतवर देश न केवल मेहरबान हो रहे हैं बल्कि ट्रंप ने तो असीम मुनीर को 'मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल' तक बता डाला, इसी दौरान वे इस बात पर ज़ोर देते आए हैं कि न सिर्फ उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में समझौता करवाया बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फ़ोन करके बताया कि 'हम पाकिस्तान के साथ जंग नहीं करने जा रहे हैं' – पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने रिश्ते भी बहाल कर रहा है, वे संबंध जो 1971 के बाद से लगभग नदारद रहे। अब हम सब जानते हैं कि शेख हसीना और उनकी अवामी लीग जब तक सत्ता में थी, आईएसआई को बांग्लादेश से बाहर रखा– यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसीलिए भारत ने इतने सालों तक अपनी ओर से ज्यादा चौकसी नहीं रखी, तब भी जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने देश को सिक्योरिटी ज़ोन में बदल डाला, छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध की ताकत का गलत अंदाज़ा लगाया और विपक्षी पार्टियों को पूरी तरह कुचले रखा था - लेकिन यह

एक अलग कहानी है, जिस पर बात किसी और वक्त। सच तो यह है कि आज, आईएसआई की न केवल बांग्लादेश में वापसी हो चुकी है, बल्कि वह वहां अपनी मौजूदगी का खुलकर प्रदर्शन भी कर रही है और उच्चतम नेतृत्व तक उसकी सीधी पहुंच है। इतना ही नहीं, इस महीने की शुरुआत में, 54 साल में पहली बार, किसी पाकिस्तानी जंगी जहाज़ ने चटगांव बंदरगाह पर लंगर डाला। इसका मतलब है कि भारत को अपने पश्चिमी और पूर्वी, दोनों पार्श्वों पर, चौकन्ना रहना होगा। मानो देश के लिए बाहर से बनने वाली यह चुनौती भारत के लिए काफ़ी नहीं थी, सवाल यह कि भारतीय युवा अंदर से भी क्यों कट्टरपंथी बन रहे हैं, यह हमारे लिए और भी ज़्यादा चिंता की वजह है। शायद एक लघु प्रश्नोतरी कुछ जवाब दे पाए। उदाहरणार्थ, मुज़म्मिल शकील गनई, अदील अहमद राठर, शाहीन सईद, इरफ़ान अहमद वागे, आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी के बीच एक समान क्या है, इन सभी पर लाल किला विस्फोट कांड में राज्य में बड़ी अव्यवस्था की साज़िश रचने का आरोप है? दूसरा, उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफ़िशा फ़ातिमा, शिफ़ा उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान के बीच क्या एक समान है, इन सभी पर 2019 के दिल्ली दंगों के ज़रिये सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र रचने का आरोप है? तीसरा, मोहम्मद अखलाक, मज़लूम अंसारी, इम्तियाज़ खान, पहलू खान, अलीमुद्दीन अंसारी, रकबर खान, कासिम, मोहम्मद ज़हीरुद्दीन, लुकमान अंसारी और अफान अब्दुल अंसारी के बीच एक जैसा क्या था, इन सब को इस अफवाह पर पीट-पीटकर मार डाला गया कि वे गोमांस ले जा रहे थे? इन सबका छोटा-सा जवाब यह है कि ये सब मुसलमान हैं। ज़रा सोचिए। लाल किले पर हुए विस्फोट में शामिल लोग, वे आरोपी जिन्हें पुलिस ने दिल्ली दंगों के मामले में यूएपीए के तहत पकड़कर जेल में डाल रखा है और साथ ही वे जिन को गोरक्षकों ने गोमांस ले जाने की अफवाह पर पीट-पीट कर मार डाला – मुसलमानों के इन एकदम अलग-अलग समूहों के बीच एक उभयनिष्ठ बिंदु है, उनका धर्म। मुज़म्मिल शकील पेशे से एक डॉक्टर हैं, इरफ़ान अहमद एक मुफ़्ती हैं, उमर खालिद ने जेएनयू से एमफिल किया है, गुलफ़िशा फ़ातिमा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है और अखलाक और बाकी लोग उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के ट्रक चालक थे। ये महिला-पुरुष भारत के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक तबकों से हैं – जिनके बीच जमीन-आसमान का अंतर है। दिक्कत यह है कि हम इन सबको एक ही जैसे मान रहे हैं। शकील और इरफान, और उमर उन-नबी जोकि लाल किले के बाहर हुए बम विस्फोट का आत्मघाती बॉम्बर था, इस जैसों को वाकई सबसे कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए – उन्होंने देश को अंदर से कमज़ोर करने की कोशिश की। लेकिन उमर खालिद, शरजील, गुलफिशा और दूसरे अन्य, जो आज भी बिना जमानत के, पांच साल से जेल में बंद हैं – उनके केस की सुनवाई आखिरकार इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में हो रही है – उन्होंने शुरू से ही अपनी बेगुनाही की दुहाई दी है। जहां तक अखलाक और उसके साथियों की बात है, उन्हें कभी मौका ही नहीं मिला, मौत पहले ही उन्हें लील चुकी है। अब ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार दस साल पहले दादरी में हुई अखलाक कत्ल कांड के सभी आरोपियों के खिलाफ केस वापस लेने जा रही है। कोई नहीं जानता कि ऐसा क्यों, किन हालात में, और क्या यह हो सकता है। अगर ऐसा है, तो यह साफ नहीं कि इससे कानून के शासन पर क्या असर पड़ेगा। लेकिन असली सवाल पर वापस आते हैं। भारतीय मुसलमान आतंकी घटनाओं की साजिश क्यों रच रहे हैं और लाल किले के बाहर खुद को क्यों उड़ा रहे हैं? उमर उन-नबी ने खुद को क्यों उड़ा लिया – जैसा कभी एलटीटीई के आतंकवादी किया करते थे या अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में जिहादी करते हैं – इन लोगों ने एक लोकतांत्रिक देश में निहित विरोध करने के सुरक्षित ढंग को अपनाकर, अपना गुस्सा क्यों नहीं निकाला? वह असामान्य समस्या क्या है जिसका सामना भारतीय मुसलमान कर रहे हैं, वह जिसे भारतीय हिंदू या भारतीय सिख या ईसाई या दूसरे धर्मों के लोग समझ नहीं पा रहे हैं? इस लेख का मकसद यह समझने की कोशिश करना है कि भारत इस समय अपने वजूद की किस बड़ी मुश्किल घड़ी से गुज़र रहा है – बाहरी दुश्मन से खतरा, देश की अनिश्चितता भरी और उतार-चढ़ाव के हालात वाली विदेश नीति, जब गहरे दोस्त कम व खत्म हो रहे हैं, और देश के भीतर भी असुरक्षा।

आप का नजरिया

यह देश मुसलमानों का भी...

डॉक्टर जाकिर हुसैन स्वतंत्रता सेनानी, भारत के तीसरे राष्ट्रपति एवं प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति थे। डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी मुस्लिम राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। एपीजे को देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत-रत्न' से भी नवाजा गया। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में पोखरण में जो पांच परमाणु परीक्षण किए गए थे, एपीजे उनके सूत्रधार वैज्ञानिकों में भी एक थे। मुहम्मद हिदायतुल्ला देश के प्रथम मुस्लिम प्रधान न्यायाधीश थे। उन्हें बाद में उपराष्ट्रपति बनाया गया। जब 1982 में तत्कालीन राष्ट्रपति जैल सिंह को स्वास्थ्य कारणों से विदेश जाना पड़ा, तो हिदायतुल्ला को 'कार्यवाहक राष्ट्रपति' का दायित्व भी सौंपा गया। कई मुस्लिम सांसद और विधायक भी देश में कार्यरत हैं। यही नहीं, जफर सैफुल्लाह को 1993-94 में देश के सर्वोच्च नौकरशाह कैबिनेट सचिव पद पर नियुक्त किया गया था। खुफिया एजेंसी आईबी के निदेशक भी मुसलमान रहे हैं। बेशक दोनों शीर्ष अधिकारी आईएएस थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनेक खिलाड़ी मुस्लिम रहे हैं। बॉलीवुड के तीन सुपर स्टार-शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान-भी मुस्लिम हैं और देश में खूब लोकप्रिय हैं। यह देश 146 करोड़ से अधिक लोगों का है, लिहाजा मुस्लिम चेहरों को क्या सम्मान दिए गए, कितने निर्णायक ओहदे दिए गए, कौन मंत्री-मुख्यमंत्री भी बने, उन पर एक मोटा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दरअसल स्वतंत्र अभिव्यक्ति और वैचारिकता के इस देश में मौलाना अरशद मदनी सरीखे घोर कट्टरपंथी और सांप्रदायिक जहर फैलाने वाले चेहरे भी हैं, जो आज तक 'मुस्लिम वाइस चांसलर' पर ही अटके हैं। यह कथन क्षम्य हो सकता है, लेकिन यह अक्षम्य और देशद्रोह की श्रेणी का कथन है कि मुल्क की सरकार मुसलमानों के पैरों तले की जमीन भी छीन लेना चाहती है। मुसलमानों के साथ भेदभाव बरता जा रहा है। मुस्लिम लड़कियों के स्कूल भी अलग होने चाहिए। मदनी ने अलफलाह यूनिवर्सिटी के भीतर का 'डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल' का बचाव किया है। उन्हें दिल्ली विस्फोट से कोई चिंता और सरोकार नहीं। विस्फोटक 3000 किग्रा से अधिक और लॉकर में हथियार बरामद किए गए हैं, वे कहां से आ गए और कौन लाया? मदनी की सोच हो सकती है कि यदि कोई मुसलमान बड़ा बनने की कोशिश करेगा, तो आजम खान की तरह जेल में जाएगा। फिर कितने साल जेल में ही सड़ना पड़ेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। आजम खान उप्र सरकार में कई बार मंत्री रहे हैं, क्या मदनी को यह नहीं दीखता? क्या मदनी उनके कथित अपराधों पर आंख मूंद लेना चाहते हैं और अदालत को गलत करार देना चाहते हैं? ये हरकतें कबूल नहीं हैं, देशद्रोही हैं। मदनी सरीखे मुस्लिम नेताओं की सोच और धारणा यह भी रही है कि मुसलमानों के लिए, 2014 के बाद, हालात बदतर हुए हैं। यकीनन उनका इशारा प्रधानमंत्री मोदी की तरफ है और वे उन्हें ही मुसलमानों के संदर्भ में सवालिया, सांप्रदायिक करार देते रहे हैं। यह मुसलमानों को उकसाने, भड़काने, भ्रमित करने वाला कथन है। दरअसल अरशद मदनी बेहद बुजुर्ग हैं और 'दारुल उलूम देवबंद' के प्रधानाचार्य हैं। वह जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक धड़े के मुखिया भी हैं। कमोबेश उन्हें आतंकियों को नहीं बचाना चाहिए। उनकी पैरोकारी भी देशद्रोह है। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी के साथ अन्य एजेंसियां भी जांच कर रही हैं। हमारी अदालतें भी न्यायप्रिय हैं। मदनी सरीखों को भी न्याय मिला होगा! सेना में हमारे मुस्लिम जवानों ने भी कुर्बानियां दी हैं। ओवैसी जैसे मुस्लिमवादी नेता भी अलफलाह यूनिवर्सिटी के भीतर के आतंकवाद की निंदा कर रहे हैं। लालकिले के पास जो आत्मघाती विस्फोट कराया गया, उसमें हिंदू-मुसलमान दोनों ही मारे गए। कब्र के इन लम्हों में मदनी क्या हासिल करना चाहते हैं? डॉक्टर आतंकियों के तार जैश के अलावा हमास से भी जुड़े हुए थे, ऐसा खुलासा हुआ है। वे हमास की तर्ज पर हमले की तैयारियां करते रहे हैं। नहीं तो ड्रोन, रॉकेट और अस्पतालों को हथियारों के भंडारण सरीखी बातें क्यों सार्वजनिक होतीं? मदनी ने न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी से भारतीय मुसलमानों की तुलना कर साबित किया है कि वह सठिया चुके हैं। बहरहाल, मदनी के वक्तव्य को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए, इसे हल्के में लिया जाना चाहिए।

अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में पोखरण में जो पांच परमाणु परीक्षण किए गए थे, एपीजे उनके सूत्रधार वैज्ञानिकों में भी एक थे। मुहम्मद हिदायतुल्ला देश के प्रथम मुस्लिम प्रधान न्यायाधीश थे। उन्हें बाद में उपराष्ट्रपति बनाया गया। जब 1982 में तत्कालीन राष्ट्रपति जैल सिंह को स्वास्थ्य कारणों से विदेश जाना पड़ा, तो हिदायतुल्ला को 'कार्यवाहक राष्ट्रपति' का दायित्व भी सौंपा गया। कई मुस्लिम सांसद और विधायक भी देश में कार्यरत हैं। यही नहीं, जफर सैफुल्लाह को 1993-94 में देश के सर्वोच्च नौकरशाह कैबिनेट सचिव पद पर नियुक्त किया गया था। खुफिया एजेंसी आईबी के निदेशक भी मुसलमान रहे हैं। बेशक दोनों शीर्ष अधिकारी आईएएस थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनेक खिलाड़ी मुस्लिम रहे हैं। बॉलीवुड के तीन सुपर स्टार-शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान-भी मुस्लिम हैं और देश में खूब लोकप्रिय हैं। यह देश 146 करोड़ से अधिक लोगों का है, लिहाजा मुस्लिम चेहरों को क्या सम्मान दिए गए, कितने निर्णायक ओहदे दिए गए, कौन मंत्री-मुख्यमंत्री भी बने, उन पर एक मोटा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दरअसल स्वतंत्र अभिव्यक्ति और वैचारिकता के इस देश में मौलाना अरशद मदनी सरीखे घोर कट्टरपंथी और सांप्रदायिक जहर फैलाने वाले चेहरे भी हैं, जो आज तक 'मुस्लिम वाइस चांसलर' पर ही अटके हैं।

दृष्टि कोण

महिलाओं ने बदल दी बिहार चुनाव की तस्वीर

बिहार चुनाव में एग्जिट पोल से पहले तक एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। ऐसे कयास भी लगाए जा रहे थे कि शायद बिहार की जनता परिवर्तन के नाते नीतीश कुमार के स्थान पर तेजस्वी यादव को सत्ता सौंप सकती है। नीतीश कुमार की आयु, एंटी इनकुंबेंसी, तेजस्वी यादव की लोकप्रियता आदि जैसे तर्क भी दिए जा रहे थे। लेकिन चुनाव में गिनती के बाद जब महागठबंधन की करारी हार हुई और कांग्रेस का लगभग सूपड़ा साफ हो गया, तो चुनाव विश्लेषक सोचने को मजबूर हो रहे हैं कि आखिर इन परिणामों के पीछे क्या कारण रहा? चुनाव विश्लेषक एनडीए की जीत के पीछे एक बड़ा श्रेय महिलाओं के भारी समर्थन को दे रहे हैं। यह सच है कि इस चुनाव में महिलाओं ने अभूतपूर्व ढंग से वोटिंग की है। 2024 के संसदीय चुनाव में 59.4 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला, जबकि पुरुषों का वोट प्रतिशत 53.3 ही रहा था, जबकि 2019 के आम चुनावों में यह प्रतिशत क्रमशः 59.9 और 53.3 प्रतिशत था। लेकिन 2025 के विधानसभा में महिलाओं ने कहीं ज्यादा 71.8 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग की, जबकि पुरुषों का वोट प्रतिशत 63 प्रतिशत रहा। यानी लगभग 9 प्रतिशत बिंदु का अंतर। विभिन्न विधानसभा क्षेत्र का विश्लेषण बताता है कि यह अंतर कई स्थानों पर 10 प्रतिशत से 21 प्रतिशत का भी रहा। पहले चरण में जहां महिला और पुरुष वोटों का प्रतिशत क्रमशः 69 और 61.6 का रहा। लेकिन दूसरे चरण में तो महिलाओं ने और अधिक जोर से वोट डाले और महिला वोट 74.6 प्रतिशत तक पहुंच गए और पुरुष वोट 64.4 तक ही पहुंच पाए।

क्यों बढ़ा महिलाओं का वोट प्रतिशत : चूंकि महिलाओं द्वारा पूर्व की तुलना में भारी मात्रा में वोट डाले गए, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि इसका क्या कारण रहा होगा? विपक्षी दल इसके पीछे एनडीए सरकार द्वारा चुनाव घोषित होने से थोड़ा पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10000 रुपए की राशि अंतरित करने को

कारण मानते हैं। हालांकि इसे झुठलाया नहीं जा सकता कि इस योजना के कारण भी महिलाओं ने एनडीए को समर्थन देने का मन बनाया होगा। लेकिन केवल 10000 रुपए की राशि का अंतरण ही महिलाओं को समर्थन का कारण नहीं हो सकता, क्योंकि महागठबंधन ने तो चुनाव प्रचार में महिलाओं को 2500 रुपए देने का वादा किया था। इसके साथ-साथ महागठबंधन ने कई और वादे भी किए थे। लेकिन शायद महागठबंधन महिलाओं को अपने वादों से आश्वस्त नहीं कर पाया और महिलाओं ने एनडीए पर अधिक विश्वास जताया। मात्र राशि दिए जाने से यदि जनता का विश्वास जीता जाता हो तो इससे पूर्व कई अन्य राज्यों में लैपटॉप का वितरण, अन्य कई प्रकार की मुफ्त योजनाओं के बावजूद वहां की सत्तारूढ़ सरकारें पुनरावृत्ति नहीं कर पाई थी। इसलिए मात्र 10000 रुपए की एकमुश्त राशि दिया जाना ही एनडीए सरकार को महिलाओं के समर्थन का कारण नहीं हो सकता। हमें इस संबंध में महिला सशक्तिकरण और कल्याण के संदर्भ में नीतीश सरकार के लगभग 20 वर्षों का लेखा-जोखा लेना होगा। इसके साथ ही बिहार के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के प्रयासों का भी आकलन करना होगा।

लालू शासन के जंगल राज का डर : लालू शासन में सामान्य जनता लचर कानून और व्यवस्था से त्रस्त थी। बलात्कार, अपहरण और फिरौती, हत्याएं और अन्य प्रकार के अपराध बिहार में सामान्य बात थी। इन अपराधों की त्रासदी अधिकांशतः महिलाओं को ही झेलनी पड़ती थी।

ब्रैम्पटन में भीषण आग से भारतीय परिवार तबाह, हादसे में 5 की मौत, कई झुलसे

ब्रैम्पटन, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में 20 नवंबर को एक घर में लगी भीषण आग ने एक भारतीय परिवार को तबाह कर दिया। इस अग्निकांड में परिवार के अजन्मे बच्चे समेत पांच सदस्यों की मौत हो गई जबकि चार गंभीर रूप से झुलस गए जोकि आईसीयू में भर्ती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने इस दर्दनाक घटना की पुष्टि की है। इस घर में रहने वाले जुगराज सिंह ने पुलिस को जानकारी दी कि आग लगने के समय वह घर से बाहर थे और अब वह परिवार के एकमात्र जीवित सदस्य बचे हैं। जुगराज ने एक क्राउडफंडिंग पेज पर भावुक जानकारी साझा करते हुए बताया कि आग में उनके पांच प्रियजनों की जान चली गई, जिनमें उनकी पत्नी का अजन्मा बच्चा भी शामिल था। घटनास्थल पर इमरजेंसी कर्मचारियों को पहले दो शव मिले थे। शुक्रवार को मलबे की तलाशी में तीसरे वयस्क का शव बरामद हुआ। एक छोटे बच्चे समेत दो अन्य लापता लोगों की तलाश रविवार तक जारी थी। पुलिस के मुताबिक चार अन्य लोग इस आग से बचने में सफल रहे जिनमें एक पांच साल का बच्चा भी है। ये लोग दूसरी मंजिल की खिड़की से कूदने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। जुगराज ने पुष्टि की है कि उनकी पत्नी और पांच साल का बेटा बच गए हैं लेकिन वे गंभीर रूप से जलने के कारण आईसीयू में भर्मी हैं। इस घर में कुल 12 लोग रहते थे जिनमें 10 लोग एक ही बहु-पीढ़ी वाले परिवार से थे जबकि बेसमेंट यूनिट में रहने वाले दो किराएदारों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रिपोर्ट के मुताबिक जुगराज सिंह ने बताया कि इस आग ने घर का सब कुछ तबाह कर दिया है जिसमें उनके पासपोर्ट, बीमा दस्तावेज़, कपड़े और अन्य सभी निजी सामान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह इस समय भावनात्मक तबाही और भारी वित्तीय बोझ से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपने प्रियजनों के शवों को भारत वापस भेजने के लिए क्राउडफंडिंग के जरिए धन जुटाने की उम्मीद जताई है। ब्रैम्पटन के मेयर ने खुलासा किया है कि यह घर एक अनुपस्थित मकान मालिक की संपत्ति है। मेयर ने बताया कि मकान मालिक ने 2019 में बेसमेंट में दूसरी यूनिट बनाने के लिए परमिट के लिए आवेदन किया था लेकिन काम पूरा होने के बाद निरीक्षण के लिए अनुरोध नहीं किया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मिलने पहुंचे जेन जी समूह को पुलिस ने सिंहदरबार प्रवेश से बैरंग लौटाया

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात की मांग करते हुए सिंहदरबार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे जेन-ज़ी समूह को पुलिस ने प्रवेश पर रोक लगाते हुए बाहर का रास्ता दिखा दिया है। मंगलवार को सुदन गुरूंग और मिराज ढुंगाना के नेतृत्व में जेन-ज़ी समूह सिंहदरबार की ओर बढ़ा, लेकिन इसे प्रतिबंधित क्षेत्र बताते हुए पुलिस ने उन्हें वापस लौटा दिया। सोमवार को भी जेन-ज़ी समूह प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचा था और ज्ञापन पत्र सौंपने की कोशिश की थी। मिराज ढुंगाना समेत जेन-ज़ी समूह ने प्रमुख स्वकीय सचिव के मुद्दे पर प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया, परंतु समय न मिलने के कारण उन्हें सिंहदरबार के मुख्य द्वार पर ही ज्ञापन चिपकाकर वापस लौटना पड़ा। सिंहदरबार के भीतर प्रवेश नहीं मिलने से नाराज जेन जी नेता सुदन गुरूंग ने कहा कि हमारी सिफारिश पर बनी सरकार अब हमारी बातें सुनने तक से इंकार कर रही है। यह दुखद है और पीएम कार्की को इसका जवाब देना होगा। इसी तरह दूसरे जेन जी नेता मिराज ढुंगाना ने पीएम कार्की से भी इस्तीफे की मांग की है। ढुंगाना ने कहा कि यदि जेन जी की भावना के विपरीत ही सरकार को काम करना है, तो ऐसी सरकार को बनाए रखने का कोई फायदा नहीं है।

ओली की पार्टी ने संसदीय चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग में अपने दल का पंजीकरण कराया

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा (एमाले) ने संसद विघटन के खिलाफ अदालत में रिट दायर करने के साथ ही प्रतिनिधि सभा चुनाव की तैयारी के तहत निर्वाचन आयोग में दल का पंजीकरण भी कराया है। पार्टी के निर्वाचन विभाग के प्रमुख निरज आचार्य और कार्यालय सचिव डॉ. भीष्म अधिकारी ने आयोग में दल पंजीकरण का आवेदन प्रस्तुत किया। नेपाल के कानूनी प्रावधान के तहत चुनाव में शामिल होने के लिए राजनीतिक दलों का पंजीकरण अनिवार्य है, जिसे हर चुनाव से पहले किया जाता है। पंजीकरण के बाद उन्होंने कहा कि एमाले सभी प्रकार के चुनावों के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने वाला दल है, इसलिए औपचारिक रूप से पंजीकरण कराया गया है। आचार्य ने कहा कि अब उनकी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्वाचन आयोग ने दल पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की है। कुल 66 दल पंजीकृत हो चुके थे, जिनमें एमाले 66वें नंबर पर दर्ज हुआ है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी अपने दल का पंजीकरण कराया है।

इथियोपिया के मेटेकेल जोन में ओरोमो लिबरेशन आर्मी के हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए

अदीस अबेबा (इथियोपिया। पूर्वी अफ्रीका के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य इथियोपिया के अशांत मेटेकेल जोन के बाकुजी केबेले और बेनिशांगुल-गुमुज क्षेत्र के बुलेन वोरेडा में ओरोमो लिबरेशन आर्मी असंतुष्ट धड़े के हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए। यह धड़ा खुद को शेने मिलिटेंट्स कहता है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों ने शनिवार सुबह पांच बजे से रात आठ बजे तक घरों में घुसकर स्त्री, पुरुष और बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। इथियोपियाई पत्रिका अदीस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, बाकुजी केबेले के एक व्यक्ति ने बताया कि कहीं-कहीं तो एक ही परिवार के पांच सदस्यों को गोलियों से भून दिया गया। इस व्यक्ति ने मारे गए लोगों की संख्या 44 बताई। इस व्यक्ति ने कहा शेने मिलिटेंट्स के हाथों में बंदूकें और चाकू थे।यह लोग कई घरों के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसे। इस हमले के बाद खेतिहर और दिहाड़ी मजदूर यह इलाका छोड़कर भाग गए। जिनके खेत हैं, वही लोग यहां बचे हैं।

पाक का अफगानिस्तान में हवाई हमला, नौ बच्चों और एक महिला की मौत, तालिबान सरकार के प्रवक्ता का दावा

काबुल, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान ने कहा कि पाकिस्तान ने बेवजह रात को हवाई हमला किया। सरहद पार की सेना के इस हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। इसके अलावा कम से कम चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए अफगान नागरिकों में एक महिला और नौ बच्चे हैं। पाकिस्तान के शहर पेशावर में आत्मघाती हमले के एक दिन पूरा होने से पहले सेना ने हवाई हमला किया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की एक्स पोस्ट के हवाले से बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार, पाकिस्तान के क्वेटा से पश्तो भाषा में प्रसारित न्यूज पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट और ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट्स में इस हमले पर विस्तार से चर्चा की है।

मुजाहिद के अनुसार, खोस्त प्रांत में पाकिस्तान की सेना ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए बमबारी की। कुनार और पक्तिका प्रांत में छापे मारे। इस कार्रवाई में चार आम लोग घायल हो गए।

मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने रात लगभग 12 बजे ख्वास्त प्रांत के गेरबज्वो जिले में में रहने वाले विलायत खान के घर पर बमबारी की। मारे गए बच्चों में पांच लड़के और चार लड़कियां और एक महिला है। हमले में विलायत का घर तबाह हो गया। पाकिस्तान की सेना और विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के प्रवक्ता के दावे पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले अक्टूबर में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच भीषण झड़प हो चुकी है। इस घमासान में लगभग 70 लोग मारे गए। इसके बाद दोनों पक्षों ने दोहा में संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर किए। फिर भी दोनों देश आक्रामक मुद्रा में नजर आए। तुर्किये में शांति वार्ता की मेज पर भी बात नहीं बन सकी और बिना किसी निर्णय के बातचीत विफल हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, पेशावर हमले की अब तक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। मगर पाकिस्तान के सरकारी प्रसारक पीटीवी ने कहा कि हमलावर अफगानिस्तान के नागरिक थे और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने इसके लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान लगातार आरोप लगा रहा है कि टीटीपी अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान में अस्थिरता फैला रहा है। सनद रहे इस महीने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी के एक सहयोगी संगठन ने ली थी। इस हमले में 12 लोग मारे गए थे। राजधानी पर हुए हमले के लिए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के एक प्रमुख नेता को जिम्मेदार ठहराया।

प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी जारी की हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि रात को उन्होंने एक के बाद एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान की सीमा के भीतर हवाई हमले किए हैं। पिछले महीने की शुरुआत में, पाकिस्तान ने राजधानी काबुल समेत कई जगहों पर हवाई हमले किए थे। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के विद्रोह के कारण पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच स्थिति तनावपूर्ण है।

अमेरिकी संघीय जिला अदालत से जेम्स कॉमी और लेटिटिया जेम्स को राहत

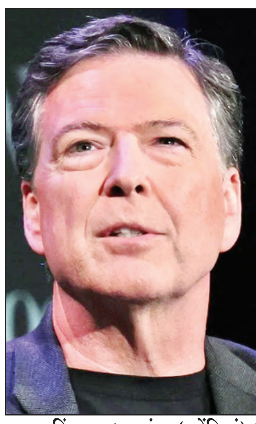

वाशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के एक जिला संघीय अदालत के जज कैमरन करी ने सोमवार को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स को बड़ी राहत प्रदान की । जज ने दोनों के खिलाफ आरोप पत्र को खारिज करने का आदेश दिया। कॉमी और जेम्स के वकीलों ने तर्क दिया था कि मुकदमे बदले की भावना से चलाए जा रहे हैं। यह मुकदमे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने राजनीतिक दुश्मनों को सजा देने की कोशिश से प्रेरित हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जज ने कहा कि इन मामलों के लिए अंतरिम अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन की नियुक्त गलत तरीके से हुई। करी ने जेम्स कॉमी के मामले में अपनी राय में लिखा, 'मैं इस नतीजे पर पहुंची हूं कि हैलिगन की गलत नियुक्ति ताकत का का गैर-कानूनी इस्तेमाल है। इसलिए मुकदमे को रद्द कर देना चाहिए।'

जेम्स ने एक बयान में कहा, 'की जीत से मैं बहुत खुश हूं और देश भर से मिली दुआओं और सहयोग के लिए शुक्रगुजार हूं। मैं इन बेबुनियाद आरोपों के बावजूद निडर हूं और हर दिन न्यूयॉर्क के लोगों के लिए लड़ता रहूंगा।' उन्होंने कहा कि अदालत ने संदेश दिया है कि राष्ट्रपति अपने राजनीतिक दुश्मनों को निशाना बनाने के लिए न्याय विभाग का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, 'मैं शुक्रगुजार हूं कि अदालत ने मेरे खिलाफ केस खत्म कर दिया। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि न्याय विभाग इस फैसले के खिलाफ अपील करेगा। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि इस मामले में वकील लिंडसे हैलिगन की नियुक्ति में कुछ भी गलत नहीं किया गया।

जज ने कहा कि दस्तावेजों से साफ है कि हैलिगन 22 सितंबर से गैर-कानूनी तरीके से अंतरिम अटॉर्नी के तौर पर काम कर रही हैं। कॉमी पर 25 सितंबर को और जेम्स पर नौ अक्टूबर को आरोप लगाए गए थे। उल्लेखनीय है कि हैलिगन पूर्व स्पेशल काउंसिल जैक स्मिथ के ट्रंप के खिलाफ लाए गए आपराधिक मामलों में से एक में उनकी बचाव टीम की सदस्य रह चुकी हैं।

पाक के सुरक्षा बलों की गोलीबारी में खैबर पख्तूनख्वा में 22 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अशांत प्रांतों में सक्रिय विद्रोहियों के खात्मे के लिए चलाए गए खुफिया अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 22 सदस्यों को मार गिराया। पाकिस्तान के सैन्य बलों की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि यह गोलीबारी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में हुई। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने मंगलवार को बयान में कहा कि सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सोमवार को मिली। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अभियान की सफलता के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पेशावर शहर में सोमवार सुबह फेडरल कांस्टेबुलरी के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन जवान मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि इस हमले के दौरान तीनों हमलावर ढेर कर दिए गए। पाकिस्तान ने आत्मघाती हमलावरों को अफगानिस्तान का नागरिक बताया है। हालांकि, अभी तक हमले की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में फिर बुर्का विवाद : पॉलीन हैनसन ने काले बुर्के में घुसकर मचाया हंगामा

सिडनी, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया की कट्टर दक्षिणपंथी सीनेटर और वन नेशन पार्टी की नेता पॉलीन हैनसन ने सोमवार को संसद के ऊपरी सदन में उस समय तूफान खड़ा कर दिया जब वह पूरा चेहरा ढकने वाला काला बुर्का पहनकर सीनेट चैंबर में दाखिल हुईं। उनका मकसद सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का-निकाब जैसे चेहरा ढकने वाले परिधानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाले अपने बिल को जबरन चर्चा में लाना था, जिसे सीनेट अध्यक्ष ने पहले ही खारिज कर दिया था। बुर्का पहने हैनसन के अंदर आते ही सदन में हड़कंप मच गया। कई सांसदों ने उन्हें तुरंत बुर्का उतारने को कहा। जब उन्होंने इनकार किया तो सीनेट की कार्यवाही रोक दी गई। मुस्लिम मूल की ग्रीन्स पार्टी सीनेटर मेहरीन फारूकी ने इसे 'खुल्लम-खुल्ला नस्लवाद' करार दिया। अफगान मूल की निर्दलीय सीनेटर फातिमा पायमन ने इस कृत्य को 'शर्मनाक और अपमानजनक' बताया। सरकार की सीनेट लीडर पेनी वोंग ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह हरकत 'ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर के पद की गरिमा के सर्वथा विपरीत है।' विपक्ष की डिप्टी लीडर ऐनी रस्टन ने भी हैनसन की निंदा की। वोंग ने हैनसन को सत्र से निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन हैनसन के हटने से इनकार करने पर पूरा सत्र कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा।यह पहली बार नहीं जब हैनसन ने ऐसा किया हो। 2017 में भी उन्होंने ठीक यही स्टंट करके सुर्खियां बटोरी थीं। 1990 के दशक से एंटी-इमिग्रेशन और इस्लाम-विरोधी बयानों के लिए चर्चित हैनसन की वन नेशन पार्टी मई 2025 के आम चुनाव में दक्षिणपंथी लहर पर सवार होकर चार सीनेट सीटें जीत चुकी है। घटना के बाद फेसबुक पर हैनसन ने लिखा, 'अगर सीनेट को मुझसे बुर्का पहनना मंजूर नहीं, तो पूरे देश में बुर्के पर बैन लगा दे। मैंने यही संदेश देने के लिए ऐसा किया।' इस घटना ने एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया में धार्मिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और नस्लवाद के बीच पुराना विवाद ज्वलंत कर दिया है। विपक्षी दलों ने इसे 'संसदीय मर्यादाओं का अपमान' बताया है, जबकि हैनसन के समर्थक इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी साहस' बता रहे हैं।

अमेरिका अनुसंधान में करेगा कृत्रिम मेधा का प्रयोग, मुस्लिम ब्रदरहुड पर कसेगा शिकंजा, ट्रंप ने किए दो कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दो कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। एक का मकसद देश में होने वाले विभिन्न तरह के अनुसंधान में कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का इस्तेमाल करना है। दूसरे का मकसद मुस्लिम ब्रदरहुड पर शिकंजा कसना है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, कृतिम मेधा के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम में तेजी लाई जाएगी। इसके लिए ऊर्जा विभाग और उसकी राष्ट्रीय प्रयोगशाला को सुपर कंप्यूटर्स का इस्तेमाल करके एक इंटीग्रेटेड एआई प्लेटफॉर्म बनाने का निर्देश दिया गया है। व्हाइट हाउस इस परियोजना को जेनेसिस मिशन का नाम दिया है। व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि इससे चिकित्सा विज्ञान को बड़ा फायदा होगा। बीमारियों के इलाज में मदद मिलेगी। व्हाइट हाउस के अधिकारियों का मानना है कि इसमें प्राइवेट सेक्टर का भी सहयोग लिया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं कि मिशन को फंड कहां से मिलेगा।

इसके अलावा राष्ट्रपति ने मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठनों को आतंकवादी समूह घोषित करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े कुछ मिडिल ईस्ट के संगठनों को आतंकवादी ग्रुप घोषित करने पर विचार करने को कहा है। उन्होंने विदेशमंत्री मार्को रुबियो और वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट को 30 दिन में रिपोर्ट जमा कराने का आदेश दिया है। इसके बाद इस रिपोर्ट पर कार्रवाई के लिए 45 दिन का समय तय किया है।

उन्होंने प्रशासन को यह विचार करने का निर्देश दिया कि क्या मिस्त्र, लेबनान, जॉर्डन या कहीं और मुस्लिम ब्रदरहुड के चैप्टर को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए। कार्यकारी आदेश में दावा किया गया कि तीनों देशों के मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े संगठन हिंसा और अस्थिरता फैलाने वाले अभियान में शामिल हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं और उनका समर्थन करते हैं। सनद रहे मुस्लिम ब्रदरहुड अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन है। इसकी स्थापना 1928 में मिस्त्र में हसन अल-बन्ना ने की थी।

फीफा अंडर-17 विश्व कप में ब्राजील को हराकर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल, ऑस्ट्रिया से होगी खिताबी भिड़ंत

दोहा, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप में इस बार एक नया चैंपियन मिलेगा। सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया ने इतिहास रचते हुए पहली बार फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने ब्राज़ील को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से हराया, जबकि ऑस्ट्रिया ने इटली को 2-0 से मात दी।

ऑस्ट्रिया की शानदार उछाल जारी - अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में ऑस्ट्रिया का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जहां सीनियर पुरुष टीम ने 28 साल बाद फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, वहीं अब अंडर-17 टीम ने अपनी धमाकेदार लय बरकरार रखते हुए फाइनल में प्रवेश किया। टीम के स्टार स्ट्राइकर जोहान्स मोज़र ने दोनों गोल दागे। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर मोज़र (7 मैच में 8 गोल), ने 57वें मिनट में पहला गोल किया और इंजरी टाइम में शानदार फ्री-किक पर दूसरा गोल दागा।

पुर्तगाल बनाम ब्राज़ील: कड़ा संघर्ष - दूसरा सेमीफाइनल पुर्तगाल और ब्राज़ील के बीच बेहद टक्कर वाला रहा। पूरे मैच में सिर्फ चार शॉट टारगेट पर लगे और कुल 35 फाउल हुए। चार खिताब जीतकर टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड बनाने वाला ब्राज़ील शुरुआती बढ़त की तलाश में था। टीम के उभरते सितारे डेल ने गोल के कई प्रयास किए, लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर रोमारीओ कुन्हा ने उन्हें बार-बार रोका।

ड्रामाई पेनल्टी शूटआउट - पहले चार-पहले चार पेनल्टी दोनों टीमों ने सफलतापूर्वक बदलीं। पांचवीं पेनल्टी में पुर्तगाल के कुन्हा शॉट बार के ऊपर मार बैठे। ब्राज़ील के पास मैच जीतने का सुनहरा मौका था, लेकिन रुआन पाब्लो का शॉट पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद सातवीं पेनल्टी पर जोसे नेटो ने गोल किया और ब्राज़ील के एंजेलो कैंडिडो के मिस करते ही पुर्तगाल ने इतिहास रचते हुए पहली बार अंडर-17 विश्व कप फाइनल में जगह बना ली।

27 नवंबर को फाइनल - फाइनल मुकाबला 27 नवंबर को दोहा के खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया के बीच खेला जाएगा। इसी दिन तीसरे स्थान के लिए ब्राज़ील और इटली के बीच मुकाबला एस्पायर अकादमी, दोहा में होगा।

न्यूज ब्रीफ

पहली बार विश्व युवा चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय अंडर-19 टेबल टेनिस टीम

नई दिल्ली। रोमानिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस फेडरेशन (आईटीटीएफ) विश्व युवा चैंपियनशिप में भारत के अंडर-19 लड़कों ने इतिहास रच दिया है। टीम ने सोमवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अब भारत का मुकाबला फाइनल में जापान से होगा। टीम में अंकुर भट्टाचार्जी, पी. बी. अभिनंध और प्रियंजुज भट्टाचार्य शामिल हैं। सेमीफाइनल में अंकुर ने शानदार शुरुआत करते हुए हसू हिसएन-चिया को 3-2 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद कुओ गुआन-होंग ने अभिनंध को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया। प्रियंजुज ने लिन चिन-टिंग को 3-2 से मात देकर भारत की बढ़त वापस दिलाई। चीनी ताइपे के कुओ ने अंकुर को 3-0 से हराकर मुकाबले को निर्णायक मैच तक पहुंचा दिया, लेकिन अंतिम मुकाबले में अभिनंध ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हसू को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कर दी। उधर, भारत की अंडर-15 लड़कियों की टीम को सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से 0-3 से हारकर ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

कुंबले ने कहा, गंभीर के लगातार बल्लेबाजी क्रम बदलने से टीम में अस्थिरता आई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने अपनी ही धरती पर टीम के प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। कुंबले ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद से ही टीम में लगातार बदलाव हो रहे हैं, टीम का बल्लेबाजी क्रम भी तय नहीं है। इससे खिलाड़ियों के अंदर डर बैठ सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक प्रयोग टीम के लिए नुकसानदेह साबित होंगे। कुंबले ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस प्रकार टेस्ट क्रिकेट बेकार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि टीम एक साल के अंदर दूसरी बार घरेलू सीरीज हारने की ओर बढ़ रही है जो चिन्ताजनक बात है। ऐसे में गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के टीम चयन पर भी सवाल उठ रहे हैं। कोलकाता टेस्ट में गंभीर ने साई सुदर्शन को बाहर कर ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को तीसरे नंबर पर भेज दिया था। वहीं गुवाहाटी में सुंदर को नंबर 8 पर भेजा गया। कुंबले ने कहा कि सुंदर ने दबाव के बीच ही अच्छी पारी खेली थी। साथ ही कहा कि सुंदर को शीर्ष क्रम में रखा जाना चाहिये। उसमें वह ज्यादा प्रभावी रहेंगे। कुंबले ने कहा, 'पिछले तीन-चार सालों में शीर्ष पांच में से चार बल्लेबाज या तो रिटायर हो गए या टीम में नहीं हैं। इसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और आजिंक्य रहाणे जैसे बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टीम के नये कप्तान शुभमन गिल भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं और उनकी कमी भी हमें खली है।, ' कुंबले ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव खिलाड़ियों के लिए भी अस्थिरता पैदा कर सकता है। 'हां, वे अच्छा करेंगे, खराब दिन भी आएंगे पर छह, सात या आठ टेस्ट मैचों तक उन्हें अवसर देने की जरूरत है पर अगर आप पिछले 10-12 टेस्ट मैचों को देखें, तो शीर्ष क्रम में काफी बदलाव हुए है। इससे खिलाड़ियों में अस्थिरता आई हैं और उनका प्रदर्शन खराब हुआ है।

संशोधितः दुनिया के सबसे उम्रदराज ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने हंगरी के बेनेडेक

बुडापेस्ट। हंगरी के आधुनिक पेंटाथलॉन खिलाड़ी गाबोर बेनेडेक (98) अब दुनिया के सबसे अधिक आयु वाले जीवित ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए हैं। यह जानकारी सोमवार को हंगेरियन समाचार एजेंसी एमटीआई ने दी। यह उपलब्धि तब दर्ज हुई जब पूर्व सोवियत संघ के फुटबॉल खिलाड़ी निकीता सिमोनयान का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सिमोनयान, जो आर्मेनियाई मूल के थे, ने 1956 मेलबर्न ओलंपिक में सोवियत टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 12 अक्टूबर को अपना 99वां जन्मदिन मनाया था। सिमोनयान के निधन के बाद अब बेनेडेक सबसे उम्रदराज़ जीवित ओलंपिक स्वर्ण विजेता हैं। 23 मार्च 1927 को तिसाफ्यूरेड में जन्मे बेनेडेक ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में टीम स्वर्ण और व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत और टीम दोनों श्रेणियों में विश्व चैम्पियनशिप खिताब भी अपने नाम किए। बेनेडेक 1970 से जर्मनी के बॉन शहर के पास रह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हंगरी की पांच बार की ओलंपिक जिम्नास्टिक्स चैंपियन एग्नेस केलेटी, जिनका इस वर्ष 2 जनवरी को 104वें जन्मदिन से ठीक पहले निधन हो गया था।

डब्ल्यूपीएल नीलामी गुरुवार को, 277 खिलाड़ी पर लगेगी बोली लैनिंग, वोलवार्ट, दीप्ति, श्री चरणी को मिल सकती है मोटी रकम

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए गुरुवार को यहां होने वाली नीलामी में कुल 277 खिलाड़ी शामिल होंगी। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा रहेंगी। इसमें ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट और भारत की दीप्ति, शर्मा, क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को टीमें मोटी रकम में टीमें शामिल कर सकती हैं। इस नीलामी में पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों के लिए खिलाड़ियों को रखेंगी। इसमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल रहेंगे। इसमें कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में रखे जा सकते हैं। एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय खिलाड़ियों को इस नीलामी में काफी अच्छी धनराशि मिल सकती है।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज कर दिया था, ऐसे में सभी टीमें उन्हें खरीदने का प्रयास करेंगी। अगर क्रांति और चरणी को भी विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन के कारण काफी रकम मिल सकती है। इसके अलावा हरलीन देओल, रेणुका सिंह और स्नेह राणा पर भी टीमों की नजरें रहेंगी। नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की प्रमुख स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, हमवतन अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीकी कप्तान वोलवार्ट पर भी बोली लगेगी। यूपी वॉरियर्स के पास नीलामी में सबसे अधिक राशि (14.5 करोड़ रुपए) है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे कम राशि (5.70 करोड़) है। ऐसे में यूपी काफी खिलाड़ियों को खरीद सकती है जबकि दिल्ली ज्यादा खिलाड़ी नहीं ले सकती। यूपी ने केवल एक खिलाड़ी को रिटेन किया था जबकि दिल्ली ने काफी ज्यादा खिलाड़ियों को रिटेन किया था।

मेसी के गोल से इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को 4-0 से हराया, एमएलएस कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में प्रवेश किया

सिनसिनाटी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन से इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को 4-0 से हराकर पहली बार एमएलएस कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फुटबॉल फाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही मेसी ने अपने करियर में 1300 गोल का रिकार्ड बनाया है। इसमें क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल उन्होंने दागे हैं। वहीं 404 गोल करने में सहायता की है। इससे मेसी का करियर शीर्ष पर पहुंच गया है। सिनसिनाटी के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक रुख अपनाया। मेसी ने 19वें मिनट में मेसी ने एक मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद तीन गोल करने में टीम की सहायता की। मेसी के एक मूव पर तादेओ अलेंदे ने 57 वें मिनट में एक गोल किया। इसके बाद 62वें और 74वें मिनट में मेसी की सहायता से अलेंदे ने दो और गोल किये। मेसी ने आक्रामक रुख अपनाकर सिनसिनाटी की रक्षापंक्ति को धवस्त कर दिया। वहीं पहले हाफ में सिनसिनाटी की ओर से इवांडर और केविन डेन्की ने कुछ प्रयास किये पर वह गोल दागने में सफल नहीं रहे।। दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने जबरदस्त खेल दिखाया जिससे सिनसिनाटी की टीम को गोल करने का कोई अवसर नहीं मिला।

भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय, 26 नवंबर को हो सकती है औपचारिक घोषणा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय माना जा रहा है। ग्लासगो में 26 नवंबर को होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली में भारत की बोली को औपचारिक मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इस बार यह बहु-खेल आयोजन अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड ने भारतीय बोली की सिफारिश की थी, जिसे मूल्यांकन समिति ने तकनीकी तैयारी, खिलाड़ियों के अनुभव, आधारभूत ढांचे, सुशासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूपता के आधार पर परखा।

2030 संस्करण के लिए भारत का मुकाबला नाइजीरिया के अबुजा शहर से था, लेकिन संगठन ने अफ्रीकी राष्ट्र को 2034 संस्करण के लिए विचार करने का फैसला किया है, ताकि वहां की मेजबानी की तैयारियों को लंबी अवधि में समर्थन और गति दी जा सके।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के मुताबिक असेंबली के दौरान भारत की ओर से अहमदाबाद में होने वाले खेलों की विजन प्रस्तुति दी जाएगी। उसके बाद सदस्य देश मिलकर 2030 के सेंचुरी एडिशन के मेजबान पर अंतिम निर्णय लेंगे। इसके तुरंत बाद एक विशेष प्रसारण के जरिए औपचारिक घोषणा की जाएगी। भारत की ओर से इस बैठक में खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुनल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी.टी. उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी सहित कई प्रतिनिधि मौजूद हैं। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम करीब 6:30 बजे होने की उम्मीद है। हाल के महीनों में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 क्वालिफायर जैसे बड़े आयोजन सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं। अगले वर्ष यहां एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और एशिया पैरा-आर्चरी कप भी आयोजित होंगे।

फीफा और सऊदी एजेंसी ने विकासशील देशों में फुटबॉल ढांचे के लिए 1 अरब डॉलर देने का किया वादा

जिनेवा। फीफा और सऊदी फंड फॉर डेवलपमेंट ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत विकासशील देशों और क्षेत्रों में खेल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फीफा के अनुसार, यह फंड स्टेडियमों के निर्माण, सुधार और आवश्यक आसपास की खेल सुविधाओं के विकास पर खर्च किया जाएगा। फीफा द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'यह कार्यक्रम विकासशील देशों और उनके संबंधित फीफा सदस्य संघों को प्राथमिकता देगा, जिससे वे ऐसी सुविधाओं में निवेश कर सकें जो वृद्धि को प्रोत्साहित करें, अवसर पैदा करें और हर स्तर पर भागीदारी को प्रेरित करें।' फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फ़ैन्टिनो ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'यह समझौता हमारे फीफा सदस्य संघों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में अहम कदम है, ताकि फुटबॉल को सचमुच वैश्विक खेल बनाया जा सके।

सुल्तान अजलान शाह कप 2025: बेल्जियम ने भारत को 3-2 से हराया

अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने भारत के लिए दागे गोल

इपोह (मलेशिया), 25 नवंबर (एजेंसियां)।

बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें बेल्जियम के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच मंगलवार को पुनर्निर्धारित कर खेला गया। भारत की ओर से अभिषेक ने 33वें मिनट में और शिलानंद लाकड़ा ने 57वें मिनट में गोल दागे, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन ड्यूवेकॉट (17', 57') और निकोलस डी केरपेल (45') ने गोल किए।

मैच की शुरुआत भारत ने मजबूत रक्षात्मक अंदाज़ में की और शुरुआती दबाव को प्रभावी रूप से संभाला। गोलकीपर पवन ने पहले क्वार्टर में दो महत्वपूर्ण बचाव करते हुए टीम को बराबरी पर बनाए रखा। बेल्जियम को शुरुआती 10 मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार मुकाबला किया और पहला क्वार्टर बिना गोल के समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन इस दौरान बेल्जियम ने 17वें मिनट में रोमन ड्यूवेकॉट के गोल से बढ़त बना ली। भारत ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की और दिलप्रीत सिंह ने गेंद को गोल में पहुंचाया, मगर उसे खतरनाक खेल करार देकर रद्द कर दिया गया। हाफ टाइम तक बेल्जियम 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत भारत ने तेज तर्रार अंदाज़ में की और 33वें मिनट में अभिषेक ने शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद भारत ने दबाव बनाया, लेकिन 45वें मिनट में बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर से निकोलस डी केरपेल के जरिए बढ़त दोबारा हासिल कर ली।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही रोमन ड्यूवेकॉट ने एक और गोल दागकर बेल्जियम को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने हार नहीं मानी और 57वें मिनट में रबिचंद्र सिंह के बेहतरीन क्रॉस पर शिलानंद लाकड़ा ने गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। मैच खत्म होने से ठीक 90 सेकंड पहले मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए एक और गोल होने से रोका, लेकिन बराबरी का गोल भारत के हाथों से निकल गया।

भारतीय टीम पर क्लीन स्विप का खतरा, दक्षिण अफ्रीका ने दिया 549 रन का विशाल लक्ष्य

गुवाहाटी, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 549 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य खड़ा कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई थी।

दक्षिण अफ्रीका ने ट्रिस्टन स्टब्स की 180 गेंदों में 94 रनों की जुझारू पारी और बाकी बल्लेबाजों के संयमित खेल की बदौलत 5 विकेट 260 रन बनाकर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। इसके बाद भारत ने मुश्किल शुरुआत की और दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 27 रन बनाए।

दिन की शुरुआत 26/0 स्कोर से करने वाली दक्षिण अफ्रीका की ओपनिंग जोड़ी रायन रिकेल्टन और एडेन मार्कराम ने धीरज भरी बल्लेबाजी की और साझेदारी को 50 के पार

पहुंचाया। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर शुरू में विकेट लेने में नाकाम रहे। आखिरकार रविंद्र जडेजा ने रिकेल्टन (35) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। जल्द ही जडेजा ने मार्कराम (29) को भी बोल्ड कर दिया, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने टेंबा बावुमा को सात रन पर पवेलियन भेजा।

तीन विकेट गिरने के बावजूद ट्रिस्टन स्टब्स और टोनी डे जोरजी ने पारी को संभाला। चाय तक दक्षिण अफ्रीका 107/3 तक पहुंच गया था। चाय के बाद दोनों बल्लेबाजों ने सधी हुई साझेदारी की और स्कोर को लगातार आगे बढ़ाया। जोरजी 49 रन पर जडेजा का शिकार बने और इसी के साथ उनकी 100 रन की साझेदारी समाप्त हुई। दूसरी ओर स्टब्स ने बेहद संयम दिखाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और बाद में 90 के पार भी पहुंचे।

तीसरे सत्र की शुरुआत में स्टब्स ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन जडेजा की गेंद पर 94 रन पर बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका ने पारी घोषित कर दी। यह भारत के सामने घरेलू टेस्ट में दूसरी बार 500 से ज्यादा का लक्ष्य है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही। मार्को यान्सन ने यशस्वी जायसवाल को लगातार शॉर्ट बॉल से परेशान किया और आखिरकार वे 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान केएल राहुल भी सिर्फ 3 रन बनाकर साइमन हार्मर की गेंद पर बोल्ड हो गए। दिन के अंत में साई सुदर्शन और कुलदीप यादव क्रीज पर टिके रहे, लेकिन भारत 521 रन पीछे है और सीरीज में 0-2 की हार के खतरे से घिरा हुआ है।

संक्षिप्त स्कोरः

दक्षिण अफ्रीकाः 489 एवं 260/5 घोषित (ट्रिस्टन स्टब्स 94, टोनी डे जोरजी 49; रविंद्र जडेजा 4/62)

भारतः 201 एवं 27/2 (यशस्वी जायसवाल 13; साइमन हार्मर 1/1, मार्को यान्सन 1/14)

दक्षिण अफ्रीका 521 रन से आगे।

एआई लॉन्चिंग से लैरी बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। **अमेरिकी शेयर बाजार में हाल की उथल-पुथल के बीच गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने नया एआई मॉडल जेमिनी 3 लॉन्च होते ही ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।**

पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई

लॉन्च के बाद अल्फाबेट के शेयरों में 3 फीसदी की तेजी आई, जिससे पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और उनकी संपत्ति 257 अरब डॉलर तक पहुंच गई। लैरी पेज के पार्टनर सर्जेई ब्रिन की नेटवर्थ में 6.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, और उनकी कुल संपत्ति 240 अरब डॉलर हो गई। दोनों संस्थापकों ने 1998 में गूगल की शुरुआत एक छोटे गैराज से की थी और आज एआई के दम पर कंपनी फिर से तेजी पकड़ रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि जेमिनी 3 स्टेट-ऑफ-द-आर्ट एआई मॉडल है, जो गूगल के प्रोडक्ट्स में बड़ा बदलाव ला सकता है। इस लॉन्च ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और अगले महीनों में और शेयर मूवमेंट की उम्मीद है। दुनिया के अरबपतियों की टाप-10 सूची में पहले नंबर पर एलन मस्क, दूसरे पर लैरी पेज, तीसरे नंबर पर लैरी एलिसन, चौथे जेफ बेजोस, पांचवे सर्जेई ब्रिन, छठवे मार्क जुकरबर्ग, सातवे बर्नार्ड अर्नाल्ट, आठवे स्टीव बाल्मर, नौसे जेन्सन हुआंग और 100वे नंबर पर वॉरेन बफेट का नाम शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की आखिरी तारीख है 30 नवंबर : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के योग्य एनपीएस कर्मचारियों और पहले रिटायर हो चुके लोगों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर तय की गई थी, लेकिन दो महीने की अतिरिक्त राहत दी गई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब जो कर्मचारी पुरानी एनपीएस को छोड़कर यूपीएस में आना चाहते हैं, उनके पास सिर्फ एक हफ्ता बचा ही है। अगर 30 नवंबर तक ऑप्शन नहीं चुना तो आप एनपीएस में ही रहेंगे। नोडल ऑफिस सभी रिक्वेस्ट को तय प्रोसेस के हिसाब से प्रोसेस करेंगे। यूपीएस के तहत मुख्य फायदों में स्विच ऑप्शन, टैक्स छूट, इस्तीफा और कम्पलसरी रिटायरमेंट बेनिफिट्स और भी बहुत कुछ शामिल हैं। एनपीएस के तहत सेंट्रल गवर्नमेंट के सभी एलिजिबल एम्प्लॉई और पहले रिटायर हो चुके लोगों से कहा गया है कि वे इन बेनिफिट्स का फायदा उठाने के लिए अपनी यूपीएस रिक्वेस्ट समय पर जमा करें। उल्लेखनीय है कि यूपीएस चुनने के बाद कर्मचारियों को बाद में एनपीएस पर वापस जाने की सुविधा मिलती है, अगर वे चाहें तो इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। वित मंत्रालय ने इस साल जनवरी में एक अधिसूचना संख्या डेट 24 जनवरी, 2025 के जरिए योग्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यूपीएस को अधिसूचित किया था।

छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया, सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा धीमा रहा

मुंबई। सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा केवल 1.2 फीसदी बढ़ा,

जो पिछले तीन साल में सबसे कमजोर वृद्धि है। बिक्री में भी वृद्धि धीमी रही, केवल 6.4 फीसदी, जो पिछले 17 तिमाहियों में सबसे कम है। नतीजतन, निफटी-50 का कुल मुनाफे में हिस्सा घटकर 50 फीसदी रह गया, जो पिछले पांच साल में न्यूनतम है। इस तिमाही में इन कंपनियों ने मिलकर 1.81 ट्रिलियन का मुनाफा कमाया। वहीं देश की बाकी लिस्टेड कंपनियों का कुल मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा। मिडकैप-150 कंपनियों का मुनाफा 27 फीसदी और स्मॉलकैप-250 का 37 फीसदी बढ़ा। इस तरह छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 2,647 कंपनियों का मुनाफा 3.62 ट्रिलियन तक पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, इस तिमाही में अधिक कमाई ऊर्जा, धातु, सीमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, मटेरियल और ऑटो जैसे चक्रीय सेक्टर्स से हुई। निफटी-50 में इन सेक्टरों की कंपनियां कम हैं। इसके बजाय, बड़ी कंपनियों में बैंक, आईटी, एफएमसीजी और तेल-गैस जैसी सेक्टर अधिक हैं, जिनकी वृद्धि इस तिमाही में धीमी रही ।

बजाज ऑटो ने ई-रिक्शा 'रिकी' के साथ किया बड़े पैमाने पर विस्तार, पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंची

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड ने इस साल अपने नए इलेक्ट्रिक रिक्शा 'रिकी' के साथ ई-रिक्शा खंड में कदम रखा है। कंपनी ने शुरू में चार शहरों में पायलट परीक्षण किया था। अब पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंच चुकी है, जिनमें पटना, मुरादाबाद, गुवाहाटी और रायपुर शामिल हैं। कंपनी अगले साल जनवरी से मार्च तक 'रिकी' को 200 शहरों और कस्बों तक ले जाने की योजना बना रही है। बजाज ऑटो के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार शुरुआती चरण में ग्राहक प्रतिक्रिया देखी जाएगी। इसके आधार पर मात्रा और उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पहले चरण में बजाज ऑटो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के कई शहरों और कस्बों को लक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले तीन-चार महीनों में कंपनी केवल शुरुआत कर रही है, उसके बाद विस्तार की गति तेज होगी। 'रिकी' की कीमत 1.9 लाख रुपये है। कंपनी का कहना है कि यह पारंपरिक लेड-एसिड बैटरी वाले ई-रिक्शा की तुलना में अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है।

जन-विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण से छोटे कारोबारियों को होगा फायदा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिए छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने और मजदूरों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही लगभग 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है। गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करके मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। उन्होंने व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरु तेग बहादुर के बलिदान को याद किया, जिनकी विरासत को लगभग 350 साल बाद याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके बताए आदर्शों पर चलने से देश को गर्व और सम्मान मिलेगा और देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि जिस विज़न के साथ गुरु तेग बहादुर ने देश को एकजुट किया, उसे याद रखना भारत की तरक्की को रास्ता दिखाता रहेगा। श्रम संहिता लागू करने पर उन्होंने कहा कि इसमें श्रमिकों के अनुकूल उपाय हैं, जैसे सभी के लिए समय पर न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा को शामिल किया गया है। इनमें विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों के लिए काम करने वाले अस्थायी कर्मी (गिग वर्कर) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि श्रम संहिता से कारोबार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने व्यापारियों को स्वदेशी प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। गोयल ने कहा कि सप्लायर्स को प्रोडक्ट पैकेजिंग पर मैन्युफैक्चरिंग की जगह साफ-साफ लिखनी चाहिए और सुझाव दिया कि दुकानें यह दिखा सकती हैं कि वे स्वदेशी सामान बेचते हैं। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' प्रोडक्ट्स की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक को अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया, जिसे एक प्रवर समिति को भेजा गया था।

एसबीआई वेंचर्स जुटाएगा 2,000 करोड़ का जलवायु कोष, हरित वृद्धि में निवेश को बढ़ावा देने की योजना

नई दिल्ली। एसबीआई वेंचर्स के एक अधिकारी ने आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण में बताया कि उनका उद्देश्य हरित वृद्धि को बढ़ावा देना है, जो एक नया वित्तीय अवसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए घरेलू और वैश्विक निवेशकों से संपर्क किया जाएगा और अगले साल की शुरुआत में रोड शो आयोजित किया जाएगा। एसबीआई वेंचर्स, जो एसबीआई का वैकल्पिक संपत्ति प्रबंधक है, अपने तीसरे जलवायु-केंद्रित कोष के लिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। प्रभाकर ने कहा कि उनका लक्ष्य अगले कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में कोष तैयार करना है। यह कोष प्रारंभिक और विकास-चरण वाले जलवायु स्टार्टअप में निवेश करेगा, विशेषकर अग्रणी जलवायु प्रौद्योगिकियों और एआई-सक्षम जलवायु नवोन्मेषण पर। प्रभाकर ने बताया कि भारत के जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 170 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है, जो वर्तमान प्रवाह से तीन गुना अधिक है।

सोने की कीमतें फिर 1.25 लाख के पार, चांदी भी लगभग 1,56,607 रुपए

नयी दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

सोने में 1,046 रुपए की तेजी, चांदी में 2,125 रुपए की बढ़त

इस सप्ताह के दूसरे दिन सोना और चांदी के वायदा कारोबार में एक बार फिर तेजी लौट आई है। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों की कीमतों ने मजबूत शुरुआत की, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कॉमेक्स पर सोना और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी और वैश्विक संकेतों के चलते कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिली। घरेलू बाजार में सोने के दिसंबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत मंगलवार को 935 रुपये की उछाल के साथ 1,24,789 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,23,854 रुपये था।

इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 1,24,900 रुपये पर पहुंच गया, यानी इसमें कुल 1,046 रुपये की तेजी देखी गई। दिन के दौरान सोना 1,25,234 रुपये का उच्च और 1,23,854 रुपये का निचला स्तर छू चुका है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 1,31,699 रुपये दर्ज किया गया था। चांदी भी मजबूती के साथ खुली। एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा कॉन्ट्रेक्ट 1,57,162 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद 1,54,482 रुपये की तुलना में 2,680 रुपये अधिक था। बाजार खुलने के बाद इसमें मामूली नरमी आई और यह 1,56,607 रुपये के आसपास कारोबार करता दिखा, हालांकि इसमें अभी भी 2,125 रुपये की बढ़त बनी हुई है। चांदी ने 1,57,413 रुपये का उच्च और 1,56,301 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस वर्ष इसका सर्वोच्च स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख कायम है। कॉमेक्स पर सोना 4,133.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और इस समय यह 4,142.50 डॉलर पर पहुंच गया। वहीं चांदी 51.16 डॉलर पर खुली और 51.35 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। दोनों धातुओं के भाव इस समय अपने वार्षिक उच्च स्तरों के करीब बने हुए हैं, जिससे बाजार में सकारात्मक सेंटीमेंट मजबूत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जयश्रीराम के...

का भी आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर औपचारिक रूप से धर्म ध्वज फहराया और कहा कि भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके ही रहेंगे। इस दौरान उन्होंने राम के अस्तित्व को नकारने वालों को भी निशाने पर लिया।श्री मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे। ऐतिहासिक ध्वज-ारोहण से ठीक पहले शेषावतार मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं संपूर्ण विश्व के करोड़ों राम भक्तों को इस अविस्मरणीय क्षण की इस अद्वितीय अवसर की शुभकामनाएं देता हूं।श्री मोदी ने कहा, मैं आज उन सभी भक्तों को भी प्रणाम करता हूं हर उस दानवीर को भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपना सहयोग दिया। मैं राम मंदिर निर्माण से जुड़े हर श्रमवीर, हर कारीगर, हर योजनाकार, हर वास्तुकार का अभिनंदन करता हूं।उन्होंने कहा कि आने वाली सदियां और सहस्र शताब्दियों तक ये धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, ये धर्म ध्वज आह्वान करेगा कि सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं। ये धर्म ध्वज उद्घोष करेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है। सत्य में ही धर्म स्थापित है। ये धर्म धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए यानी जो कहा वही किया जाए।श्री मोदी ने कहा, आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत और विश्व राममय है । हर राम भक्त के हृदय में अपार अलौकिक आनंद है. सदियों के घाव भर रहे हैं। आज सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें जनता के सुखों को सर्वोपरि रखकर आगे बढ़ना है। पांच सौ वर्षों का सपना साकार हुआ है। आने वाले 1000 वर्षों की नीव को मजबूत करना है। श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनने के लिए राम के आदर्शों को जीना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम अपनी जड़ों से कट जाते हैं तो सारा वैभव समाप्त हो जाता है।गौरतलब है कि 10 फुट ऊंचे और 20 फुट लंबे समकोण वाले तिकोने ध्वज पर एक चमकते सूरज की तस्वीर है, जो भगवान श्री राम की चमक और वीरता का प्रतीक है, और इस पर कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ मॐफ लिखा है। श्री मोदी ने अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 55 मिनट पर ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री ने जो धर्म ध्वज फहराया वो राम मंदिर के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है।जैसा सपना देखा था, उससे भी भव्य और दिव्य राम मंदिर बना हैफ्र मोहन भागवतअयोध्या, 25 नवंबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ श्रीराम मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण के लिए पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 500 सालों का सपना साकार हुआ है। हमने जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ।आरएसएस प्रमुख ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा किया और कहा, आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। इतने लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए उनको शांति मिली होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। आज करोड़ों लोगों की आस्था साकार हुई। श्री भागवत ने कहा कि लोगों को लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। आज धर्मध्वज को नीचे से ऊपर शिखर पर विराजमान होते हुए देखा है। मंदिर के रूप में हमने कुछ तत्वों को ऊपर पहुंचाया है। इससे सबका जीवन अच्छा चलेगा। यह धर्म ध्वज है। इसपर रघुकुल का प्रतीक चिह्न भी है। यह रघुकुल की छाया का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ हों धर्म ध्वजा को हमेशा ऊपर रखना है। बिना थके सूर्य भगवान प्रतिदिन दर्शन करते हैं। कार्य की सिद्धि के लिए गतिमान होना ज़रूरी है। हमको सामर्थ्यवान भारत खड़ा करना है। यह धर्म और ज्ञान पूरी दुनिया में बाटने का काम शुरू हो गया है।आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस देश में जन्म लेने वाले लोगों ने धर्म के रास्ते पर चलने की सीख दी है। सबके लिए समान सुख देने वाला भारत खड़ा करना है। जैसा सपना देखा था बिल्कुल वैसा ही या उससे भव्य मंदिर बन गया है इसके लिए सबको शुभकामनाए देता हूँ।

ध्वजारोहण यज्ञ...

मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है। यहां हर दिन पर्व है, हर दान प्रताप है और हर दिशा में रामराज्य की पुनर्स्थापना की दिव्य अनुभूति हो रही है।उन्होंने कहा कि रामलला की पावन नगरी आस्था एवं आधुनिकता, आस्था एवं अर्थव्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। यहां बेहतर कनेक्टिविटी है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, पंचकोसी और 14 कोसी के साथ 84 कोसी की परिक्रमा श्रद्धालुओं व भक्तों को नया मार्ग व आस्था को नया सम्मान प्रदान कर रही है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रही है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम में आस्था, आधुनिकता, आस्था और अर्थव्यवस्था का नया केंद्र दिख रहा है। देश की पहली सोलर सिटी-सस्टेनबल स्मार्ट रूप में नई अयोध्या का दर्शन हो रहा है। आज का दिन हर भारतवासी, सनातन धर्मावलंबी के लिए आत्मगौरव-राष्ट्रगौरव का दिन है।

ममता बनर्जी का...

उन्होंने दावा किया कि डखठ की वजह से अब तक बंगाल में 35 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा ममता ने भाजपा पर डुप्लीकेट वोटर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।रैली के बाद ममता ने मतुआ के गढ़ ठाकुरनगर में तीन किलोमीटर लंबे पैदल मार्च का नेतृत्व किया। इससे पहले, उन्होंने इस माह की शुरुआत में चार नवंबर को राज्य में डखठ की प्रक्रिया शुरू होने के दिन कोलकाता में तृणमूल द्वारा आयोजित तीन किलोमीटर लंबे पैदल मार्च का नेतृत्व किया था।

भारत ने 6-8...

24 और 25 सितंबर को भी भारत ने बंगाल की खाड़ी में मिसाइल परीक्षण किया था। यह परीक्षण अब्दुल कलाम आइलैंड से हुआ था। इसे लेकर भी नोटम जारी किया था।बता दें कि, पिछले कुछ सालों में डीआरडीओ ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के विकास में जबरदस्त प्रगति की है। इससे भारत की क्षेत्रीय ताकत और सैन्य क्षमता मजबूत हुई है। मिसाइल परीक्षण क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत की रणनीतिक ताकत को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी हैं।हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए दुश्मन देश को घुटनों पर ला दिया था। भारतीय मिसाइलों ने दुश्मन के ठिकानों को पर सटीक निशाने लगाकर उन्हें तबाह कर दिया था। आधुनिक युद्ध में मिसाइलें निर्णायक भूमिका निभा रही हैं ऐसे में भारत के परीक्षण ना केवल आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को नई दिशा देगा, बल्कि देश की रणनीतिक तैयारी को भी मजबूती प्रदान करेगा।

चुनावी नतीजे ...

पिछले हफ्ते सुनवाई में कोर्ट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों ने आदेश का गलत मतलब निकाला कि रिजर्वेशन 50% से अधिक हो सकता है। बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि रिजर्वेशन नियत सीमा के अंदर होना चाहिए।

आईसीसी टी20...

जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश, इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। भारत दो बार टी20 विश्व कप का विजेता रहा है। टीम इंडिया ने 2007 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में पाकिस्तान को हराया था, जबकि 2024 में टीम ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी दो बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की है। अब तक कुल छह टीमें इस टूर्नामेंट की विजेता रही हैं। 2007 में भारत, 2009 में पाकिस्तान, 2010 में इंग्लैंड, 2012 में वेस्टइंडीज, 2014 में श्रीलंका, 2016 में वेस्टइंडीज, 2021 में ऑस्ट्रेलिया, 2022 में इंग्लैंड और 2024 में भारत इस टूर्नामेंट का विजेता बना था। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में शामिल हैं। भारत के अलावा ग्रुप ए में पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीम है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, सह-मेजबान श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान हैं। ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली मौजूद हैं। वहीं, ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीम है।भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ सात फरवरी को करेगा। यह मुकाबला मुंबई में खेला जाएगा।

इसके बाद भारत और नामीबिया के बीच मैच नई दिल्ली में 12 फरवरी को खेला जाएगा। फिर भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को टूर्नामेंट का महामुकाबला कोलंबो को आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा। दरअसल, आईसीसी, बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे। यही कारण है कि दोनों टीमों के बीच मैच के मेजबानी कोलंबो करेगा। भारत ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच अहमदाबाद में 18 फरवरी को खे-लेगा।आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के बीच कोलंबो के एसएससी में होने वाले मैच से होगी। ग्रुप चरण का अंतिम मैच छोड़कर बाकी हर दिन तीन-तीन मुकाबले खेले जाएंगे। ग्रुप चरण का आखिरी मैच 20 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच कैंडी में होगी। इसके बाद 21 फरवरी से सुपर आठ चरण की शुरुआत होगी जिसका अंतिम मैच एक मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल मैच चार मार्च को कोलकाता या कोलंबो में खेला जाएगा। दरअसल, बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच समझौते के तहत पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा। अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल मैच पहुंचता है तो पहला सेमीफाइनल कोलंबो में खेला जाएगा। अगर पाकिस्तान की टीम अंतिम चार के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाती है तो यह मैच कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में होगा। ऐसा ही नियम फाइनल में लागू होगा। अगर पाकिस्तान फाइनल में पहुंची तो खिताबी मुकाबला कोलंबो में होगा। पाकिस्तान के नहीं पहुंचने पर फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने बताया कि रोहित शर्मा भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के ब्रांड दूत बनाए गए हैं। जय शाह ने कहा कि 2024 टी20 विश्व कप के विजेता कप्तान और अब तक सभी नौ संस्करणों में खेलने वाले खिलाड़ी से बेहतर इस आयोजन का कोई प्रतिनिधि नहीं हो सकता।

मीन राशि में 28 को मार्गी होंगे शनिदेव

ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है। कहा जाता है कि यदि जातक अच्छे कर्म करता है, तो शनिदेव शुभ फल देते हैं। वहीं बुरे कर्म करने पर दंड भी देते हैं। शनिदेव फिलहाल मीन राशि में है और 28 नवंबर को मार्गी होंगे। शनि देव 13 जुलाई 2025 को मीन राशि में वक्री हुए थे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार शनि 28 नवंबर की सुबह 9:20 मिनट पर मीन राशि में मार्गी होंगे। शनि वर्तमान में मीन राशि में वक्री है और इसी राशि में मार्गी होंगे। वे गत 13 जुलाई 2025 से इसी राशि में रहते हुए वक्री चल रहे थे। जो 138 दिन बाद अपनी चाल बदल रहे हैं और अब सीधी चाल चलने लग गए हैं। देश-दुनिया पर भी शनि के मार्गी होने का विशेष प्रभाव पड़ेगा। शनि के चाल बदलने या फिर राशि परिवर्तन को ज्योतिष शास्त्र में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। शनि मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह करीब ढाई वर्ष में एक राशि से दूसरी राशि में अपना स्थान परिवर्तन करते हैं। शनि के राशि परिवर्तन से जातकों के जीवन में उथल-पुथल शुरू होती है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शनि के सीधी चाल में आने से अधिकांश राशियों के लोगों के रुके हुए काम पूरे होने की प्रबल संभावना रहेगी। शनिदेव एक राशि में ढाई साल रहते हैं। वर्तमान में मेष पर प्रथम, मीन पर द्वितीय और कुम्भ राशि पर शनि की तीसरे चरण की साढ़ेसाती चल रही है, शनि के मार्गी होने से इन तीनों राशियों में सुधार होगा। वहीं, वर्तमान में सिंह और धनु राशि पर शनि की ढ़ैया चल रही है, इनको भी मार्गी शनि से राहत मिलेगी। साथ ही वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और कुम्भ राशि के जातकों के लिए अच्छा समय शुरू होगा। इनके जीवन में रूकावटे, आर्थिक संकट और संघर्ष कम होंगे।

शास्त्रों में शनि को कर्मफल दाता अर्थात न्याय का देवता कहा जाता है, जो हमारे कर्मों का सख्त हिसाब लेते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार करीब 138 दिनों से वक्री चल रहे न्याय, कर्म और परिणाम के देवता शनि मार्गी होंगे यानि अपनी सीधी चाल चलेंगे। जब शनि मार्गी होते हैं तो रुके कार्य आगे बढ़ने लगते हैं। मार्गी शनि एक बार फिर से अपनी पूरी शक्ति से सक्रिय होता है। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं सुलझने लगती है। 13 जुलाई 2025 से वक्री चल रहे शनि के कारण कई राशि के जातकों के जीवन में रुकावटे, आर्थिक संकट बने हुए थे। जो 28 नवम्बर के बाद कम या समाप्त होने लगेंगे। 28 नवंबर 2025 से 26 जुलाई 2026 तक शनि मार्गी रहेगा। कई राशियों की रुकी किस्मत दुबारा चल पड़ेगी।

शनिदेव अपनी साढ़ेसाती, ढैय्या और अपनी महादशा व अंर्तदशा में व्यक्ति को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। शनि देव व्यक्ति के कर्मों के आधार पर फल प्रदान करने वाले देवता के रूप में जाने जाते हैं। शनिदेव तुला राशि में उच्च के और मेष राशि में नीच के ग्रह माने जाते हैं। बुध और शुक्र ग्रह के साथ इनकी मित्रता है जबकि सूर्य, चंद्रमा और मंगल ग्रह इनके शत्रु माने जाते हैं। शनिदेव पुष्य, अनुराधा और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के स्वामी हैं। शनि एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने के लिए लगभग ढाई वर्षों का समय लगाते हैं।

असर

भवन निर्माण, कृषि कार्य, इंजीनियर ,इलेक्ट्रॉनिक, क्रेशर ,मार्बल, लकड़ी ,गैस ठेकेदारी, बिल्डिंग मटेरियल से जुड़े कर्म क्षेत्रों से जुड़े लोगों को शुभ लाभ होने वाला रहेगा। इसके साथ ही जिन जातकों को नई नौकरी की तलाश थी। उनको नई नौकरी की मिलने की संभावनाएं बनेंगी। साथ ही धर्म क्षेत्र का अस्तित्व पूरे विश्व में बढ़ेगा। बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। पेट से ,हृदय से, तथा कैंसर से जूझ रहे जातकों को राहत मिलनी शुरू हो जाएगी। दुर्घटनाएं अप्रिय घटनाएं हिंसा, प्राकृतिक आपदा होने की आशंका। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में

सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

उपाय

शिव उपासना और हनुमत उपासना करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें। शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें। गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं। पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें। तेल का दान भी करना चाहिए। तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है। शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए। इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं। लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है। रुद्राक्ष की माला लेकर एक सौ आठ बार ॐ शं शनैश्चराय नमः का जप करें, शनिदेव की कृपा बनेगी और कष्ट दूर होंगे। काले कुत्ते को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

इन गलतियों को करने से बचें

किसी असहाय को बेवजह परेशान नहीं करें। मांस, मदिरा का सेवन बिल्कुल नही करें। कमजोर व्यक्तियों का अपमान न करें। अनैतिक कार्यों से दूर रहें।

शनि के मार्गी होने पर आपकी राशि पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि –आत्मविश्वास बनाए रखें और आलस्य से दूर रहकर मेहनत जारी रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन खर्चों में संयम जरूरी है। स्वास्थ्य के लिहाज से संतुलित आहार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और प्रेम संबंधों में सामंजस्य और समझ बढ़ेगी।

वृषभ राशि–कारोबारी यात्राएं और नए अनुबंध लाभकारी साबित होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन निवेश और खर्चों में सावधानी बरतनी चाहिए। स्वास्थ्य और मानसिक शांति में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन में सहयोग और संतुलन बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में समझ और स्थिरता आएगी।

मिथुन राशि–हालांकि, आर्थिक फैसलों में सतर्कता जरूरी है। स्वास्थ्य के लिहाज से छोटी बीमारियों और थकान से बचें। पारिवारिक जीवन में सहयोग बढ़ेगा और मित्रों के साथ संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में संतुलन बनाए रखना लाभकारी रहेगा।

कर्क राशि–आर्थिक स्थिति में स्थिरता रहेगी और निवेश में सोच-समझकर कदम उठाने की सलाह है। स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन पर ध्यान दें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और प्रेम संबंधों में सहयोग और समझ बढ़ेगी।

सिंह राशि–मेहनत का फल मिलेगा और नियमित दिनचर्या अपनाने से ऊर्जा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन बड़े निवेश में सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम और मित्रता में समझ और विश्वास बढ़ेगा। विवादों से दूर रहें और संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं।

कन्या राशि–आर्थिक स्थिति में संयम और विवेकपूर्वक खर्च आवश्यक है। स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम और संतुलित खानपान लाभदायक रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और प्रेम संबंधों में संतुलन और सहयोग बढ़ेगा।

तुला राशि –संपत्ति और घर से जुड़े कार्यों में गति आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और विवेकपूर्ण खर्च लाभकारी रहेगा। स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार जरूरी है। प्रेम और मित्रता में संवाद और समझ से रिश्ते मजबूत होंगे। घर में बुजुर्गों का सम्मान बढ़ेगा और वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा।

वृश्चिक राशि –आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य संतुलित रहेगा यदि समय पर आराम और ध्यान दिया जाए। पारिवारिक जीवन में सहयोग और तालमेल बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में स्पष्टता बनाए रखें और गलतफहमियों से बचें।

धनु राशि –पारिवारिक संपत्ति या निवेश से भी लाभ संभव है। स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम और मानसिक शांति आवश्यक है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और घर के सदस्यों के साथ तालमेल बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में स्थिरता और समझ आएगी। खर्चों में विवेक बनाए रखें और अनावश्यक जोखिम से बचें।

मकर राशि–आत्मविश्वास बढ़ेगा, अधूरे कार्य पूरे होंगे और जीवन में स्थिरता और स्पष्ट दिशा मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। स्वास्थ्य संतुलित रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और प्रेम संबंधों में सहयोग और समझ बढ़ेगी। यह समय बड़े निर्णय लेने और नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए अनुकूल है।

कुंभ राशि–आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य के लिए ध्यान और योग लाभकारी रहेंगे। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में तालमेल बढ़ेगा। प्रेम और मित्रता में समझ बनाए रखें और नकारात्मकता से दूरी बनाएं। पुराने असमंजस और मानसिक उलझनें अब हल होंगी।

मीन राशि–आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य संतुलित रहेगा। परिवार और मित्रों के साथ संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में अहंकार से बचकर सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। सामाजिक संपर्क और कामकाजी परियोजनाओं में सहभागिता से लाभ होगा।

सूर्य-मंगल-शुक्र बना रहे त्रिग्रही योग निम्न राशियों को होगा लाभ

आज यानी 26 नवंबर, बुधवार को शुक्र के वृश्चिक राशि में गोचर से त्रिग्रह योग बन रहा है। ग्रहों के राजा सूर्य और सेनापति मंगल पहले से ही वृश्चिक राशि में है। ऐसे में तीनों ग्रहों के संयोग से यह दुर्लभ संयोग बन रहा है। यह योग व्यक्ति को करियर और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता दिलाता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, नवंबर के अंतिम सप्ताह में बन रहा ये योग मेष और मिथुन समेत कई राशियों के जातकों के लिए बेहद ही शुभ और अनुकूल रहने वाला है।

मेष –आज मेष राशि के जातकों को जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल-पाप ग्रहों की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। रात्रि का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा।

वृष –आज का दिन संतोष और शांति से रहने वाला है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन –राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क –चन्द्रमा षष्ठम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। इस दौरान यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

सिंह –आपकी राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। इससे आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या – राशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा है। ऐसे में रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला –आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।

वृश्चिक –आपकी राशि से मार्गी शनि एवं पंचम चन्द्र योग अभी सात दिन और चलेगा। इसके फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार आपको परेशान कर सकते हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत होगा। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

धनु –आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करते नजर आएंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ से आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात तक आपको सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर –आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में आपको सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास सफल होंगे। कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी आपको मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ –आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि मार्गी उदय चल रहा है। ऐसे में बेवजह के विवाद खड़े होंगे और अनावश्यक शत्रु भी बन सकते हैं। इस दौरान कोई विपरीत समाचार सुनकर आपको अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और विवाद से बचें।

मीन –आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें। इससे सम्बन्ध खराब होने का खतरा दिख रहा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। ऐसे में यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का पंचम योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

1 दिसंबर को मनाई जाएगी मोक्षदा एकादशी

मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने वाले के साथ साथ उनके पितरों को भी मोक्ष मिलता है। ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। साल भर में आने वाली सभी एकादशी का अलग-अलग महत्व बताया गया है। ऐसी ही मोक्षदा एकादशी का व्रत करने वालों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं मोक्षदा एकादशी का व्रत इस बार कब किया जाएगा। साथ ही जानें महत्व और पूजा विधि।

मोक्षदा एकादशी तिथि का आरंभ रविवार 30 नवंबर को रात 9 बजकर 30 मिनट पर होगा और 1 दिसंबर को शाम 7 बजकर 2 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। ऐसे में उदय तिथि के अनुसार, मोक्षदा एकादशी तिथि का 1 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। बता दें कि इसी दिन रात में 11 बजकर 18 मिनट पर पंचक भी समाप्त होगा।

मोक्षदा एकादशी व्रत का महत्व

ऐसी मान्यता है कि मोक्षदा एकादशी व्रत को करने वालों को इस जीवन में सुख समृद्धि और जीवन में आ रही सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। साथ ही पितरों की शांति होती है और ग्रह दोषों से राहत मिलती है। मोक्षदा एकादशी का व्रत बेहद ही कल्यकारी माना गया है। इस व्रत को करने से पितरों को भी मोक्ष मिलता है।

मोक्षदा एकादशी पूजा विधि

* मोक्षदा एकादशी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान करें।
* इसके बाद साफ और हल्के रंग के वस्त्र पहनें और उगते सूर्यों को अर्घ्य देकर व्रत का संकल्प लें।
* इसके बाद पूजा स्थल पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें।
* भगवान विष्णु को पीले फूल, पंचामृत, फल, केले, पीली मिठाई और तुलसी दल का भोग लगाएं।
* इसके बाद ओम नमो भगवते वासुदेवाय नम:मंत्र का जप करें और फिर मोक्षदा एकादशी व्रत कथा का पाठ करें।
* इसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आरती करें। अंत में सभी को प्रसाद वितरित करें और शाम के समय व्रत का पारण करें।

ऐसी जीभ वालों को मिलता है जीवन में हर सुख, धन और ज्ञान

हस्तरेखा शास्त्र में जिस प्रकार किसी व्यक्ति के हाथों की रेखा और पर्वत देखकर उसके जीवन, स्वभाव और भविष्य के बारे में जाना जाता है। उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान में जातक के शरीर के अलग-अलग अंगों की बनावट को देखकर उसके जीवन व व्यक्तित्व के बारे में जाना जाता है। हर किसी की जीभ का रंग, बनावट और आकार अलग-अलग होता है। हस्तरेखा विज्ञान में इन्हीं के अनुसार जीवन के बारे में बहुत कुछ पता लगाया जाता है।

भाग्यवान और बहुत सुखी होते हैं ऐसी जीभ वाले लोग

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लोगों की जीभ नाक पर जाकर स्पर्श होती हो। ऐसे लोगों को बहुत भाग्यवान माना जाता है। ऐसी जीभ वाले लोगों को हमेशा भाग्य का साथ मिलता है और ये जीवन में कोई बड़ी सफलता भी हासिल करते हैं। माना जाता है कि ऐसी जीभ वाले लोग बहुत सुखी होते हैं और अपने जीवन में हर सुख के साधन भी प्राप्त कर लेते हैं।

ज्ञानी, बुद्धिमान और चतुर होते हैं ऐसी जीभ वाले लोग

जिस व्यक्ति की जीभ लाल पतली और एकदम नरम हो, वे बहुत ज्ञानी होते हैं। इनका पढ़ाई-लिखाई में खूब मन लगता है और हर जगह से न्याय ज्ञान प्राप्त करना भी इन्हें बेहद पसंद आता है। वहीं, अपनी बुद्धिमानी और चतुराई से इन्हें अपने कार्यक्षेत्र में भी सफलता प्राप्त होती है। साथ ही, मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति से भी ये बहुत समझदारी से बाहर निकल जाते हैं। लाल और पतली जीभ वाले लोग बेहद धार्मिक भी होते हैं और भगवान के सच्चे भक्त बन सकते हैं।

सौभाग्यशाली होती हैं ऐसी जीभ वाली लड़कियां

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लड़कियों की जीभ कोमल, लाल और पतली होती है वे बहुत ही सौभाग्यशाली होती हैं। साथ ही, इन्हें जीवन में हर सुख प्राप्त होता है। विवाह से पहले और उसके बाद का जीवन भी इनका हमेशा खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है। करियर में भी ये अपनी मेहनत और भाग्य से अच्छा मुकाम हासिल करते हैं और सुखी जीवन व्यतीत करती हैं।

ऐसी लड़कियों को मिलता है श्रेष्ठ जीवनसाथी

कहा गया जाता है कि जिन लड़कियों की जीभ लाल रंग की होती है उन्हें श्रेष्ठ जीवनसाथी मिलता है और विवाह के पश्चात इनका जीवन बेहद खुशहाल रहता है। इन लड़कियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती है और धन का मामले में भी इन्हें किसी कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। वहीं, जिन लड़कियों की जीभ मोटी होती है उन्हें अपने जीवन में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, इन्हें समय से पहले किसी मुसीबत से भी गुजरना पड़ सकता है।

ऐसी जीभ वालों को पूर्ण सुख-वैभव होता है प्राप्त

जिन लोगों की जीभ के आगे का भाग नुकीला होता है और थोड़ी लंबाई लिए रखता है, तो इसे बहुत भाग्यशाली माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे लोगों को जीवन में बहुत कम दुखों का सामना करना पड़ता है। साथ ही, इन्हें अपने जीवन में हर प्रकार का सुख और वैभव प्राप्त होता है। करियर में भी ये बड़ी ऊंचाइयों को छुते हैं और खूब धन कमाते हैं। इसी के चलते इन्हें पैसों की समस्या भी बहुत कम होती है।

धर्मेंद्र : पद्म भूषण से लेकर लाइफटाइम अवॉर्ड्स जीतकर बने सिनेमा के बादशाह

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के उन चंद सितारों में से एक थे, जिन्होंने न सिर्फ पर्दे पर अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों के दिलों पर राज किया, बल्कि अपनी सादगी, संघर्ष और अटूट मेहनत से एक मिसाल कायम की। उनके निधन ने पूरे देश को शोक की लहर में डुबो दिया है। ऐसे में हर कोई उनके छह दशकों से ज्यादा लंबे सफर को याद कर रहा है। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली में जन्मे धर्म सिंह देओल का जीवन बेहद सरल था। उनके पिता केवल कृष्ण देओल एक स्कूल प्रिंसिपल थे और मां का नाम सतवंत कौर था। माता-पिता की परवरिश ने उन्हें मिट्टी से जोड़े रखा, लेकिन सिनेमा का जादू उन्हें मुंबई खींच लाया। शुरुआती दिनों में उन्होंने काफी संघर्ष किया, वह गैरेज के बाहर सोए, यहां तक कि उन्होंने 200 रुपए सैलरी वाली नौकरी भी की। इस दौरान 1960 में उन्हें 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' फिल्म का ऑफर मिला, जिससे उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'फूल और पत्थर', 'बंदिनी', 'आंखें' जैसी फिल्मों से घर-घर में पहचाने जाने लगे। 1970 का दशक उनके लिए शानदार रहा, 'मेरा गांव मेरा देश', 'सीता और गीता', 'शोले', 'धरम वीर' ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। 'शोले' का वो डायलॉग 'बसंती, इन कुत्तों के सामने मत नाचना' आज भी दर्शकों के कानों में गूंजता है। इसके बाद 'चरस', 'चुपके चुपके', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'लाइफ इन ए... मेट्रो', और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिसमें 93 हिट और 49 सुपरहिट शामिल हैं।

उन्होंने अपने करियर में कई पुरस्कार जीते, जो उनके हिंदी सिनेमा में अहम योगदान के सबूत हैं।

धर्मेंद्र के पुरस्कारों की शुरुआत ही रोमांचक थी। 1965 में 'आई मिलन की बेला' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का नामांकन मिला। यह वो दौर था जब वे राजेंद्र कुमार और सायरा बानो जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन शेयर कर रहे थे और दर्शकों ने उनकी संजीदगी को सराहा। अगले ही साल, 1966 में 'फूल और पत्थर' ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए पहला नामांकन दिलाया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा चुकी थी, और मीना कुमारी के साथ उनकी जोड़ी ने रोमांस को नई परिभाषा दी।1967 में 'अनुपमा' के लिए 14वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में स्मृति सम्मान मिला। वहीं, 1969 की उनकी फिल्म 'सत्यकाम' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

1970 का दशक आते ही धर्मेंद्र सुपरस्टार बन चुके थे और पुरस्कारों की बौछार शुरू हो गई। 1972 में 'मेरा गांव मेरा देश' के एक्शन हीरो रोल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर नामांकन आया। 1974 में 'यादों की बारात' ने फिर नामांकन दिलाया। 'शोले' फिल्म को 50वें फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का विशेष सम्मान मिला।

1990 के दशक में धर्मेंद्र निर्माता के रूप में चमके। 1990 में 'घायल' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। सनी देओल की यह फिल्म 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुकी थी, और धर्मेंद्र का योगदान इसमें अहम था। 1991 में फिर 'घायल' के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म का फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। यह वह दौर था जब वे राजनीति में भी उतरे, 2004-2009 तक बीकानेर से सांसद बने। लेकिन सिनेमा में वे लगातार सक्रिय रहे।

2003 में सैंसुई व्यूअर्स चॉइस मूवी अवॉर्ड्स में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। 2004 में भारतीय सिनेमा में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए विशेष सम्मान मिला। 2005 में जी सिने अवॉर्ड में लाइफटाइम अचीवमेंट और 2007 में पुणे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लाइफटाइम अचीवमेंट, आईआईएफए लाइफटाइम अचीवमेंट, फिक्की-फ्रेम्स का लिविंग लीजेंड अवॉर्ड, डीबीआर एंटरटेनमेंट और कौमी एकता का सम्मान मिला।धर्मेंद्र को सामाजिक सेवाओं के लिए भी पुरस्कार मिला। उन्होंने 2008 में मैक्स स्टारडस्ट अवॉर्ड्स में अभिनेता पार एक्सीलेंस का नामांकन, 2009 में नासिक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में लाइफटाइम अचीवमेंट, 2010 में बिग स्टार एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स में बिग स्टार एंटरटेनर, और 2011 में अप्सरा प्रोड्यूसर्स गिल्ड में लाइफटाइम अचीवमेंट जैसे अवॉर्ड हासिल किए।

2012 में धर्मेंद्र भारत सरकार का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण मिला, जो उनके योगदान का सबसे बड़ा प्रमाण था। 2017 में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर नोबेल पुरस्कार और 2020 में न्यू जर्सी राज्य द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट का अवॉर्ड उनके नाम रहा।

पीछे सन्नाटा छोड़ गए, धर्मेंद्र को याद करके भावुक हुए अमिताभ बच्चन

तलाश कभी खत्म नहीं होती, लेकिन वक्त खत्म हो जाता है, ही-मैन धर्मेंद्र देओल का ये डायलॉग हमेशा फैंस के दिलों में जिंदा रहेगा। धर्मेंद्र भले ही इस दुनिया से विदा ले चुके हों, लेकिन उनके प्रशंसकों का प्यार और उन्हें याद करने का सिलसिला लगातार जारी है। उनके प्रति सम्मान जताते हुए दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन, कमल हासन और राम चरण ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर धर्मेंद्र को याद करते हुए बेहद भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, एक और महान हस्ती हमें छोड़कर चली गई। अखाड़ा खाली हो गया, और उनके जाने से जो खामोशी पैदा हुई है, वह असहनीय है, एक सन्नाटा रह गया है। धरम जी महानता का प्रतीक थे, जो सिर्फ अपने दमदार व्यक्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि अपने विशाल हृदय और अद्भुत सादगी के लिए भी याद किए जाएंगे। बच्चन ने आगे लिखा, वे अपने साथ पंजाब के गांव की मिट्टी की महक लेकर आए थे और जीवन भर उसी से जुड़े रहे। अपने शानदार फिल्मी सफर में वे हमेशा बेदाग रहे, ऐसे दौर में जब हर दशक में बहुत कुछ बदलता रहा। उनके जाने से हमारे आसपास की हवा जैसे हल्की पड़ गई है। ये एक ऐसा शून्य है, जो कभी भरा नहीं जा सकेगा। ढेरों प्रार्थनाएं।

वहीं साउथ सुपरस्टार राम चरण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। एक ऐसा सितारा जिसने लाखों दिलों को छुआ और भारतीय सिनेमा की सूरत बदल दी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। राजनेता और एक्टर कमल हासन ने लिखा, मेरे प्रिय मित्र और महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। धर्मेंद्र का आकर्षण, विनम्रता और दृढ़ मनोबल पर्दे पर जितना था, पर्दे के पीछे भी उतना ही था। भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे दयालु व्यक्तित्वों में से एक को खो दिया है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। बता दें कि धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कह दिया है।

लीजेंड्स कभी नहीं मरते, अली गोनी से लेकर अंकिता लोखंडे समेत टीवी सितारों ने धर्मेंद्र के प्रति जताया सम्मान

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया है। वह बॉलीवुड के जांबाज एक्शन हीरो थे। इसके अलावा, वह रोमांटिक अंदाज और सरल व्यक्तित्व के कारण लोगों के दिलों पर राज करते थे। उनके निधन की खबर पर टीवी सितारों ने सोशल मीडिया के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित की और धर्मेंद्र के प्रति सम्मान जताया। अभिनेता अली गोनी ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''ऐसा महसूस हो रहा है कि आज राष्ट्र ने अपनी बचपन की एक कड़ी खो दी है। धर्मेंद्र जी, आपकी मौजूदगी हमेशा घर जैसा महसूस कराती थी।'' वहीं, करण कुंद्रा ने श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट में कहा, ''किस्मत वाला हूं कि आपके पैर छूकर आपका आशीर्वाद ले पाया इस जन्म में। ओम शांति, धर्मजी। लीजेंड्स मरते नहीं हैं।'' राइज एंड फॉल के विजेता अर्जुन बिजलानी ने गहरे भावों को व्यक्त करते हुए लिखा, धर्मेंद्र जी, जब भी मैंने आपसे मुलाकात की, वह मेरे लिए एक जादुई पल बन गया। अपने बचपन के आइकॉन से मिलना मेरे लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि सपने जैसा था। आपने 'शोले' ही नहीं, इतने सारे हीरोज और आइकॉनिक रोल दिए, जो हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए।

उन्होंने लिखा, ''300 से ज्यादा फिल्मों का करियर साबित करता है कि आप सिर्फ अभिनेता नहीं, मैं कहूं तो एक लीजेंड थे। आप नहीं रहे, इस पर विश्वास करना कठिन है। मैं खुद को सौभाग्यशाली महसूस करता हूं कि मुझे आपसे मिलने का मौका मिला। आपके परिवार को मेरी गहरी संवेदना। ओम शांति।''

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने भी पोस्ट किया और लिखा, ''रेस्ट इन पीस, धर्मेंद्र जी। लेजेंड्स लोग सचमुच कभी नहीं जाते आपका अपनापन, आपका चार्म और आपकी आइकॉनिक विरासत हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगी। आपके परिवार और आपके प्रशंसकों को मेरी हार्दिक संवेदना।'' टीवी के लोकप्रिय होस्ट और अभिनेता मनीष पॉल ने लिखा, ''एक युग का अंत. धरम सर, हम आपको हर दिन याद करेंगे। आपने जो अपनापन हम पर बरसाया, हम उसे याद करेंगे। आपने हमेशा बहुत प्यार दिया, सभी यादों के लिए धन्यवाद। ओम शांति।''

जब आधी रात अचानक दिलीप कुमार के घर पहुंचे थे धर्मेंद्र

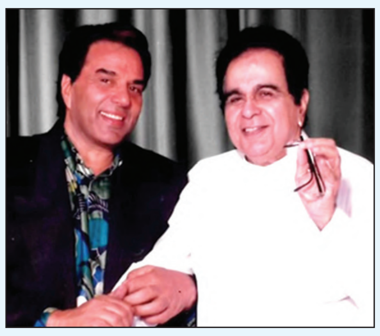

फिल्म इंडस्ट्री के 'ही मैन' धर्मेंद्र इस दुनिया में नहीं रहे। धर्मेंद्र चले गए, पर छोड़ गए सैकड़ों फिल्में, अनगिनत यादें और कुछ ऐसे किस्से जिन्हें आने वाली पीढ़ियां भी मुस्कुराते हुए सुनाया करेंगी। ऐसा ही किस्सा एक रात का है। जब आधी रात को, बिना बताए धर्मेंद्र सीधे अपने आइडल यूसुफ साहब यानी दिलीप कुमार के घर जा पहुंचे थे। बॉलीवुड के दोनों सितारों, ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार और एक्शन हीरो धर्मेंद्र के बीच खास रिश्ता था। बीते जमाने की अभिनेत्री सायरा बानो ने इस खूबसूरत किस्से का जिक्र एक सोशल मीडिया पोस्ट में किया था।

सायरा बानो ने बताया था कि साल था 1952, जब पंजाब के नौजवान धर्मेंद्र ने दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखी थी और उनके दीवाने हो गए थे। बस एक ही जुनून था कि अपने आइडल से मिलना है। ट्रेन पकड़ी और सीधे बॉम्बे पहुंचे। बांद्रा के पाली माला में दिलीप साहब का घर ढूंढ निकाला। गेट खोला, सीढ़ियां चढ़ी, एक कमरे के दरवाजे पर रुके, जहां अंदर सोफे पर गोरा, दुबला-पतला, हैंडसम शख्स यानी उनके यूसुफ साहब सो रहे थे! धर्मेंद्र बस खड़े-खड़े निहारते रहे। अचानक दिलीप साहब की आंख खुली, स्टाफ को आवाज दी। धर्मेंद्र घबराकर नीचे भागे। पहली मुलाकात तो बस इतनी थी, पर ये प्यार जिंदगी भर का था।

छह साल बाद जब फिल्मफेयर टैलेंट कॉन्टेस्ट के लिए फिर बॉम्बे आए तो बहन की मदद से अपॉइंटमेंट लिया। दिलीप साहब ने बड़े भाई की तरह गले लगाया। बाहर ठंड थी, धर्मेंद्र कॉटन शर्ट में कांप रहे थे। दिलीप साहब ने फौरन अपना स्वेटर निकाला और कहा, लो, घर जाते वक्त पहन लेना। उस दिन से धर्मेंद्र के लिए दिलीप साहब का घर अपना घर बन गया। न रस्म, न अपॉइंटमेंट दिन हो या आधी रात, दरवाजा हमेशा खुला रहता था।उन्होंने एक और किस्सा सुनाया था, एक बार सनी देओल की पहली फिल्म 'बेताब' का मुहूर्त था और आधी रात को धर्मेंद्र दिलीप साहब के घर पहुंच गए थे।

छह दशकों की फिल्मी यात्रा का अंत धर्मेंद्र की याद में गमगीन हुआ बॉलीवुड

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने लंबे समय से बीमारी से जूझते हुए सोमवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। इस दुखद खबर को सुनकर मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भावुक होकर धर्मेंद्र को याद करते हुए पोस्ट शेयर की। मशहूर कमीडियन और अभिनेता कपिल शर्मा ने फेसबुक पर अभिनेता के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, अलविदा धर्म पाजी, आपका जाना बहुत ही दुखदायी है; ऐसा लग रहा है जैसे दूसरी बार पिता को खो दिया है। आपने जो प्यार और आशीर्वाद दिया वह हमेशा मेरे दिल में और यादों में रहेगा। कैसे एक पल में किसी के दिल में बस जाते हैं, यह आपसे बेहतर कोई नहीं जानता था। हमारे दिल में आप हमेशा रहेंगे। ईश्वर आपको अपने चरणों में स्थान दें। अभिनेता अक्षय कुमार ने अभिनेता के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने भावुक अंदाज में अपने दिल की बात बयां की, जिसमें उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र जी जैसा हीरो हर लड़का बनने की चाह रखता है। हमारे मनोरंजन जगत के असली ही-मैन। पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। आप अपनी फिल्मों और अपने प्यार के जरिए हमेशा याद किए जाएंगे। ओम शांति। मशहूर लेखक मनोज शुक्ला मुंतशिर ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र के साथ वीडियो पोस्ट की, जिसमें दोनों आपस में बात कर रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, आसमान को अपनी चमक के लिए एक बड़ा सितारा चाहिए था, शायद इसलिए ईश्वर ने आपको अपने श्री चरणों में बुला लिया। मैंने फिल्म 'शोले' 10 साल की उम्र में देखी थी। तभी से धर्मेंद्र जी मेरे हीरो बन गए और अब हमेशा के लिए हैं। उनसे मिलकर पता चला कि वे पर्दे पर जितने सख्त और फौलादी थे, असल जिंदगी में वे उतने ही कोमल दिल और शायराना मिजाज के थे। दिलों में धड़कते और आसमानों पे चमकते रहिए धरम जी। फिर मिलेंगे!

अभिनेता सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता को लेकर भावुक पोस्ट शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, शक्ति जो दिल में छुपी हो, स्टारडम जो स्नेह में लिपटा हो। यही धरम पाजी की विरासत है। दुनिया के लिए वे ही-मैन थे। जिन्होंने उन्हें जाना, उनके लिए वे सच्चे स्नेह का स्रोत थे। शांति में विश्राम करें धरम पाजी। ऊं शांति।

अभिनेत्री काजोल ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें धर्मेंद्र उनके बेटे के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीर पोस्ट कर लिखा, इंसानियत की असली मिसाल चली गए और दुनिया इनके बिना थोड़ी खाली लगती हैलगता है कि हम बस अच्छे लोगों को ही खो रहे हैं। दिल से अच्छे और हमेशा प्यार पाने वाले। रेस्ट इन पीस धरमजी हमेशा प्यार के साथ।

अभिनेता फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की तस्वीर पोस्ट कर भावुक होते हुए लिखा, धर्मेंद्र जी के निधन की दुखद खबर सुनकर पूरा मनोरंजन जगत एक बड़ी क्षति से गुजर रहा है। जो शुरू से धरम जी को देखते आए हैं और जो फिल्म बनाते हैं, उनके लिए धरम जी हमेशा से ही अनमोल रहेंगे। छह दशकों तक मनोरंजन जगत में अपना योगदान देने के लिए धरम जी आपका धन्यवाद। हम आपके आभारी हैं कि हमें आपके गर्मजोशी, दयालुता, उदारता, आकर्षण, गहराई और आपके स्क्रीन पर कॉमेडी को देखने का अनुभव मिला। देओल परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं।(अभिनेता संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, कुछ लोग सिर्फ आपकी जिंदगी में काम नहीं करते वे आपके दिल में बस जाते हैं। धरमजी ऐसे ही थे। यह एक खालीपन है जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मेरी संवेदनाएं सन्नी, बॉबी और पूरे परिवार के साथ हैं।

आज से सिनेमा के आंगन सूना पड़ गइल

पवन सिंह, रवि किशन समेत भोजपुरी सितारों ने दी धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। सोमवार की सुबह उन्होंने जुहू स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। लंबे समय से बीमार चल रहे धर्मेंद्र को हाल ही में 12 नवंबर को ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था और उनका घर पर इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी, और उसके बाद उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन ने न केवल उनके परिवार को, बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके लाखों फैंस को गहरे सदमे में डाल दिया। धर्मेंद्र को भोजपुरी इंडस्ट्री के सितारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कड़ी में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह ने फेसबुक पर धर्मेंद्र के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा, धर्मेंद्र जी के जाने की खबर ने दिल को भीतर तक तोड़ दिया है। ऐसा लगता है मानो पर्दे से नहीं, जिंदगी से ही एक रोशन उजाला चला गया हो। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे उनके साथ काम करने का अवसर मिला-सेट पर उनकी ममता, सरलता और इंसानियत आज भी याद करके आंखें नम हो जाती हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को परम शांति मिले। खेस-ारी लाल यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''आज से सिनेमा के आंगन सूना पड़ गइल धर्मेंद्र जी के जगह केहू ले ना पाई। सहृदय श्रद्धांजलि ओम शांति।''इसी तरह दिनेश लाल यादव निरहुआ ने धर्मेंद्र की ब्लैक एंड व्हाइट फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, ''अलविदा बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र जी। भारतीय सिनेमा के महान अभिनेता धर्मेंद्र का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

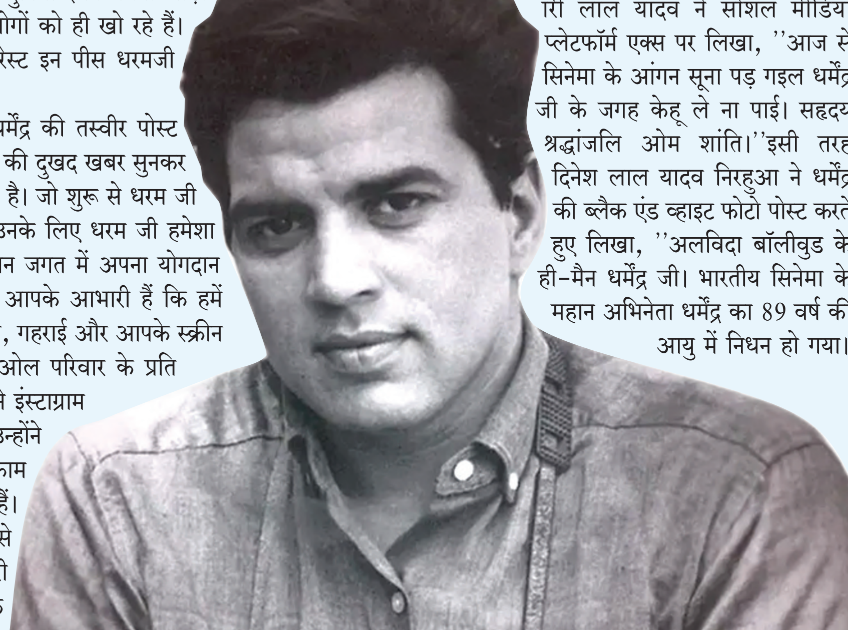

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आप–को उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्य–क्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुला–कात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथ–ार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आप–को जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कार–ोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 नवंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 12:03 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 01:33 तक
योग : वृद्धि दोपहर 12:42 तक
करण : कौलव प्रातः 11:35 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द–चम्पा षष्ठी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी हर योजना का लाभ पहुंच रहा सीधे लाभार्थी तक : भजनलाल

पाली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों का लाभ प्रदेश की 8 करोड़ जनता को मिल रहा है। हमारी सरकार राज्य की 200 विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पूरा कर रही है तथा हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंच रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि हम सभी मिलकर राजस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं तथा विकसित राजस्थान - विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

शर्मा मंगलवार को पाली जिले के चामुंडेरी राणावतान में बाली विधानसभा के विकास कार्यों के लोकार्पण–शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में अच्छी बारिश से फसलें लहलहा रही हैं और बांध–तालाब लबालब भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में हुए स्कूल के लोकार्पण से बालिकाओं को अपने घर के नजदीक शिक्षा सुलभ होगी और आधी आबादी के सशक्तीकरण का एक माध्यम बनेगा। साथ ही, नाडोल से सादड़ी एमडीआर रोड का लोकार्पण भी किया गया है। यह सड़क लोगों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी। राज्य सरकार बाली विधानसभा में निरंतर विकास कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। हमारी सरकार के गठन के तुरंत बाद हमने राज्य की आवश्यकताओं के आधार पर रोड मैप बनाया। पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंगनहर, माही बांध एवं देवास परियोजना के कार्यों को आगे बढ़ाया गया। वहीं हम बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में भी लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में सौर ऊर्जा में राजस्थान अग्रणी राज्य है। हम 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है तथा 22 जिलों में यह कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदा गया तथा 19 में से 17 पेपरलीक हुए। हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हम 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। अब तक 92 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है तथा आगामी रोजगार उत्सव में युवाओं को पर्याप्त रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा मेहनत करें, गत सरकार ने युवाओं के सपनों को तोड़ा, लेकिन हम युवाओं के सपनों को पूरा करेंगे।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने गत दो वर्षों में जितने काम किए है, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पूरे 5 साल में भी उतने काम नहीं हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 21 माह में पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल की तुलना में सवा गुना फार्म पौण्ड, खेतों पर तारबंदी ढाई गुना, ढाई गुना पशु चिकित्सालय का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, चार गुना बहुउद्देश्य पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन किया। इसी तरह सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं हेतु भूमि आवंटन, कुसुम–ए के तहत एलओए, कुसुम–सी के तहत एलओए, छात्राओं को स्कूटी का वितरण तथा राजकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण सहित अन्य क्षेत्रों में हमने पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल की तुलना में कई गुना ज्यादा कार्य किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पिछले साल राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट आयोजित किया। इसमें निवेशकों के साथ 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते किए गए जिनमें से 7 लाख करोड़ से अधिक राशि के कार्यों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसान पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का बोनस दिया जा रहा है, साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों के नौनिहालों को पोषण के लिए दूध भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

राज्य सरकार गौवंश संवर्धन के लिए पूर्ण रूप से समर्पित : भजनलाल शर्मा

पाली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार सनातन संस्कृति के उत्थान, गौसेवा और युवा, महिला, मजदूर तथा किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ–साथ विरासत के मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार मन्दिरों और तीर्थ स्थलों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा मंगलवार को पाली के नेतरा में भगवान श्री मीरा–माधव मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां गौशाला परिसर में बने मन्दिर में भगवान श्री मीरा–माधव सरकार की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें गौमाता की चरण धूलि से पवित्र इस पुण्य भूमि पर आने का अवसर मिला है। यहां भगवान श्रीकृष्ण और भक्त शिरोमणि मीरा बाई की आराधना होगी, जिससे नेतरा गांव की पुण्य भूमि साक्षात बैकुंठ के समान बन जाएगी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में सनातन संस्कृति के संरक्षण में अनेक कार्य हुए हैं। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ है। यह मंदिर सांस्कृतिक तौर पर विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है।

राजस्थान मंडप में राजस्थान के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के मॉडल, कला और हस्त उत्पाद बन रहे आकर्षण का केन्द्र

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में चल रहे 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलें में राजस्थान मंडप में प्रदर्शित प्रदेश के विभिन्न पर्यटक स्थलों के मॉडल्स तथा हस्तकला और अन्य प्रसिद्ध उत्पाद आकर्षण का केन्द्र बन रहे हैं। मंडप में हाड़ौती, मेवाड, मेरवाड़ा अंचलों को विषेष रूप से तैयार किया गया, जहां पर आगंतुक सेल्फी लेते हुए दिखाई दिए।

मंडप में इस बार राजस्थान की पारंपरिक कला और संस्कृति ने लोगों का मन मोह लिया। मेले में लगाया गया राजस्थान की लोक कला का स्टॉल हर दिन भीड़ से भरा रहा। यहाँ आने वाले लोग लंबे समय तक रुककर कलाकृतियों को देखते रहे और कई आगंतुकों ने कहा कि उन्हें यहाँ एक अलग ही अपनापन और खुशी महसूस हुई। मंडप में राज्य की प्रसिद्ध कठपुतलियाँ, बंदनवार, डोर हैंगिंग्स, घरेलू साज–सज्जा की खूबसूरती सबको अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

मेले में केवल वस्तुएँ ही नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक–संस्कृति की जीवंत झलक भी देखने को मिली। यहाँ कठपुतली शो और राजस्थानी लोकनृत्य का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। प्रस्तुति शुरू होते ही दर्शकों ने मोबाइल कैमरे निकाल लिए और बच्चे तालियाँ बजाते दिखाई दिए। सबके चेहरों की मुस्कान यह बता रही थी कि कला इंसान को कुछ पलों के लिए दुनिया की भागदौड़ से दूर ले जाती है। उस माहौल में ऐसा लग रहा था जैसे रंग–बिरंगा राजस्थान अपने पूरे सौंदर्य के साथ दिल्ली में उतर आया हो।

कठपुतली प्रदर्शन के लिए सीकर से आए कलाकार अशोक भट्ट ने बताया कि वे लंबे समय से राजस्थान की पारंपरिक कला से जुड़े हुए हैं और पिछले कई वर्षों से वे विभिन्न मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी कला का प्रदर्शन करते आ रहे हैं। अशोक भट्ट ने बताया कि उनके लिए कला सिर्फ काम नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जब लोग उनके काम को समझते हैं और सराहते हैं, तो उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत सफल हुई।

कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा अवैध खनन गतिविधियों का ड्रोन सर्वे शुरू

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। खान विभाग ने बीकानेर के कोलायत क्षेत्र के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन के आकलन के लिए मंगलवार से ड्रोन सर्वे का कार्य शुरू कर दिया है। अवैध खनन गतिविधियों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा तकनीक के युग में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ड्रोन जैसी नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते रहे हैं। कोलायत के गंगासागर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले के अवैध खनन की जानकारी प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बनाकर ड्रोन सर्वे के निर्देश दिए गए। ड्रोन सर्वे में माइनिंग व जियोलॉजी विंग के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई है जिससे पारदर्शिता के साथ तय समय–सीमा में वास्तविक आकलन हो सकें।

प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त खान विभाग के अधीक्षण अभियंताओं सहित फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई के साथ ही ड्रोन से सर्वे कराते हुए निगरानी रखने के निर्देश समीक्षा बैठकों में देते रहे हैं। कोलायत के गंगासरोवर कैचमेंट एरिया में अवैध खनन की जानकारी संज्ञान में आते ही ड्रोन सर्वे कराकर आकलन के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के क्रियान्विति में अधीक्षण खनि अभियंता एनके बैरवा के मार्गदर्शन में मंगलवार से ड्रोन सर्वे आरंभ हो गया है। खनि अभियंता धीरज पंवार, वरिष्ठ भू वैज्ञानिक मनोहर सिंह राठौड़ व करणवीर सिंह द्वारा ड्रोन सर्वे विशेषज्ञों के साथ सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 70–75 हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन सर्वे के माध्यम से अवैध खनन का आकलन किया जाएगा। इसमें तीन से चार दिन का समय लगने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कोलायत के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में खनिज क्ले आदि के अवैध खनन गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा प्रकरण संज्ञान में आते ही सख्त कदम उठाते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी है।

ड्रोन सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त होने पर वास्तविक अवैध खनन का आकलन हो पाएगा। इसके साथ ही रिपोर्ट का परीक्षण कर विभाग द्वारा संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने सभी अधीक्षण खनि अभियंताओं व फील्ड अधिकारियों को अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने के निर्देश देने के साथ ही आधुनिक नवीनतम तकनीक के उपयोग के निर्देश दिए हैं।

महिला–सुरक्षा को लेकर विशेष रणनीति तैयार करे हरियाणा सरकार: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में हरियाणा में घटी चार अत्यंत दर्दनाक और चिंताजनक घटनाओं ने प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से महिला–सुरक्षा को लेकर अनेक गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करनाल में दिनदहाड़े युवक की गोली मारना और इसके साथ ही एक अज्ञात महिला की निर्मम हत्या कर उसके शव को नहर की पटरी पर फेंक देने जैसी घटना ने हमारे समाज को झकझोर कर रख दिया है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ती ऐसी हिंसक वारदातें केवल पीड़ित परिवारों का दर्द नहीं बढ़ातीं, बल्कि पूरे प्रदेश की अस्मिता और संवेदनशीलता पर भी गहरी चोट करती हैं। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अपराधियों को कठोरतम सजा मिले, ताकि समाज में यह संदेश जाए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि वे उस महिला के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती है जिसकी पहचान तक नहीं हो सकी। किसी महिला के माथे पर गोली मारकर हत्या करना और उसे निर्जीव वस्तु की तरह फेंक देना हमारे समाज की क्रूरता का भयावह रूप है। ऐसी घटनाएं न सिर्फ कानून–व्यवस्था की विफलता को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि महिलाओं की सुरक्षा अब केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक सवाल बन चुका है, जिसे तुरंत और दृढ़ता से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है।

हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में महिलाओं के खिलाफ इस प्रकार की बर्बर घटनाओं का बढ़ना बेहद चिंताजनक है।

हरियाणा सरकार लगातार युवाओं को सशक्त करने का काम कर रही है : डा. पूनिया

चंडीगढ़, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया मंगलवार को रोहतक एमडीयू स्थित डैफेटेरिया पहुंचे। यहां उन्होंने डैफटेरिया में काम करने वाले दिव्यांगों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस डैफेटेरिया को दिव्याग चला रहे हैं और काम कर रहे हैं यह काफी प्रशंसनीय है। डा. पूनिया ने कहा कि यह डैफेटेरिया दिव्यांगों को स्वाभिमान के साथ खड़ा होने का जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभिनव पहल स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत रोहतक में दिव्यांगजन डैफेटेरिया संचालित किया जा रहा और यह प्रयास समाज में एक सकारात्मक संदेश देने के साथ हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। इस मौके पर एमडीयू से कुलपति राजबीर सिंह, डा. आशीष दहिया मौजूद रहे। डा. पूनिया ने कहा कि यह डैफेटेरिया दिव्यांगजन जो सुनने में असमर्थ हैं उनको बाहरी दुनिया से जोड़ने का काम कर रहा है। संचालकों की प्रशंसा करते हुए डा. पूनिया ने कहा कि यह स्टार्टटप सही मायने में बधिर लोगों को पहचान देने के साथ–साथ उन्हें समाज के साथ खुलकर जुड़ने का मंच प्रदान कर रहा है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि मोदी सरकार ने स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया की सफलता दर्शाती है कि आज का भारत गतिशील, विश्वास से भरा और भविष्य के लिए तैयार भारत है। डा. पूनिया ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस परिवर्तनकारी योजना ने अनगिनत युवाओं को सशक्त बनाया है और उनके अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदला है।

गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस समारोह

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निभाई पालकी सेवा

चंडीगढ़, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर मंगलवार को आयोजित श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में एक ऐतिहासिक और भावनात्मक दृश्य देखने को मिला, जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को सिर पर उठा कर मुख्य मंच तक ले जाने की पवित्र 'पालकी सेवा' निभाई। पंज प्यारों की अगुवाई में जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल!

मुख्यमंत्री द्वारा निभाई गई यह सेवा सिख परंपरा में अत्यंत सम्मान और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। संगत की उपस्थिति में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को सम्मानपूर्वक दरबार हॉल में लाया गया और अरदास कर के विधिवत प्रकाश किया गया। पूरे परिसर में श्रद्धा, भक्ति और शांति का वातावरण बना रहा। शहीदी दिवस के मुख्य कार्यक्रम में कीर्तन, गुरबाणी पाठ, समागम, और गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान पर आधारित विशेष प्रस्तुतियाँ भी शामिल रहीं।

पैतृक गांव पहुंचा शहीद जवान का शव, सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

रोहतास/एजेंसियां।

राजस्थान के जैसलमेर में एक हादसे के दौरान गंभीर रूप से घायल जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता का निधन हो गया। वे लगभग 35 वर्ष के थे और लगभग 14 वर्ष से सेना में अपनी सेवा दे रहे थे। मंगलवार की सुबह, जब उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। आसपास के गांवों से काफी संख्या में लोग जमा हो गये और इस दौरान सभी की आंखें नम दिखाई दी। शहीद जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता रोहतास जिले के नौहट्टा प्रखंड अंतर्गत तिऊरा गांव के स्थाई निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 4 नवंबर को जवान मथुरा प्रसाद गुप्ता जैसलमेर स्थित मिलिट्री बेस कैंप में सैन्य टैंक रिपेयरिंग का काम कर रहे थे, तभी नाइट्रोजन गैस की टंकी फटने से वे बुरी तरह झुलस गए। आनन फानन

में उन्हें जैसलमेर के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन 22 नवंबर को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे में अन्य चार जवान भी घायल हैं, जिनका फिलहाल इलाज चल रहा है। वहीं शहीद जवान का शव मंगलवार की सुबह उनके पैतृक गांव पहुंचते हीं काफी संख्या में ग्रामीण अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंच गये। साथ हीं अंतिम संस्कार के दौरान स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे और सभी ने भारत माता की जय, जब तक सूरज चांद रहेगा, मथुरा तेरा नाम रहेगा आदि नारों के साथ नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। डेहरी एसडीएम निलेश कुमार, डेहरी एएसपी अतुलेश झा, सांसद मनोज राम, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम एवं जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल अजय कुमार सिन्हा ने शहीद के परिवार को सांत्वना दी और उनके बलिदान को नमन किया। पूरे सैन्य सम्मान के साथ शहीद जवान का अंतिम संस्कार किया गया। शहीद जवान की वर्ष 2013 में शादी हुई थी। वे अपने पीछे 29 वर्षीय पत्नी पूजा देवी और दो बेटों को छोड़ गए हैं। 12 वर्षीय शुभम गुप्ता एवं 9 वर्षीय शौर्या गुप्ता के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे और पत्नी व मां का भी बुरा हाल था। गांव की महिलाओं को पूरे परिवार को संभालना मुश्किल हो रहा था। हालांकि इस दुखद घड़ी में मौजूद सभी लोग शहीद के बलिदान पर गर्व महसूस कर रहे थे। शहीद के अंतिम संस्कार में पहुंचे एसडीएम निलेश कुमार ने बताया कि सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के तहत शहादत होने पर पत्नी को 50 लाख रुपए की राशि दी गई है। इसके अलावा आर्मी की ओर से 75 लाख की इंश्योरेंस राशि और सैनिक कल्याण निदेशालय के तरफ से परिवार को मिलने वाली सभी सुविधाएं दी जाएंगी।

फुट ओवर ब्रिज अधूरा: लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार करने को बेबस

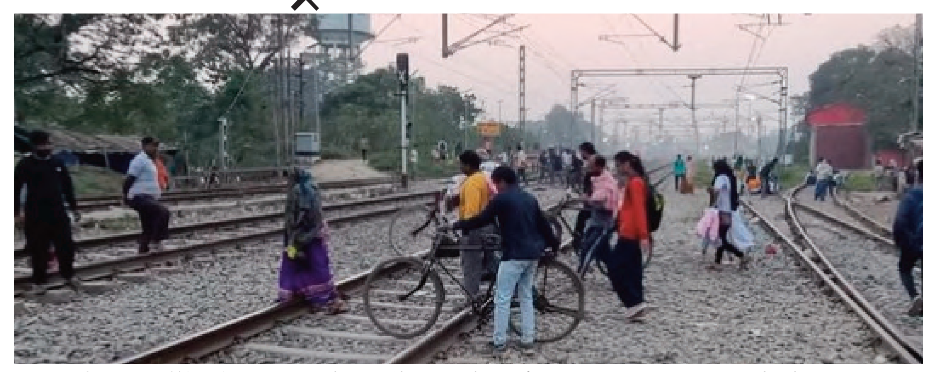

भोजपुर/एजेंसियां।

जिले के आरा में पूर्वी रेलवे गुमटी के पास रोजाना हजारों लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। फुट ओवर ब्रिज का निर्माण अधूरा होने और गुमटी बंद कर दिए जाने के बाद शहर के दर्जनों मोहल्लों और आसपास के शहरों की बड़ी आबादी मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार कर रही है। यह खतरनाक रास्ता लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है, जबकि इस रेल खंड से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रेनें गुजरती हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार फुट ओवर ब्रिज को लेकर लंबे समय से कार्य चल रही है, लेकिन काम बार बार शुरू होकर अधूरा ही छोड़ दिया जाता है। वर्तमान स्थिति यह है कि न गुमटी खुली है और न ही ओवरब्रिज पूरा हो पाया है। जिसकी वजह से लोगों को सीधे ट्रैक पर उतरकर शहर आने जाने का जोखिम उठाना पड़ रहा है। प्रतिदिन बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और साइकिल सवार सभी बिना किसी सुरक्षा उपाय के पटरी पार करने को मजबूर हैं। वहीं ट्रैक पार करते वक्त हर दिन दुर्घटना का डर बना रहता है, फिर भी लोग अपनी जरूरतों के कारण इस खतरनाक रास्ते को अपनाए हुए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार बार मांग करने के बावजूद फुट ओवर ब्रिज का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो पाया है, जिससे हजारों लोगों की जिंदगी खतरे में है। लोगों ने प्रशासन और रेलवे विभाग से जल्द से जल्द फुट ओवर ब्रिज का निर्माण पूरा कराने की मांग की है, ताकि रोजाना होने वाली यह जोखिम भरी दिनचर्या समाप्त हो सके और शहर की बड़ी आबादी को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग में चार महीने के अंदर 32 हजार पदों पर होगी बहाली: स्वास्थ्य मंत्री

पटना/एजेंसियां।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल ली है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सभागार में मंगलवार दोपहर कहा कि आज चौथी बार स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण कर रहा हूं, और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता के विश्वास के साथ वह दोगुनी मेहनत से काम करेंगे। सीवान की जनता और एनडीए नेताओं का धन्यवाद करते हुए मंत्री ने कहा कि मतदाताओं के आशीर्वाद से मुझे फिर सेवा का मौका मिला है। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में सबसे बड़ी चुनौती रिक्त पदों को भरना है। पिछले कार्यकाल में बड़ी संख्या में नियुक्तियाँ हुई थीं और कई प्रक्रियाएँ आगे बढ़ी थीं। अब एक बार फिर विभाग भर्ती प्रक्रिया को तेज गति से पूरा करने

में जुटा है। मंत्री ने बताया कि 26 हजार पदों की नियुक्ति अंतिम चरण में है, जिससे गांवों और प्राथमिक अस्पतालों में मानवबल की भारी कमी दूर होगी। इसके अलावा एनएचएम के तहत 6700 से अधिक बहाली तथा सीएचओ की नियुक्ति से 4 महीनों के भीतर पूरी हो जाएगी। कुल मिलाकर 32700 पदों पर बहाली आने वाले समय में पूरी होगी। आने वाले चार महीने के अंदर इन भर्तियों को पूर्ण करने का लक्ष्य है। मंगल पांडेय ने बताया कि भोजपुर, वैशाली और सिवान में तीन नए मेडिकल कॉलेज जल्द ही तैयार हो जाएंगे। पटना में लोक नायक जयप्रकाश नारायण हड्डी अस्पताल परिसर में 400 बेड का सुपर स्पेशियलिटी ऑर्थो हॉस्पिटल अगले तीन महीनों में बनकर तैयार हो जाएगा। यह देश का पहला 400 बेड वाला समर्पित हड्डी अस्पताल होगा। मंत्री ने कहा कि साल 2025 में 925 योजनाओं का शिलान्यास किया गया था। इनमें से 610 नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अगले तीन महीनों में जनता को समर्पित कर दिए जाएंगे।

मिलों पर नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला, छह प्रस्ताव पास

पटना/एजेंसियां।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्वी में नई सरकार ने मंगलवार को अपनी पहली कैबिनेट की। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में सभी मंत्री कैबिनेट की बैठक में शामिल हुए। इसके बाद मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योग और रोजगार पर पूरा फोकस कर रही है। हमारी प्राथमिकता बिहार में अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो। अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार के लक्ष्य को प्राप्त करना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार को पूर्वी भारत नया टेक हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क को मंत्री परिषद ने स्वीकृति दे दी। मुख्य

सचिव ने कहा कि राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुन चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी। राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय 2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025 30) में हमलोगों ने एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि आबिहार के प्रमुख शहरों की बढ़ती जनसंख्या, मास्टर प्लान आधारित विकास की अपरिहार्यता एवं भविष्य के जनसंख्या दबाव, शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए राज्य में नियोजित, पर्यावरण सम्मत एवं आधुनिक टाउनशिप के विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य में सुनियोजित एवं गुणवत्ता युक्त शहरी विकास हेतु 11 शहरों यथा 09 प्रमंडलीय मुख्यालय शहर, सोनपुर एवं सीतामढ़ी (सीतापुरम) में नये सैटेलाईट टाउनशिप या ग्रीनफिल्ड टाउनशिप के विकास के सैद्धान्तिक सहमति तथा प्रस्ताव तैयार करने की स्वीकृति प्रदान की गयी, जिससे राज्य में सैटेलाइट टाउनशिप या ग्रीनफिल्ड टाउनशिप का विकास किया जाएगा।

नाव से गिरकर युवक गंगा में समाया

पटना/एजेंसियां।

नासरीगंज घाट से नाव पर सवार होकर गंगा नदी पार कर अपने घर लौट रहे एक युवक की नदी में डूबकर मौत हो गई। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है। गंगा में डूबे युवक की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाकर अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक युवक का पता नहीं लग पाया है। डूबे युवक की पहचान अकीलपुर थाना क्षेत्र के कासिमचक पंचायत के बिशुनपुर गांव निवासी 35 वर्षीय संजय कुमार, पिता लालता साव के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों ने बताया कि संजय नासरीगंज घाट से नाव पर सवार होकर गंगा नदी पार कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी बीच धारा में अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नदी में गिर गए और तेज बहाव में बहते चले गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि दियारा क्षेत्र को जोड़ने वाला पीपा पुल 15 अक्टूबर के बाद ही चालू होने के प्रावधान के बावजूद, संवेदक ने अक्तूबर महीने से पुल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया था। इसके बावजूद अब तक पुल चालू नहीं किया गया। लोगों का आरोप है कि यदि पुल समय पर चालू हो जाता, तो संजय की जान बचाई जा सकती थी पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर संवेदक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया और पीपा पुल को तत्काल चालू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दियारा के लोगों के लिए यह पुल जीवनरेखा है, लेकिन लापरवाही के कारण आज एक परिवार बर्बाद हो गया। अकीलपुर थानाध्यक्ष विनोद राम ने बताया कि युवक नाव से गिरकर गंगा नदी में डूब गया है और एसडीआरएफ टीम लगातार खोजबीन में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द शव बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिहार कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई: सात नेता पार्टी से निकाले गए

पटना/एजेंसियां।

कांग्रेस ने अपने सात नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने उन नेताओं पर कांग्रेस पार्टी के मूल सिद्धांतों, अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा के प्रति शिथिल रवैया अपनाने तथा पार्टी प्लेटफॉर्म के बाहर लगातार अवांछित व भ्रामक बयान जारी करने का आरोप लगाया है। यह कार्रवाई प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने की है। इस संबंध में अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव का कहना है कि संबंधित नेताओं से प्राप्त स्पष्टीकरण समिति को संतोषजनक नहीं लगा। उनके कार्य पार्टी अनुशासन उल्लंघन के पाँच मानकों में से तीन के अंतर्गत स्पष्ट रूप से आते हैं। अनुशासन समिति का आरोप है कि नेताओं ने कांग्रेस के कार्यक्रमों और निर्णयों के विरुद्ध लगातार पार्टी मंचों से बाहर बयान दिए हैं। इन नेताओं ने सक्षम अधिकारियों के निर्देशों की जानबूझकर अवहेलना की है। प्रिंट और सोशल मीडिया में टिकट खरीद फरोख्त जैसे निराधार और भ्रामक आरोप लगाकर पार्टी की प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुँचाई है। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मुद्दों को उठाकर नेताओं ने दुष्प्रचार किया, उन पर पार्टी ने पूर्ण पारदर्शिता अपनाई थी। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, जनसंपर्क कार्यक्रम, प्रदेश चुनाव समिति की बैठकों तथा अखिल भारतीय चुनाव समिति द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद ही अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। इसके बावजूद संबंधित नेताओं के आचरण से पार्टी के विभिन्न स्तरोंप्रदेश कांग्रेस कमेटी, पर्यवेक्षक, चुनाव समितियों तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्णयों की अवमानना हुई और संगठन के भीतर भ्रम फैलाने की कोशिश की गई। समिति का यह भी आरोप है कि केंद्रीय पर्यवेक्षक अविनाश पाण्डेय की सहमति से विधान सभा पर्यवेक्षक बनाए जाने के बाद भी इन नेताओं ने अनुशासनहीनता जारी रखी। इन सभी तथ्यों के आधार पर प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने निम्नलिखित व्यक्तियों की छह वर्षों के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी, उनमें कांग्रेस सेवा दल के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष शकीलुर रहमान, किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राज कुमार शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राज कुमार राजन, अति पिछड़ा विभाग के पूर्व अध्यक्ष कुंदन गुप्ता, बांका जिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष कंचना कुमारी और नालंदा जिला के रवि गोल्डेन शामिल हैं। इस संबंध में कांग्रेस सेवा दल के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्य पासवान का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ही फर्जी है। उन्होंने कहा कि अनुशासन समिति जिस तरह से बनना चाहिए, उस तरह से इसे नहीं बनाया गया है। इन लोगों ने अपनी गलतियों को छुपाने के लिए हड़बड़ी में बनाया है। उसमें संगठन महामंत्री का हस्ताक्षर भी नहीं है। उनके अप्रूवल के बिना इसका कोई मतलब ही नहीं हैं। आदित्य पासवान ने आगे कहा कि एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति में कम से कम पांच लोग होते हैं, लेकिन सिर्फ तीन लोग ही हैं। स्पष्टीकरण के बाद एक बार बात भी करना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। आदित्य पासवान ने कहा कि केन्द्रीय कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष तारिक अनवर हैं, जिन्होंने बिहार विधान सभा चुनाव में करारी हार पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो भी कांग्रेस के नेता हैं और जो इस चुनाव में शामिल थे, उन सबको इस हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपना त्यागपत्र दे देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस अनुशासन समिति ने कांग्रेस के नेताओं पर कार्रवाई की है, इसका कोई औचित्य नहीं है। तो क्या ऐसे में राजेश राम अनुशासनहीनता के आरोप में तारिक अनवर पर भी कार्रवाई करेंगे। शायद नहीं कर पाएंगे।

सिर्फ हम सात लोगों पर ही कार्रवाई क्यों

इस मसाले पर आदित्य पासवान ने कहा कि इस विरोध में कुल 43 नेता कार्यकर्ता हैं, फिर सिर्फ हम सात लोगों पर ही क्यों की गई। इतना ही नहीं इस आंदोलन में पीईसी के सदस्य नागेन्द्र विट्ठल, खुशबु और वीणा शाही जैसे नेता शामिल थे, फिल उनपर राजेश राम ने कार्रवाई क्यों नहीं कीं, उनसे कोई सेटिंग हो गई क्या। दरअसल राजेश राम और कृष्ण अलावरू ने जो गलतियाँ की हैं, टिकट चोरी किया, जो अनियमितता की हैं, उनको छुपाने के लिए यह ठीकरा हमलोगों पर फोड़ रहे हैं, जिन्होंने पार्टी के लिए आवाज बुलंद किया।

कार के सीक्रेट चैंबर से 32 किलो गांजा जब्त

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), मुजफ्फरपुर की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई मधुबनी जिले के कोसी टोल प्लाजा के पास की गई, जहां टीम ने चेकिंग के दौरान एक कार से 32 किलो गांजा जब्त किया। तस्करों ने मादक पदार्थ को कार में बने सीक्रेट चैंबरनुमा बॉक्स में छिपाकर रखा था। डीआरआई ने कार में सवार दो तस्करों उदयलाल राय और शंभू सरकार, दोनों पश्चिम बंगाल (कूचबिहार और जलपाईगुड़ी) के रहने वाले को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजा गुवाहाटी (असम) से मधुबनी ले जाया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार, डीआरआई टीम को पहले से ही एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार से मादक पदार्थ की खेप बिहार की ओर लाई जा रही है। इसके बाद टीम ने कोसी टोल प्लाजा के निकट वाहनों की जांच शुरू की और संदिग्ध कार से गांजा बरामद किया।

बताया जाता है कि तस्करों ने कार में विशेष रूप से एक गुप्त बॉक्स बनाकर गांजे के बंडल छिपाए थे। गौरतलब है कि इसी मार्ग पर 23 अगस्त को भी डीआरआई ने एक कंटेनर से 225 किलो गांजा बरामद कर मध्य प्रदेश के दो तस्करों को गिरफ्तार किया था। वहीं, पकड़े गए दोनों तस्करों से पूछताछ जारी है और डीआरआई की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com